हिन्दी सांध्य दैनिक

# प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 181, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 31 दिसम्बर, 2023 दिन रविवार गाजीपुर/वाराणसी

## रामलला को ही नहीं बल्कि पक्का घर देश के 4 करोड़ गरीबों को भी मिला

### एक समय था जब अयोध्या में रामलला टेंट में विराजमान थे : मोदी

अयोध्या। नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनने के बाद चौथी बार अयोध्या पहुंचे। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिथिला से रामनगरी को रेलमार्ग से जोड़ने की संतों की बहुप्रतीक्षितइच्छा को पूरा किया, साथ ही उन्होंने कहा कि हवाई उड़ान कासपना भी धरातल पर अब जल्द उतरेगा। वहीं पीएम मोदी ने रेलवे स्टेशन के नए भवन का लोकार्पण करने के बाद अमृत भारत और वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान पीएम मोदी ने वहां मौजूद लोगों को संबोधित भी किया।

**सिर्फ केदार धाम का पुनरुद्धार ही नहीं हुआ : मोदी**- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "आज देश में सिर्फ केदार धाम का पुनरुद्धार ही नहीं हुआ है, बल्कि 315 से ज्यादा नए मेडिकल कॉलेज भी बने हैं। आज देश में महाकाल महालोक का निर्माण ही नहीं हुआ है, बल्कि हर घर जल पहुंचाने के लिए पानी की 2 लाख से ज्यादा टंकियां भी बनवाई गई हैं।"

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "एक समय था, जब यहीं अयोध्या में रामलला टेंट में विराजमान थे। आज पक्का घर सिर्फ रामलला को ही नहीं बल्कि पक्का घर देश के 4 करोड़ गरीबों को भी मिला है। आज का भारत अपने तीर्थों को भी संवार रहा है, वहीं डिजिटल टेक्नोलॉजी की दुनिया में भी छाया।

**हम अपनी विरासत को संभाल रहे हैं : मोदी**- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "दुनिया में कोई भी देश हो, अगर उसे विकास की नई ऊंचाई पर पहुंचना है, तो उसे अपनी विरासत को संभालना ही होगा। हमारी विरासत हमें प्रेरणा देती है, हमें सही मार्ग दिखाती है। इसलिए आज का भारत, पुरातन और नूतन दोनों को आत्मसात करते हुए आगे बढ़ रहे हैं।

**देश के इतिहास में 30 दिसंबर काफी ऐतिहासिक रही है : मोदी**- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "देश के इतिहास में 30 दिसंबर की तारीख बहुत ऐतिहासिक रही है। 1943 में आज के ही दिन नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने अंडमान में झंडा फहरा कर भारत की आजादी का जयघोष किया था। आजादी के आंदोलन से जुड़े ऐसे पावन दिवस पर हम आजादी के अमृतकाल के संकल्प को आगे बढ़ा रहे हैं।

**अयोध्या में होंगे हजारों-करोड़ों के विकास कार्य : मोदी**- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बनने के बाद यहां आने वाले लोगों की संख्या में बहुत बड़ी वृद्धि होगी। इसे ध्यान में रखते हुए हमारी सरकार अयोध्या में हजारो-करोड़ों रुपयों के विकास कार्य करवा रही है, अयोध्या को स्मार्ट बना रही है। आज अयोध्या में सड़कों का चौड़ीकरण हो रहा है, नए फुटपाथ बन रहे हैं, नए फ्लाईओवर, नए पुल बन रहे हैं। अयोध्या को आस-पास के जिलों से जोड़ने के लिए भी यातायात को सुधारा जा रहा है।"

**'जय श्री राम' के नारों के बीच दिल्ली से अयोध्या के लिए रवाना हुई पहली फ्लाइट, यात्रियों में दिखा उत्साह**- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज यूपी के अयोध्या में महर्षि वाल्मिकी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट अयोध्या धाम का उद्घाटन कर दिया है। महर्षि वाल्मिकी इंटरनेशनल एयरपोर्ट अयोध्या धाम के लिए दिल्ली से इंडिगो की पहली फ्लाइट रवाना हुई। दिल्ली से अयोध्या धाम के लिए पहली फ्लाइट के रवाना होने से पहले इंडिगो के पायलट कैप्टन आशुतोष शेखर ने यात्रियों का स्वागत किया। इस दौरान विमान में सवार लोगों लोगों ने 'जय श्री राम' के नारे भी लगाए। पीएम मोदी ने अयोध्या में महर्षि वाल्मिकी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे अयोध्या धाम का उद्घाटन किया है।

## पुराणी स्वामी स्मृति महोत्सव में पहुंचे शाह, कहा- गुरुकुल के बिना गुजरात का सर्व शिक्षा अभियान अधूरा

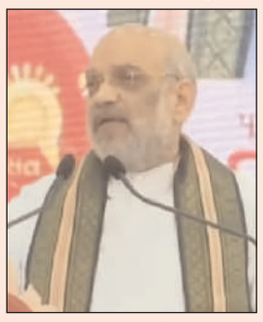

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह स्वामीनारायण गुरुकुल विश्वविद्या प्रतिष्ठानम द्वारा आयोजित पूज्य पुराणी स्वामी स्मृति महोत्सव में शामिल हुए। इस महोत्सव को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि स्वामी नारायण संप्रदाय के गुरुकुल के बिना गुजरात का सर्व शिक्षा अभियान अधूरा रह जाता। उन्होंने कहा, 'यदि गुजरात में स्वामी नारायण संप्रदाय का गुरुकुल नहीं होता तो यहां का सर्व शिक्षा अभियान अधूरा रह जाता।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर अमित शाह ने कहा, 'हम सभी भाजपा कार्यकर्ता 1950 से ही भारत की दिशा को बदलने की कोशिश कर रहे थे। हमारे कई पीढ़ियों ने कोशिश की, लेकिन वह दिन तब आया जब गुजरात का मुख्यमंत्री देश का प्रधानमंत्री बना। इसके बाद से ही सभी भारत को सम्मान की दृष्टि से देखते हैं।'

## उज्ज्वला योजना के लाभार्थी के घर पहुंचे पीएम मोदी, चाय की चुस्की के साथ जाना हालचाल

अयोध्या। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज (30 दिसंबर) शनिवार को दौरे पर हैं। प्रधानमंत्री ने आज कुल 15 हजार 709 करोड़ रुपये की योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया।पीएम नरेंद्र मोदी ने अयोध्या दौरे के दौरान पीएम उज्ज्वला योजना की 10 करोड़वीं लाभार्थी के घर गए। पीएम ने योजना की लाभार्थी के आवास पर चाय भी पी। इस दौरान प्रधानमंत्री के साथ तस्वीर लेने की भीड़ जुट गई। मयार्दा पुरुषोत्तम की धरती पर प्रधानमंत्री नरेन्द्रमोदी चौथीबार पहुंचे हुए हैं। पीएम मोदी शनिवार की सुबह करीब 10 बजे एयरपोर्ट पहुंचे। पीएम की अगवानी के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व राज्यपाल आनंदीबेन एयरपोर्ट पर मौजूद रहे। प्रधानमंत्री के अयोध्या पहुंचने पर सीएम योगी और राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा को लेकर पुख्ता प्रबंध किया गया है। शुक्रवार देर रात से हाईवे पर यातायात परिवर्तित कर दिया गया था। शनिवार को सुबह सात बजे से रामनगरी की ओर सामान्य वाहनों का प्रवेश रोक दिया गया। प्रधानमंत्री का मुख्य कार्यक्रम एयरपोर्ट व अयोध्याधाम जंक्शन पर था। पीएम ने यहां करीब चार किलोमीटर तक का रोड-शो भी किया। रोड शो के मार्ग पर पुलिस एवं पैरामिलिट्री फोर्स की तैनाती रही। पीएम ने मिथिला से रामनगरी को रेलमार्ग से जोड़ने की संतों की बहुप्रतीक्षितइच्छा को पूरा किया। रेलवे स्टेशन के नए भवन का लोकार्पण करने के बाद उन्होंने अमृत भारत और वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। लोकार्पित की जाने वाली केंद्र व राज्य वित्त पोषित परियोजनाओं में मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, अयोध्याधाम रेलवे स्टेशन का प्रथम चरण, राजर्षि दशरथ स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, नयाघाट पर सुश्री लता मंगेशकर चौक, नया क्वीन हो मेमोरियल पार्क, पंचकोसी परिक्रमा मार्ग, बड़ी बुआ का उपरिगामी सेतु शामिल है। अयोध्या में 220 व 132 केवी की भूमिगत व शिरोपरि लाइन, सआदतगंज से नयाघाट तक स्पाइन रोड, भक्तिपथ, धर्मपथ, श्रीजन्मभूमि पथ, राम की पैड़ी में अविरल जल प्रवाह की रिमाडलिंग पार्ट (ए), सूर्यकुंड, सूर्यकुंड में लाइट एंड साउंड शो,सूर्यकुंड मंदिर के सूर्य मंदिर का जीर्णाद्धार, अंतरराष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय में डिजिटल लाइब्रेरी, सोहावल के ग्राम पिपरखौली में सालिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट का नाम शामिल है।

## 'केवल इतना बचा है कि भगवान राम उनके उम्मीदवार...', भाजपा पर उद्धव शिवसेना का हमला

मुंबई। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के सांसद संजय राउत ने एक बार फिर भाजपा पर निशाना साधा है। उनका कहना है कि भगवान राम के नाम पर जमकर राजनीति की जा रही है।

अब सिर्फ इतना ही बचा है कि भाजपा जल्द एलान करेगी कि अयोध्या या किसी अन्य जगह से भगवान राम उनके उम्मीदवार होंगे। राउत शनिवार को पत्रकारों से बात कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस को शून्य कहने वाली बात पर भी सफाई दी।

शिवसेना सांसद ने कहा कि उन्होंने कभी कांग्रेस को जीरो नहीं कहा था। उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया गया। उन्होंने कहा, 'मैंने यह कहा था कि कांग्रेस को जीरो से शुरूआत करनी होगी, यह कभी नहीं कहा कि कांग्रेस शून्य है। महाराष्ट्र में फिलहाल कांग्रेस का एक भी सांसद नहीं है। हमारे पास 18 सांसद थे, लेकिन कुछ चले गए और अब हमारे पास छह सांसद हैं। हमारा गठबंधन कांग्रेस के साथ है और महा विकास अघाड़ी करीब 40 सीटें जीतेगी।' शिवसेना एक सीट पर भी नहीं जीत सकती इस पर राउत ने कहा कि बयान आने दो। हमारे पास छह सांसद है और हमारी एक ताकत है। हम पुराना आंकड़ा जीत लेंगे। उन्होंने आगे कहा कि अगर रही बात नहीं जितने की, तो आप भी नहीं जीत पाओगे। आप मिलकर ही जीत पाओगे। आज के समय में कोई भी पार्टी नहीं है जो खुद के बलबुते पर जीत सके। भाजपा को जीतने के लिए ईवीएम की जरूरत है, वे भी अकेले नहीं जीत सकते। उनका गठबंधन ईवीएम के साथ है। तो हर किसी को किसी न किसी की जरूरत है। अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर के अभिषेक समारोह के निमंत्रण पर संजय राउत ने कहा कि अब, केवल एक चीज बची है कि भाजपा घोषणा करेगी कि भगवान राम चुनाव के लिए उनके उम्मीदवार होंगे। भगवान राम के नाम पर इतनी राजनीति की जा रही है।

## मणिपुर में दो गुटों के बीच गोलीबारी गोली लगने से एक व्यक्ति की मौत

इंफाल। मणिपुर में शनिवार अल सुबह दो गुटों में भीषण फायरिंग होने की खबर है। इसमें एक व्यक्ति की गोली लगने मौत हो गई है। सुरक्षाबलों को सतर्क कर दिया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक शनिवार अल सुबह करीब 3.45 बजे लमसांग पीएस (कांगपोकपी - इम्फाल पश्चिम जिले की सीमा) के अंतर्गत सामान्य क्षेत्र कडांगबंद में युद्धरत समुदायों के स्वयंसेवकों के बीच भीषण गोलीबारी हुई। यह गोलीबारी करीब आधे घंटे तक चली। घटना के दौरान मैतेई गांव के एक स्वयंसेवक, इंफाल पश्चिम जिले के मयांग लांगजिंग के निंगोम्बम की गोली लगने से मौत हो गई। हिंसा को और बढ़ने से रोकने के लिए इलाके में तैनात सुरक्षाबलों को सतर्क कर दिया गया है। मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिए जाने की मांग के विरोध में तीन मई को पर्वतीय जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च के आयोजन के बाद झड़पें शुरू हुई थीं। राज्य में तब से अब तक कम से कम 160 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। हिंसा में सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं।

## मॉरीशस के सांसद ने पीएम मोदी की तारीफ में पढ़े कसीदे, कहा- केवल वहीं अयोध्या को सुर्खियों में ला सकते थे

नई दिल्ली। मॉरीशस के सांसद महेंद गंगाप्रसाद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया। साथ ही, उन्होंने कहा कि केवल पीएम मोदी ही अयोध्या को फिर से सुर्खियों में ला सकते थे और उन्होंने ऐसा किया भी है। मॉरीशस में लेबर पार्टी के सांसद गंगाप्रसाद इस समय भारत में हैं। गंगाप्रसाद ने कहा, "आप कल्पना नहीं कर सकते कि मुझे कितना गर्व महसूस हो रहा है। हिंदू धर्म के अधिकांश मॉरीशसवासी बहुत खुश और गौरवान्वित हैं कि आज रामजी का मंदिर उसी स्थान पर है जहां उनका जन्म हुआ था।" उन्होंने कहा, "मैं सच कह रहा हूं कि केवल मोदी ही अयोध्या को फिर से सुर्खियों में ला सकते थे, जैसा कि उन्होंने किया है। जिस तरह से मंदिर बनाया जा रहा है और बनाया गया है, आपने जो किया उसके लिए हमें मोदी जी पर गर्व है।" गंगाप्रसाद ने शिक्षा क्षेत्र में पीएम मोदी के प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने कहा, "उनके कार्यकाल में शिक्षा क्षेत्र फला-फूला है और हम इसे हर क्षेत्र में देख सकते हैं। छात्र विश्वविद्यालयों और स्कूलों से बाहर आ रहे थे। वे नए भारत, नई शिक्षा प्रणाली को दर्शाते हैं और इसके लिए मैं मोदी जी को बधाई देना चाहता हूं।" गंगाप्रसाद ने पीएम मोदी को 'करिश्माई नेता' बताते हुए उन्होंने

कहा कि वह एक ऐसे नेता हैं, जिन्होंने भारत, भारत की नियति और भारत की छवि को बदल दिया है। उन्होंने कहा, "आज, लोग भारत की ओर देखते हैं और मुझे लगता है कि एक व्यक्ति जो हमारे आभार और हमारी प्रशंसा का हकदार है, वह नरेंद्र मोदी हैं।" उन्होंने कहा कि यह नया भारत केवल उनके दृष्टिकोण के कारण ही संभव हो पाया है। भारत-मॉरीशस संबंधों पर प्रकाश डालते हुए गंगाप्रसाद ने कहा कि रिश्ते को और मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा, "हम मॉरीशस वासियों का भारत के साथ हमेशा बहुत अच्छा रिश्ता रहा है और मोदी के कार्यकाल में यह रिश्ता और मजबूत हो रहा है और इसके लिए मैं नरेंद्र मोदी का आभारी हूं।" गंगाप्रसाद ने कहा, "मोदी है तो मुमकिन है।" अयोध्या शहर भव्य प्रतिष्ठा समारोह के लिए तैयार हो रहा है। मंदिर के अधिकारियों के अनुसार, अभिषेक समारोह 16 जनवरी से शुरू होकर सात दिनों तक चलेगा। 16 जनवरी को मंदिर ट्रस्ट, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र द्वारा नियुक्त यजमान प्रायश्चित समारोह का संचालन करेंगे। सरयू नदी के तट पर 'दशविध' स्नान, विष्णु पूजा और गायों को प्रसाद दिया जाएगा। इसके बाद, 17 जनवरी को रामलला की मूर्ति, जिसमें भगवान राम को पांच साल की उम्र में दर्शाया गया है, के साथ एक जुलूस अयोध्या पहुंचेगा।

## विपश्यना ध्यान केंद्र से वापस लौटे केजरीवाल बोले- इस साधना से मिलती है असीम शांति

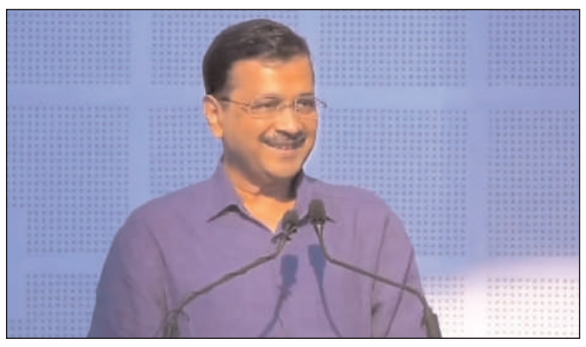

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शनिवार को विपश्यना ध्यान केंद्र से निकले हैं। सीएम अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट किया है, '10 दिन की विपश्यना साधना के बाद आज वापस लौटा। इस साधना से असीम शांति मिलती है। नई ऊर्जा के साथ आज से फिर जनता की सेवा में लगेंगे।' 10 दिन की विपश्यना साधना के बाद आज वापिस लौटा। इस साधना से असीम शांति मिलती है। नई ऊर्जा के साथ आज से फिर जनता की सेवा में लगेंगे। बता दें कि शराब नीति घोटाला मामले में ईडी ने 21 दिसंबर को पूछताछ के लिए सीएम केजरीवाल को समन भेजा था। इस दौरान सीएम केजरीवाल पहले से तय विपश्यना कार्यक्रम के लिए रवाना हो गए थे। वह विपश्यना ध्यान केंद्र में 30 दिसंबर तक मौजूद रहे। विपश्यना एक प्राचीन भारतीय ध्यान पद्धति है, जिसका अभ्यास करने वाले लोग कुछ समय के लिए देश-दुनिया से कट जाते हैं और एकांतवास में रहते हैं। इसे एक तरह का योगाभ्यास भी कहा जा सकता है।

## 'सबके हैं रामलला', उद्धव को नहीं मिला राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का न्योता; बोले- मुझे जरूरत नहीं, मैं...

मुंबई। पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने शनिवार को कहा कि उन्हें अगले माह अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन समारोह का न्योता नहीं दिया गया है। बता दें कि 22 जनवरी को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित अन्य लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। एक समाचार एजेंसी के मुताबिक, शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष ठाकरे को राम मंदिर के उद्घाटन समारोह का न्योता नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर जाने के लिए मुझे न्योते की जरूरत नहीं है, क्योंकि रामलला सभी के हैं। मेरी सिर्फ एक ही विनती है कि राम मंदिर के उद्घाटन का राजनीतिकरण न हों। रामलला किसी एक पार्टी की प्रॉपर्टी नहीं हैं, बल्कि लाखों-करोड़ों भक्तों के आस्था और श्रद्धा का स्थान है। इसका राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए। उद्धव ठाकरे ने राम मंदिर के निर्माण कार्य पर खुशी जताते हुए कहा कि राम मंदिर के निर्माण का फैसला सरकार ने नहीं, बल्कि सुप्रीम कोर्ट ने दिया था। बाबरी निगारे का जो काम किया गया वो तो अब रहे नहीं बाकी, काफी थोड़े लोग रहेंगे... कुछ लोग अपने स्कूल की पिकनिक के लिए गए होंगे, उस उम्र के वो थे... लेकिन सारे लोगों का सहयोग इसमें (राम मंदिर निर्माण) है। इसलिए मेरा मानना है कि राम मंदिर का निर्माण हमारे लिए खुशी और गर्व की बात है। उन्होंने कहा, जब भी मेरे मन में आएगा मैं जरूर जाऊंगा। मुझे किसी न्योते की आवश्यकता नहीं है। अभी आज जाकर मैं दर्शन कर सकता हूं। उद्धव ठाकरे ने आगे कहा कि मैं मुख्यमंत्री बनने के बाद और पहले भी वहां (रामलला के दर्शन करने) पर गया था। मुझे किसी की अनुमति की जरूरत नहीं है। रामलला मेरे भी हैं और आपके भी, जो भी चाहे वहां पर जा सकता है।

## भाजपा एमएलसी को थप्पड़ मारने पर बोर्ड बैठक में हंगामा, बसपा-सपा पार्षदों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

मेरठ। मेरठ में शनिवार को नगर निगम की बोर्ड बैठक में जमकर हंगामा हो गया। यहां भाजपा पार्षद के अपना वकतव्य रखने के दौरान बसपा पार्षद ने भाजपा एमएलसी को थप्पड़ मार दिया। इसके बाद भाजपा कार्यकताओं ने बसपा और सपा पार्षदों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। जानकारी के अुनसार शनिवार को घंटाघर स्थित टाउन हॉल में नगर निगम की बोर्ड बैठक का आयोजन किया गया था। बैठक के दौरान भाजपा पार्षद रेखा सिंह हाउस टैक्स को लेकर अपनी बात रख रही थीं। विपक्ष के एक पार्षद ने उनका विरोध कर दिया, जिस पर गहमा-गहमी हो गई। इसी बीच भाजपा के एमएलसी धमेंद्र भारद्वाज भी पहुंच गए। हंगामे की बीच बसपा पार्षद आशीष चौधरी ने एमएलसी धमेंद्र भारद्वाज को थप्पड़ मार दिया। इस पर हंगामा और ज्यादा बढ़ गया। सपा पार्षद कीर्ति घोपला भी विरोध में आ गए। इसके बाद बात लात-घूंसों तक जा पहुंची। लड़ते-झगड़ते भाजपा कार्यकर्ता और सपा बसपा पार्षद बाहर तक आ गए। वहीं भाजपा कार्यकताओं ने आशीष और कीर्ति घोपला को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। वहीं हंगामे और मारपीट के बीच बोर्ड बैठक स्थगित करनी पड़ी।

## संपादकीय

## एमफिल का विवाद

कहने को तो नई शिक्षा नीति-2020 का मकसद हमारी शिक्षा प्रणाली में बदलाव लाना रहा है ताकि बदलते वक्त के साथ शिक्षण संस्थाएं कदमताल कर सकें। जिसका उद्देश्य देश की शिक्षा प्रणाली को सुव्यवस्थित करके सुधारों को गति देना रहा है। इसके अंतर्गत अन्य बदलावों के साथ ही दो साल की एमफिल डिग्री को वर्ष 2020 में देना बंद कर दिया गया था। तब इस बाबत दलील दी गई थी कि शोध छात्र इस पाठ्यक्रम में कम ही दाखिला ले रहे थे। एक तो छात्रों को नौकरी पाने के लिये फिर से पीएचडी में शोधकार्य को करना पड़ता था। वहीं उनका काफी समय व धन इसमें व्यय होता था। दरअसल, कोई भी पाठ्यक्रम इसलिये कम-ज्यादा लोकप्रिय होता है कि वह रोजगार दिलाने में कितना सहायक है। जैसा कि आज देश में इंजीनियरिंग व डॉक्टरी की पढ़ाई में दाखिला लेने के लिये कड़ी प्रतिस्पर्धा होती है। दरअसल, एमफिल को लेकर जो भ्रमपूर्ण स्थिति पैदा हुई, उसके मूल में नीति-नियंताओं द्वारा अपने फैसले को तार्किक बनाने के लिये समय रहते पहल नहीं की गई थी। जिसके चलते निजी विश्वविद्यालयों के प्रलोभन के चलते छात्रों में असमंजस की स्थिति बनी रही। इस स्थिति से अनभिज्ञ एमफिल में दाखिला लेने वाले छात्रों को इसकी कीमत चुकानी पड़ी। इसमें उनका समय व पैसा बेकार गया। बुधवार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी ने छात्रों को इस पाठ्यक्रम में आगे दाखिला लेने पर चेतावनी दी। विडंबना यह है कि नई शिक्षा नीति में बदलाव के बावजूद कुछ विश्वविद्यालय अभी भी समाप्त किए गए पाठ्यक्रम की पेशकश कर रहे थे। ऐसे में बिना सोचे-समझे इस पाठ्यक्रम में भाग लेने वाले छात्रों का भविष्य असुरक्षित हो गया। यदि समय रहते इस संबंध में पर्याप्त सूचना दी गई होती तो निश्चित रूप से कई मेधावी छात्रों का समय व पैसा बचाया जा सकता था। इस तरह व्यवस्था की विसंगतियों व नीतिगत फैसलों में हीला-हवाली की कीमत अन्य लोगों को चुकानी पड़ती है। दरअसल, इस फैसले के मूल में जहां पाठ्यक्रम की व्यावहारिकता से जुड़े प्रश्न शामिल हैं, वहीं निजी विश्वविद्यालयों व कालेजों द्वारा आर्थिक लाभ उठाने के मकसद से छात्रों को अंधेरे में रखना भी एक बड़ा कारण रहा है। यहां तक कि इस मामले में यूजीसी की प्रतिक्रिया भी अस्वाभाविक है। यदि यूजीसी ने अपने नये नियम को सख्ती से लागू किया होता और वर्ष 2020 से इस गैर-मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम को लेकर प्रमुखता से विज्ञापित चेतावनी व नोटिस जारी किए होते तो यह पाठ्यक्रम तीन साल तक जारी नहीं रह पाता। निश्चित रूप से यह स्थिति देश में उच्च शिक्षा प्रणाली की विसंगति को भी दशार्ती है। विडंबना यह भी है कि देश के विश्वविद्यालय सत्तारूढ़ राजनीतिक दलों के हस्तक्षेप के केंद्र बन गये हैं। वे विश्वविद्यालयों के शैक्षणिक मामलों और नियुक्ति प्रक्रियाओं में स्पष्ट रूप से हस्तक्षेप कर रहे हैं। विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता का ह्रास और असहमति के प्रति बढ़ती असहिष्णुता विश्वविद्यालय परिसरों में स्वतंत्र बहस की संस्कृति को क्षति पहुंचा रही है। दरअसल, विश्वविद्यालयों के वित्तीय स्रोतों का संकुचन भी बड़ी चुनौती है। जो शिक्षकों और विद्यार्थियों को समान रूप से प्रभावित करता है। जिससे नवाचार और मानव संसाधनों की गुणवत्ता प्रभावित होती है। वहीं इस विसंगति का एक पहलू यह भी है कि यूजीसी के फैसले के मूल में अन्य पक्षों का दबाव भी शामिल रहा है जो एमफिल के जरिये समाज में मनोचिकित्सा के क्षेत्र में बेहतर योगदान के बावजूद अन्य डिग्रीधारियों द्वारा प्रतिस्पर्धी के रूप में देखे जा रहे थे। मसलन मनोचिकित्सा के क्षेत्र में देखें तो मास्टर डिग्री के बाद एमफिल के जरिये लाइसेंस्ड कंसल्टेंट क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट के रूप में बेहतर काम कर रहे प्रतिभागी, उन लोगों को नहीं सुहाते जो अन्य डिग्रियों के जरिये इस पेशे में मनोचिकित्सक के रूप में काम कर रहे हैं। दरअसल, पेशेगत प्रतिस्पर्धा का दबाव भी इस निर्णय के मूल में रहा है। निश्चित रूप से कोई भी फैसला व्यापक वर्ग के हितों को ध्यान में रखकर ही लिया जाना चाहिए। जो तार्किक भी हो और समय के अनुरूप भी हो।

## है भारी संदेश !

उड़ने लगे विमान ।
शुरू हुई रफ़्तार ।।
कायाकल्प हो रहा ।
जारी भी प्रचार ।।
हो रहा सब आधुनिक ।
सज धज कर तैयार ।।
शोर शराबा है चरम ।
उसके कई प्रकार ।।
है भारी संदेश ।
कदम जिधर बढ़ाया ।।
मनोकामना पूर्ण हुई ।
दिन है लौट आया ।।
करते जो सवाल थे ।
पड़े आज वो शांत ।।
है माहौल ऐसा ।
हो रहे एकांत ।।

–कृष्णेन्द्र राय

# परिवारवाद और चापलूसी संस्कृति से चमक खोती कांग्रेस

**ललित गर्ग**

कांग्रेस में शीर्ष नेतृत्व के प्रति चापलूसी की पुरानी परंपरा रही है, इस परंपरा को कांग्रेसी नेता पार्टी की संस्कृति की तरह से अपनाते रहे हैं। ऐसे अनेक नेता हुए हैं, जिन्होंने उस परंपरा को परवान चढ़ाने की मिसाल कायम करके सुर्खियां बटोरीं हैं, लेकिन इससे सबसे सशक्त एवं पुरानी राजनीतिक पार्टी का क्या हश्र हो रहा है, इस बात को देखने का साहस पार्टी के भीतर किसी नेता में नहीं है। यही कारण है कि राष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी के बाद सर्वाधिक वोट बैंक वाली पार्टी होने के बावजूद वह कोई सार्थक परिणाम एवं प्रदर्शन नहीं दिखा पा रही हैं। हाल ही में सम्पन्न पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में उसने करारी हार का सामना किया है। इन राज्यों में हुए चुनावों में या तो कांग्रेस की सरकार जाती रही या विपक्ष में होने का बावजूद भी वो वहां कुछ खास कमाल नहीं कर सकी। राहुल गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए पार्टी 2019 के लोकसभा चुनाव में कोई खास कमाल नहीं कर सकी। पूर्व में सम्पन्न हुई राहुल की भारत जोड़ो यात्रा की भांति आगामी न्याय यात्रा कोरा चापसूसों का जमावड़ा होकर रह जाये तो कोई आश्चर्य नहीं है।

भारतीय राजनीति के अमृतकाल तक पहुंचे शासन में से लगभग पचास साल कांग्रेस का राज रहा है। प्रश्न है कि ऐसे क्या कारण है कि अब कांग्रेस सत्ता से दूर होती जा रही है। कद्दावर एवं राजनीतिक खिलाड़ियों की पार्टी होकर भी वह अपना धरातल खोती जा रही है। इसका कारण परिवारवाद एवं चापलूसी राजनीतिक संस्कृति ही है। इसी कारण अनेक पार्टी-स्तंभ नेता पार्टी छोड़कर जा चुके हैं। बावजूद इसके पार्टी कोई सबक लेने को तैयार नहीं है। कांग्रेस अगर इस गलतफहमी में जीना चाहती है कि वंशवादी नेतृत्व ही उसका उद्धार करेगा तो उसे ऐसी गलतफहमी पालने का पूरा अधिकार है, लेकिन उसके परिणाम भी उसे झेलने ही होंगे। ऐसा नहीं कि पार्टी से जुड़े हर ऊपर से नीचे तक के कार्यकर्ता एवं नेता को उचित अनुचित का बोध नहीं है। वे सब कुछ जानते हुए भी मक्खी निगलते हैं? आखिर क्यों? इसीलिए कि जिंदगी भर चापलूसी करते-करते जी-हूजुरी या चमचागिरी करना ही उनका बोध रह गया है।

नेता को सारे अधिकार समर्पित करके हमारे देश के पार्टी कार्यकर्ता अपनी बुद्धि एवं विवेक को स्थायी तौर पर निस्तेज एवं गूंगा बना देते हैं। इसी के चलते लोकतंत्र की ओट में नेतातंत्र पनपने लगता है। उसका आखरी अंजाम होता है, राजनीति का पतन। अपनी कुर्सी बचाने के लिए नेता अपनी पार्टी, सरकार, संसद और यहां तक कि देश को भी दांव पर लगा देता है। चापलूसी खुद को तो आगे बढ़ा देती है, लेकिन बाकी सबको पीछे ढकेल देती है। चापलूसी का मक्खन राजनीति की राह को इतनी रपटीली बना देता है कि उस पर नेता, पार्टी और देश, सभी चारों खाने चित हो जाते हैं। चापलूसी का दरवाजा खुलते ही प्रश्नों की खिड़कियां अपने आप बंद हो जाती हैं। लगातार रसातल ही ओर जा रही कांग्रेस की इस स्थिति का कारण भी यही है। कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व कब समझेगा कि चापलूसी एक नकली सिक्का है और नकली सिक्कों की बदौलत उन्नति नहीं, अवनति ही झेलनी पड़ती है।

कांग्रेस को चापलूसी का घुन खोखला कर रहा है। यूं तो प्रारंभ से ही कांग्रेस चापलूसियों का गिरोह रही है। राजनीति की द्वंद्वात्मकता को समाप्त करने में चापलूसी मुख्य भूमिका निभाती है। चापलूसी ने भारतीय राजनीति को वंशवादी, सम्प्रदायवादी, जातिवादी बना दिया है। नेता का हित ही पार्टी का हित है, देश का हित है। इस संकीर्ण चरित्र ने पार्टियों में आंतरिक लोकतंत्र को मरणासन्न कर दिया है। अगर पार्टियों में आंतरिक लोकतंत्र नहीं है तो वह देश में कैसे रह सकता है? संकट की घड़ी में वह धराशायी हो जाता है। हमारे आज के नेता कोई महात्मा गांधी की तरह नहीं हैं कि उनके सद्गुणों को उनके अनुयायी लोग अपने जीवन में उतारे। नेता वैसा आग्रह करते भी नहीं और अनुयायी वैसा करना जरूरी भी नहीं समझते। इसीलिए हमारी राजनीति ऊपर से चमकदार और अंदर से खोखली होती जा रही है। जो अपने इर्द-गिर्द चापलूस लोगों की भीड़ देखने के आदी होते हैं, उन्हें हर जगह यही अपेक्षित होता है। आज इंडिया गठबंधन में बिखराव का भी बड़ा कारण यही चापलूसी संस्कृति है।

कांग्रेस में चापलूसी का इतिहास पुराना रहा है। अपने नेता का महिमामंडन करने के लिये कार्यकर्ता क्या-क्या नहीं करते एवं कहते हैं। कभी तत्कालीन कपड़ा मामलों के मंत्री रहे शंकरसिंह वाघेला ने महात्मा गांधी के बाद भारतीय इतिहास में त्याग करने वाले लोगों में सोनिया गांधी को माना। वहीं सलमान खुर्शीद ने कहा था कि सोनिया गांधी सिर्फ राहुल गांधी की मां नहीं हैं। हम सब की मां हैं। वे सारे देश की मां हैं! संवेदनशील भारतीय इससे चौंके ही नहीं, बुरी तरह क्रोधित भी हुए हैं। यह भारत का अपमान था, यह मां जैसे सर्वोच्च रिश्ते का अपमान था। लेकिन अपमान करने में कांग्रेस के कार्यकर्ता ही नहीं, खुद सोनिया, राहुल एवं अन्य नेताओं ने कोई कमी नहीं रखी। राहुल गांधी जैसे नेता ने प्रधानमंत्री को पनौती करार दे दिया। वनडे विश्व कप फाइनल में भारत की हार के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने प्रधानमंत्री को जेबकतरा भी करार दिया। इसके अलावा उन्होंने यह भी समझाने की कोशिश की कि आप जो कुछ खरीदते हैं उसका पैसा सीधे अदाणी की जेब में जाता है। ऐसे अनेक उदाहरण है जिसमें कांग्रेस के नेताओं ने मयार्दा, शालीनता एवं शिष्टता का चीरहरण ही कर दिया। पार्टी के किसी भी कार्यकर्ता में यह दम नहीं कि वह अपने नेताओं से पूछे कि आप देश के प्रधानमंत्री के लिये विषवमन करके किस तरह पार्टी का हित कर रहे हैं?

बात केवल कांग्रेस की ही नहीं, सभी दलों की है। दलों में चापलूसी गहरी पैठ गयी है। लगातार पांव पसार रही इस विसंगति के कारण अनेक दल आज अपने अस्तित्व एवं अस्मिता को बचाने की जद्दोजहद में लगे हैं। जिन दलों ने इस विसंगति से दूरी बनायी, वे लगातार अपनी राजनीतिक जमीन को मजबूत बना रहे हैं। राजनीति के इस चापलूसीकरण के कारण ही देश के श्रेष्ठ और स्वाभिमानी लोग राजनीति से परे रहते हैं। राजनीति में घुसने और आगे बढ़ने के लिए सिद्धान्त एवं मयार्दाहीन नेताओं के आगे इतनी नाक रगड़नी पड़ती है कि जिन लोगों में देश-सेवा एवं शुद्ध- राजनीति की ललक है, वे भी घर बैठना ज्यादा सही समझते हैं। नेतागण केवल उन्हीं लोगों को अंदर घुसने देते हैं और आगे बढ़ाते हैं, जो उनके निजी स्वार्थों की पूर्ति करें। अनेक नामी-गिरामी उद्योगपति, पत्रकार, फिल्म अभिनेता और विद्वान भी राजनीति में गए हैं, लेकिन उन्हें इसीलिए स्वीकार किया गया है कि वे साफ-साफ या चोरी छिपे किसी नेता की चमचागिरी करते रहे हैं। उनसे अधिक प्रसिद्ध और उनसे अधिक योग्य लोग अपने घर बैठे हैं।

चापलूसी के घेराबंदी का ही परिणाम है कि कांग्रेस में सही को सही एवं गलत को गलत ठहराने का निर्णय लेने वाला कोई साहसी नेता नहीं है। यही कारण है कि राहुल गांधी मोदी विरोध के नाम पर देश के विरोध पर उतर जाते हैं। वे इस तरह का आचरण इसीलिए करते हैं, क्योंकि उन्हें पार्टी संचालन एवं राजनीतिक परिपक्वता के तौर-तरीकों का कोई अनुभव नहीं। उनकी तरह सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी भी कोई जिम्मेदारी लिए बिना पर्दे के पीछे से सब कुछ करने में ही यकीन रखती हैं। कांग्रेस की मजबूरी यह है कि वह गांधी परिवार के बिना चल नहीं सकती। कांग्रेस नेताओं की भी यह विवशता है कि अपने नेता के बयानों को सही एवं जायज ठहराने में सारी हदें लांघ जाते हैं।

# अपराधों की चिंताजनक तस्वीर, महिलाओं के प्रति क्राइम में नहीं आई कोई कमी

**योगेश कुमार गोयल**

एनसीआरबी (राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो) की नवीनतम रिपोर्ट में एक बार फिर महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों की चिंताजनक तस्वीर उभरकर सामने आई है। इस रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 में महिलाओं के विरुद्ध आपराधिक घटनाओं के 4,45,256 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2021 में यह आंकड़ा 4,28,278 और 2020 में 3,71,503 था। महिलाओं के विरुद्ध आपराधिक घटनाओं के ये मामले 2021 की तुलना में करीब चार प्रतिशत ज्यादा हैं। आंकड़ों से स्पष्ट है कि सरकार महिला सशक्तिकरण का कितना भी दावा करे, वास्तविकता यही है कि महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों के मामलों में कोई सुधार नहीं आया है। उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ अपराध सबसे ज्यादा बढ़े हैं, जबकि दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ अपराध की दर सर्वाधिक बताई गई है। दूसरे राज्यों के मुकाबले उत्तरप्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामलों में सर्वाधिक प्राथमिकी दर्ज हुई हैं।

महिलाओं के खिलाफ अपराध में दिल्ली लगातार तीसरे साल 19 महानगरों में सबसे आगे है। सभी राजनीतिक दल चुनावों में घोषणा करते हैं कि सत्ता में आने के बाद वे महिलाओं की सुरक्षा हर स्तर पर सुनिश्चित करेंगे, लेकिन हकीकत इससे कोसों दूर है। महिलाओं के प्रति अपराधों पर एनसीआरबी के आंकड़ों से साफ पता चलता है कि महिलाएं स्वयं को कहीं भी सहज और सुरक्षित महसूस नहीं करतीं। देश में शायद ही कोई ऐसा राज्य हो, जहां महिलाओं के खिलाफ अपराधों में बढ़ोतरी न हुई हो। विडंबना है कि महिलाओं पर अपराध के मामलों में अधिकतर पति, प्रेमी, रिश्तेदार या कोई अन्य करीबी शख्स ही आरोपी निकले। इन मामलों में महिलाओं के पति या रिश्तेदारों द्वारा 31.4 फीसद क्रूरता, 19.2 फीसद अपहरण, 18.7 फीसद बलात्कार की कोशिश और 7.1 फीसद बलात्कार करने के मामले शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक देश में बलात्कार के कुल 31,516 मामले दर्ज किए गए, जिनमें सर्वाधिक 5399 मामले राजस्थान में, 3690 मामले उत्तरप्रदेश, 3029 मध्यप्रदेश, 2904 महाराष्ट्र और 1787 मामले हरियाणा में दर्ज किए गए। महिलाओं के प्रति अपराध के मामले में देश की राजधानी दिल्ली सबसे आगे है, जहां 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 14247 मामले दर्ज किए गए।

दिल्ली और राजस्थान जहां महिलाओं के लिए सबसे असुरक्षित राज्य हैं, वहीं दहेज के लिए जान लेने वालों में पहले स्थान पर उत्तरप्रदेश और दूसरे पर बिहार है। उत्तरप्रदेश में दहेज के लिए 2138 और बिहार में 1057 महिलाओं की हत्या कर दी गई, जबकि मध्यप्रदेश में 518, राजस्थान में 451 और दिल्ली में 131 महिलाओं की हत्या दहेज के लिए की गई। एनसीआरबी के अनुसार प्रति एक लाख जनसंख्या पर महिलाओं के खिलाफ अपराध की दर 2021 में 64.5 फीसद से बढ़कर 2022 में 66 फीसद हो गई, जिसमें से 2022 के दौरान 19 महानगरों में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 48,755 मामले दर्ज किए गए। ये 2021 के 43,414 मामलों की तुलना में 12.3 फीसद ज्यादा हैं। महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों को लेकर अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि तमाम दावों, वादों और नारों के बाद भी आखिर देश में ऐसे अपराधों पर लगाम क्यों नहीं लग पा रही है? कितनी चिंतनीय स्थिति है कि जिस भारतीय संस्कृति में नारी को देवी के रूप में पूजा जाता है, वही नारी घर में भी सुरक्षित नहीं है। परिजनों के हाथों घरेलू हिंसा, दहेज हत्या, झूठी शान के लिए हत्या, बलात्कार और सहजीवन में जान गंवाने के मामले में स्थिति काफी दयनीय है। यह कितनी बड़ी विडंबना है कि महिलाएं न परिवार में, न आस-पड़ोस में और न ही बाहर के वातावरण में खुद को पूरी तरह सुरक्षित महसूस करती हैं।

राष्ट्रीय महिला आयोग के आंकड़े देखें तो 2023 के 19 सितंबर तक ही महिलाओं के खिलाफ अपराध की कुल 20,693 शिकायतें मिलीं, जिनके इस वर्ष के अंत तक बढ़ने की संभावना है। वर्ष 2022 में आयोग को 30,957 शिकायतें मिली थीं, जो 2014 के बाद सर्वाधिक थी। वर्ष 2014 में 30,906 और 2021 में महिलाओं के खिलाफ अपराध की 30 हजार से ज्यादा शिकायतें मिली थी। आयोग ने तेजाब हमले, महिलाओं के खिलाफ साइबर अपराध, दहेज हत्या, यौन शोषण और दुष्कर्म जैसी कुल 24 श्रेणियों में शिकायत दर्ज की। सर्वाधिक शिकायतें गरिमा के साथ जीने के अधिकार को लेकर दर्ज की गई, उसके बाद घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार, छेड़खानी और बलात्कार की शिकायतें हैं। दिल्ली में निर्भया कांड के बाद महिलाओं के प्रति अपराधों पर लगाम कसने के लिए जिस प्रकार कानून सख्त किए गए, उससे लगा था कि समाज में संवदेनशीलता बढ़ेगी और ऐसे कृत्यों में लिप्त असामाजिक तत्त्वों के हौसले पस्त होंगे, पर शायद ही कोई दिन ऐसा बीतता हो, जब महिला हिंसा से जुड़े अपराधों के मामले सामने न आते हों। ऐसे अधिकांश मामलों में प्रायः पुलिस-प्रशासन का भी गैर-जिम्मेदाराना रवैया दिखता है। यह निश्चित रूप से कानून-व्यवस्था और पुलिस-प्रशासन की उदासीनता का ही नतीजा है कि महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों में शायद ही कभी खौफ दिखता हो।

कानूनों में सख्ती, महिला सुरक्षा के नाम पर कई तरह के कदम उठाने और समाज में आधी-दुनिया के आत्मसम्मान को लेकर बढ़ती संवेदनशीलता के बावजूद आखिर ऐसे क्या कारण हैं कि बलात्कार के मामले हों, छेड़छाड़, मयार्दा हनन या फिर अपहरण, क्रूरता, आधी दुनिया के प्रति अपराधों का सिलसिला थम नहीं रहा है? कड़े कानूनों के बावजूद असामाजिक तत्त्वों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं होती। स्पष्ट है, केवल कानून कड़े कर देने से महिलाओं के प्रति हो रहे अपराधों पर लगाम नहीं कसी जा सकेगी। इसके लिए जरूरी है कि सरकारें प्रशासनिक मशीनरी को चुस्त-दुरुस्त करने के साथ उसकी जबाबदेही सुनिश्चित करें। ऐसे मामलों में प्रायः पुलिस-प्रशासन की जिस तरह की भूमिका सामने आती रही है, वह काफी हद तक इसके लिए जिम्मेदार है। पुलिस किस प्रकार ऐसे अनेक मामलों में पीड़िताओं को ही परेशान करके उनके जले पर नमक छिड़कने का काम करती रही है, ऐसे उदाहरण अक्सर सामने आते रहे हैं। ऐसी परिस्थितियों के मद्देनजर अपराधियों के मन में पुलिस और कानून का भय कैसे उत्पन्न होगा और कैसे महिलाओं के खिलाफ अपराधों में कमी होगी?

# उत्तर प्रदेश में बढ़ता धार्मिक पर्यटन एवं उत्पादों का उपभोग भारत के आर्थिक विकास को दे रहा गति

**प्रह्लाद सबनानी**

भारत के आर्थिक विकास की रफ्तार को गति देने में कुछ राज्यों का योगदान तेजी से बढ़ रहा है। हाल ही के समय में विशेष रूप से उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, तेलंगाना, गुजरात एवं राजस्थान जैसे राज्यों की आर्थिक विकास की गति तेज हुई है, जिससे यह राज्य भारतीय अर्थव्यवस्था के आकार को 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का बनाने में विशेष योगदान देते हुए दिखाई दे रहे हैं। हालांकि महाराष्ट्र, तमिलनाडु, एवं कर्नाटक जैसे कुछ अन्य राज्यों का योगदान भी नकारा नहीं जा सकता है, परंतु इन राज्यों के आर्थिक विकास की दर तुलनात्मक रूप से कुछ स्थिर सी रही है अथवा कुछ कम हुई है।

समस्त राज्यों के बीच तमिलनाडु एवं गुजरात राज्यों को पीछे धकेलते हुए उत्तरप्रदेश अब भारत की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला राज्य बन गया है। भारतीय अर्थव्यस्था में उत्तर प्रदेश का योगदान 9.2 प्रतिशत का हो गया है। भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार आज 3.7 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का हो गया है। इसमें महाराष्ट्र राज्य का हिस्सा 15.7 प्रतिशत है। उत्तरप्रदेश राज्य का हिस्सा 9.2 प्रतिशत, तमिलनाडु राज्य का 9.1 प्रतिशत, गुजरात राज्य का 8.2 प्रतिशत, पश्चिम बंगाल राज्य का 7.5 प्रतिशत है। देश की अर्थव्यवस्था में उत्तर पूर्वी राज्यों एवं जम्मू कश्मीर के बाद बिहार का भी काफी कम योगदान अर्थात केवल 3.7 प्रतिशत दिखाई पड़ता है, जबकि बिहार की जनसंख्या 13 करोड़ के आसपास है। बिहार को आर्थिक विकास की दृष्टि से आज भी पिछड़ा राज्य कहा जा रहा है। पूर्व के बीमारु राज्यों की श्रेणी से उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश एवं राजस्थान राज्य बाहर आ चुके हैं जबकि बिहार राज्य आज भी इसी श्रेणी में अटका हुआ है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में महाराष्ट्र राज्य की अर्थव्यवस्था का आकार 41,720 करोड़ अमेरिकी डॉलर था, तमिलनाडु राज्य का आकार 27,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर था, गुजरात राज्य का आकार 26540 करोड़ अमेरिकी डॉलर था, उत्तरप्रदेश राज्य का आकार 26,510 करोड़ अमेरिकी डॉलर था, कर्नाटक राज्य का आकार 26,350 करोड़ अमेरिकी डॉलर था और पश्चिम बंगाल राज्य का आकार 18,310 करोड़ अमेरिकी डॉलर था। पिछले कुछ वर्षों से चूंकि उत्तरप्रदेश राज्य की अर्थव्यवस्था की विकास दर सबसे तेज बनी हुई है अतः आज उत्तरप्रदेश राज्य की अर्थव्यवस्था का आकार भारत में दूसरे स्थान पर आ गया है। उत्तरप्रदेश ने अपने राज्य की अर्थव्यवस्था के आकार को वर्ष 2027 तक एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। जबकि, महाराष्ट्र भी अपने राज्य को वर्ष 2028 तक एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना चाहता है। इस दृष्टि से अब उत्तरप्रदेश एवं महाराष्ट्र राज्यों के बीच इस संदर्भ में आपस में प्रतियोगिता चल रही है। महाराष्ट्र राज्य की जनसंख्या 11 से 12 करोड़ के बीच है जबकि उत्तरप्रदेश राज्य की जनसंख्या 20 करोड़ के आसपास है। इस दृष्टि से उत्तरप्रदेश राज्य लाभप्रद स्थिति में दिखाई दे रहा है क्योंकि विभिन्न उत्पादों के उपभोग की अधिक गुंजाइश उत्तरप्रदेश राज्य में हैं एवं देश में आज उत्तरप्रदेश राज्य तेजी से विनिर्माण क्षेत्र का हब बनता जा रहा है तथा उत्तरप्रदेश राज्य में धार्मिक पर्यटन भी बहुत तेज गति से विकसित हो रहा है। विशेष रूप से अयोध्या, वाराणसी, मथुरा जैसे धार्मिक पर्यटन स्थलों का विकास न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर के पर्यटन को भी आकर्षित करता दिखाई दे रहा है। इससे उत्तरप्रदेश राज्य में रोजगार के नए अवसर भी भारी मात्रा में निर्मित हो रहे हैं। अतः उत्पादों के उपभोग के मामले में उत्तरप्रदेश राज्य के साथ किसी भी अन्य राज्य की प्रतियोगिता हो ही नहीं सकती हैं। आज उत्तरप्रदेश राज्य के नागरिक रोजगार हेतु अन्य राज्यों की ओर पलायन करते हुए नहीं दिखाई दे रहे हैं क्योंकि उत्तरप्रदेश राज्य में ही रोजगार के पर्याप्त नए अवसर निर्मित होने लगे हैं।

## अयोध्या में शराबबंदी की मांग मानने पर योगी सरकार का अभिनंदन!

### अयोध्या की भांति काशी-मथुरा सहित अन्य सभी तीर्थस्थलों पर शराब और मांस पर प्रतिबंध लगाएं! - हिन्दू जनजागृति समिति

22 जनवरी 2024 को अयोध्या में होनेवाले श्रीराम मंदिर के उद्घाटन की पृष्ठभूमि में हिन्दू जनजागृति समिति ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री मा. योगीजी से मांग की थी कि अयोध्या में शराब और मांस पर 100 प्रतिशत प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। इसके लिए कई जगहों पर हिन्दुत्वनिष्ठ संगठनों ने एकजुट होकर आंदोलन भी किया। इसका त्वरित संज्ञान लेते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री मा. योगी आदित्यनाथजी ने अयोध्या के 84 कोसी परिक्रमा यात्रा क्षेत्र में शराब पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया। हिन्दू जनजागृति समिति इस प्रशंसनीय निर्णय का स्वागत करती है तथा उत्तर प्रदेश सरकार का आभार भी व्यक्त करती है। इसी प्रकार, सभी धार्मिक क्षेत्रों की पवित्रता बनाए रखने के लिए, हिन्दू जनजागृति समिति की मा. योगीजी से मांग है कि अयोध्या की भांति काशी, मथुरा जैसे अन्य सभी तीर्थस्थलों के आसपास शराब और मांस पर 100 प्रतिशत प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। आज देश के अनेक मंदिरों, तीर्थ स्थलों आदि पर लाखों श्रद्धालु आते हैं। पर्यटन विकास के नाम पर यहां बड़े पैमाने पर बीयर बार, डांस बार, शराब की दुकानें, चाइनीज फूड की दुकानें, मसाज सेंटर, मटन की दुकानें खोली गई हैं । ऐसे स्थानों पर भक्त वास्तव में देव दर्शन, तीर्थयात्रा, साधना के लिए आते हैं। वे मद्य-मांस सेवन या भोग-विलास के लिए नहीं आते हैं।

इसलिए, भक्तों को सुविधाएं अवश्य प्रदान की जानी चाहिए; लेकिन ऐसे पवित्र स्थानों की पवित्रता बनी रहनी चाहिए। किसी तीर्थस्थल पर जाने के बाद वहां की पवित्रता न रह जाने के कारण क्या हम सचमुच तीर्थस्थल पर आए हैं? ऐसा संदेह उत्पन्न होता है; इसीलिए इससे पहले हरिद्वार और ऋषिकेश में भी स्थानीय प्रशासन ने शराब और मांस पर 100 फीसदी प्रतिबंध लगा दिया था। उसे सर्वोच्च न्यायालय बनाए रखा है। कुम्भ मेले हरिद्वार और ऋषिकेश में आयोजित किए जाते हैं। इसके लिए वहां बडी संख्या में श्रद्धालु धार्मिक पूजा-अर्चना करने आते हैं। तीर्थयात्रा से इन करोड़ों श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाएं जुडी हुई हैं। इसका प्राथमिकता से विचार किया जाना चाहिए', ऐसा भी मा. सर्वोच्च न्यायालयने कहा है। इसी पृष्ठभूमि पर हिन्दू जनजागृति समिति की मांग है कि सभी तीर्थ स्थलों पर शराब और मांस पर 100 फीसदी प्रतिबंध लगाया जाए।

# अध्यक्ष पद के लिए हुए आमने सामने के चुनाव में उदयनाथ ने बाजी मारी



प्रखर पिंडरा वाराणसी। तहसील बार एसोसिएशन पिंडरा के वार्षिक चुनाव में उदयनाथ भारती ने अध्यक्ष पद पर कब्जा जमाया। वही अन्य पदों पर निर्विरोध सदस्य निर्वाचित घोषित किए गए। इस दौरान तहसील में ढोल नगाड़ों के साथ जीत का जश्न वकीलों ने मनाया। शुक्रवार को हुए मतदान के बाद शनिवार की सुबह 11 बजे से मतगणना कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरू हुई। शुरू से ही उदयनाथ ने बढ़त बनाई तो अंत तक बना रहा और अपने प्रतिद्वंद्वी कृपाशंकर पटेल को 56 मतों से हरा कर अध्यक्ष पद पर कब्जा जमाया। चुनाव एल्डर्स कमेटी द्वारा जीत की घोषणा होते ही समर्थक नवनिर्वाचित अध्यक्ष उदयनाथ भारती को माला फूलों से लाद दिया और उनके समर्थन में खूब जयकारे लगाए। उसके बाद तहसील परिसर से मौनी बाबा आश्रम जाकर मत्था टेका और आशीर्वाद लिया। ततपश्चात वकील समर्थक ढोल व डीजे के धुन पर जीत जश्न मनाया और मिठाई बांटी। एक मात्र अध्यक्ष पद पर आमने सामने की लड़ाई होने से तहसील परिसर दो खेमों में बंटा दिखाई दिया। लेकिन जीत की घोषणा होने पर वकील आपसी मतभेद भुलाते हुए एक दूसरे को गले लगाकर धन्यवाद ज्ञापित किया। जिससे माहौल सामान्य हुआ। चुनाव घोषणा के बाद निकले जुलूस में पूर्व अध्यक्ष अशोक पांडेय, कमलाकांत पांडेय, सुभाष दुबे, श्रीनाथ गोंड़, राजेश पटेल, प्रितराज माथुर, अजय सिंह, अमरनाथ यादव, जयचंद, हरिश्चंद्र पटेल, रविशंकर यादव, आनंद पटेल, तेजबहादुर पटेल समेत अनेक अधिवक्ता रहे। मतगणना के दौरान सख्ती का अंदेशा इससे लगाया जा सकता है कि जीत की घोषणा के बाद ही हार जीत के अंतर का लोंगो को पता चल पाया। इसके पहले लोग केवल कयास लगाते रहे। एल्डर्स कमेटी के मुख्य अधिकारी बच्चालाल व जटाशंकर मिश्रा ने बताया कि कुल 465 मतों में से 368 मत पड़े थे। जिसमें 6 मत अवैध रहे। मतगणना में उदयनाथ भारती को 209 मत तथा कृपाशंकर पटेल को 153 मत मिले। जिसमे उदयनाथ भारती 56 मतों से विजयी घोषित किये गए। वही चुनाव अधिकारी मनोज श्रीवास्तव व मंता राम ने बताया कि शेष पदों पर निर्विरोध निर्वाचन घोषित किए। जिन्हें अपराह्न बाद प्रमाण पत्र भी दिया गया।

**तहसील बार एसोसिएशन के निर्वाचित प्रत्याशियों की सूची** अध्यक्ष- उदयनाथ भारती, महामंत्री चंद्रभान सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अर्धेन्दु शेखर मिश्र, कनिष्ठ उपाध्यक्ष (10 वर्ष से अधिक) नवीं कुमार सिंह, कनिष्ठ उपाध्यक्ष (10 वर्ष से कम) बिंदु सोनकर, कोषाध्यक्ष विपुल कुमार मिश्रा, सहायक सचिव प्रशासन राकेश कुमार मिश्रा, पुस्तकालय सचिव सुधीर कुमार राय, ऑडिटर श्याम शंकर निर्वाचित घोषित किए गए।

## डॉक्टर सुबोध कुमार सिंह एसोसिएशन ऑफ प्लास्टिक सर्जन्स ऑफ इंडिया के चुने गये निर्वाचित अध्यक्ष

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। प्रख्यात प्लास्टिक सर्जन डॉक्टर सुबोध कुमार सिंह भारत के विशिष्ट प्लास्टिक सर्जन एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित चुने गये हैं` वह 2024 में एसोसिएशन के उपाध्यक्ष और 2025 में अध्यक्ष रहेंगे उनसे पहले उनके गुरुजन काशी के प्रोफेसर जे.के.सिंहा 1991 में और प्रोफेसर वी भट्टाचार्या 2008 मे इस प्रतिष्ठित एसोसिएशन के अध्यक्ष रह चुके हैं एक ऑनलाइन निर्वाचित प्रक्रिया में देशभर के प्लास्टिक सर्जन्स नें उन्हे अध्यक्ष निर्वाचित चुना` डॉक्टर सुबोध कुमार सिंह विश्व भर में अपने क्लेफ्ट सर्जरी के मिशन के लिए जाने जाते हैं उन्होंने अबतक विश्व में सर्वाधिक 41000 निःशुल्क क्लेफ्ट सर्जरी अपनी टीम के साथ की है उन्होंने सैकड़ों क्लेफ्ट सर्जन्स को प्रोत्साहित कर, मदद कर अथवा क्लेफ्ट सर्जरी की ट्रेनिंग देकर भारत में कटे होठ और कटे तालू के मरीजों के इलाज मे विशिष्ट योगदान दिया है उनके कार्यों पर कई डाक्यूमेंट्री फिल्म बनी हैं जिसमें 'स्माइल पिंकी" प्रमुख है जिसने ऑस्कर अवार्ड प्राप्त किया और विश्व में सर्वाधिक देखे जाने वाली मेडिकल डाक्यूमेंट्री बनी इसने क्लेफ्ट मरीजों के लिए असाधारण जागरुकता पैदा की उनके जले हुए मरीजों पर बनी डाक्यूमेंट्री 'बर्न गर्ल रागिनी' नेशनल जियोग्राफिक पर प्रसिद्ध हुयी और दुनिया भर में वायरल हुयी और ए आई बी अवार्ड जीता` डाक्टर सुबोध एक साधारण परिवार से आते हैं और बचपन में पिता की मृत्यु के बाद बेहद कठिन बचपन गुजारते हुये भी अपनी लगन और तपस्या से उच्चतम शिक्षा प्राप्त कर प्लास्टिक सर्जन बने उन्होंने काशी को ही अपना कर्मक्षेत्र चुना और एक कुशल, सहृदय,शुभेक्षु एवं समाजसेवी चिकित्सक के रूप में संपूर्ण विश्व में ख्याति प्राप्त की क्लेफ्ट बच्चों के पोषण एवं चिकित्सा तथा क्लेफ्ट होने के जेनेटिक कारणों की रिसर्च में उल्लेखनीय कार्य किया है` डॉक्टर सुबोध ने बताया कि 17 वर्षों बाद 2025 में प्लास्टिक सर्जन्स का राष्ट्रीय अधिवेशन एक बार फिर काशी में होगा उन्होने कहा कि काशी का प्लास्टिक में विशिष्ट स्थान 2600 वर्षों पूर्व सुश्रुत ने काशी में ही प्लास्टिक सर्जरी का प्रतिपादन किया था और उन्हें विश्व भर में प्लास्टिक सर्जरी का जनक माना जाता है उनके गुरू एवं पूर्व अध्यक्ष डॉक्टर वी भट्टाचार्या ने कहा कि डॉक्टर सुबोध ने यह मुकाम कड़ी मेहनत और लगन से प्राप्त किया है।

## संक्षिप्त खबरें

### एकमुश्त समाधान योजना को देखते हुए रविवार को खुला रहेगा विद्युत विभाग के कैश काउंटर

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। विद्युत वितरण मंडल गाजीपुर के अधीन चारों खंडों एवं सभी उपखंड कार्यालयों एवं जिले के समस्त कैश काउंटर रविवार को भी प्रतिदिन के भांति खुले है जिसमे जो बिजली उपभोक्ता बकायेदार है, वे लोग तत्काल जल्द से जल्द आकर एकमुश्त समाधान योजना का लाभ अवश्य ले ले। वही विद्युत चोरी में हुवे एफआईआर एवं विभाग द्वारा निर्गत की गई आरसी पर भी अच्छे खासे छूट का लाभ अवश्य ले ले नही तो 31 दिसंबर के बाद विद्युत विभाग द्वारा ऐसे उपभोक्ताओं को चिन्हित किया हुवा है, जल्द ही इन लोगो के खिलाफ कठोरतम कार्यवाही की जाएगी। यह जानकारी अधिशाषी अभियंता प्रथम मनीष कुमार ने दी।

### सेवा व कर्मो की बदौलत हमेशा याद किये जाएंगे विजय सिंहः आनंद मोहन

प्रखर कसया, कुशीनगर। तहसील क्षेत्र के साखोपार में समाजसेवी स्व0 विजय प्रताप नारायण सिंह की सातवीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर 10 हजार जरूरतमंदों में कम्बल बितरित किया गया। पुण्यतिथि समारोह में स्व0 विजय प्रताप नारायण सिंह व उनके पिता स्व0 नवल किशोर सिंह की समाधि पर पुष्पार्चन कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मुख्य अतिथि बिहार प्रदेश के पूर्व सांसद आनन्द मोहन ने कहा कि स्व0 विजय सिंह सेवा व अपने कर्मों की बदौलत हमेशा याद किये जाएंगे। विशिष्ट अतिथि जज सुनील सिंह ने स्व0 सिंह के परिजनों की सराहना करते हुए कहा कि धन्य हैं वे संतानें जो अपने माता पिता को याद करते हैं और उनके बताए सदमार्ग मार्ग पर चलकर लोक कल्याण का कार्य करते हैं जो अनुकरणीय है। फ्रेंड्स ऑफ आनन्द के राष्ट्रीय महासचिव आसिफ अली ने कहा कि हमारे बीच से रुखसत हुए शख्शियत को उनके कामों को पूरा करने के लिए आगे आना होगा। तभी एक सुंदर समाज बनेगा। मुख्य अतिथि श्री आनन्द को पगड़ी बांधकर व तलवार भेंट कर स्व0 सिंह के छोटे भाई व नवल किशोर सिंह सेवा संस्थान के अध्यक्ष अजय प्रताप नारायण सिंह, बीओसीडब्ल्यू बोर्ड सदस्य अभय प्रताप नरायण सिंह, पीयूष प्रताप नरायण सिंह, ग्रामप्रधान शैलेश प्रताप नरायण सिंह, एडवोकेट कुशल प्रताप सिंह, त्रिपुरेश प्रताप, शशांक प्रताप, सत्यम प्रताप, शिवम सिंह, सुंदरम सिंह, भुवनेश, सूरजदेव सहित परिजनों ने स्वागत किया। इस अवसर पर श्री राम चरित मानस पाठ, श्रद्धांजलि सभा, गीत संगीत, सहभोजकार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान आसिफ अली, एडवोकेट रणधीर लाल, सुमित यादव, अनिल चौधरी, देवेंद्र गुप्ता, गोपाल परासर, मनोज सिंह, विजय तिवारी, जय वर्द्धन गोविन्द राव, नेत्रपाल सिंह,अभिनेत्रि चंदा पाण्डेय, फिल्म अभिनेता सत्येंद्र सिंह राजपूत सहित हजारों लोग मौजुद रहे।

### भारत के रास्ते नेपाल में घुस रहे 6 ईरानी नागरिक गिरफ्तार

प्रखर महराजगंज। जनपद महाराजगंज के इंडो नेपाल बॉर्डर पर इमीग्रेशन विभाग का फर्जी स्टांप पेपर बनवाकर भारत में अनाधिकृत रुप से निवास कर रहे दो महिला समेत 6 विदेशी ईरानी नागरिकों को नेपाल जाते समय गिरफ्तार किया गया। महाराजगंज पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीणा द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अपराध एवं अपराधियों के नियंत्रण हेतु भारत में अवैध रूप से रह रहे एक ईरानी परिवार उस समय गिरफ्तार किया गया जब वह सोनौली बॉर्डर के रास्ते नेपाल में घुसने का प्रयास कर रहे थे वहां की जांच एजेंसियों द्वारा जब उनका पासपोर्ट एवं वीजा चेक किया गया तो उसमें गड़बड़ी मिलने पर इमीग्रेशन अधिकारियों ने ईरानी परिवार को हिरासत में लेकर आवश्यक पूछताछ करते हुए सोनौली पुलिस के हवाले कर दिया इस संबंध में थाना अध्यक्ष अभिषेक सिंह ने बताया कि इमीग्रेशन अधिकारियों के प्रार्थना पत्र पर छह ईरानी नागरिकों को हिरासत में लेकर उनके विरुद्ध विधिक कार्यवाही की जा रही है।

### नया साल से पहले एक्शन में एंटी रोमियो स्क्वाड

प्रखर खेतासराय (जौनपुर)। नया साल से पहले उत्तर प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर योगी सरकार गंभीर है. समय-समय पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महिलाओं की सुरक्षा को लेकर पुलिस अधिकारियों संग बैठक करते रहते हैं। सरकार ने इसको लेकर मिशन शक्ति अभियान भी चला रखा है. इस बार योगी सरकार ने मिशन शक्ति के चौथे चरण के साथ महिलाओं की सुरक्षा की दिशा में और मजबूती से कदम उठाए हैं। वही जौनपुर जनपद के खेतासराय पुलिस मनचलों की जमकर खबर ली। पुलिस ने सड़क पर तलाशी अभियान चलाया। स्कूल और कॉलेज के बाहर बिना काम के घूम रहे लड़कों से पुलिस ने पूछताछ की और जो संदिग्ध दिखे उनके घरवालों तक बात पहुंचा दी। नया साल से पहले शासन से एंटी रोमियों अभियान चलाने का निर्देश मिलते ही शनिवार को एसपी डॉ. अजय पाल शर्मा के निर्देश पर थानाध्यक्ष चंदन राय के नेतृत्व में उपनिरीक्षक महंगू यादव, महिला कॉन्स्टेबल अंतिमा सिंह की टीम ने कस्बा से लेकर गाँव मे एंटी रोमियो अभियान चलाते हुए महिला और युवतियों को सुरक्षा का भरोसा देते हुए बेखौफ होकर आने जाने का विश्वास दिलाया। महिलाओं और युवतियों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए एंटी रोमियो स्क्वाड स्कूल-कॉलेज व कोचिंग सेंटर के आसपास सादी वर्दी में पुलिस कांस्टेबल ऐसे संदिग्ध लोगों पर निगरानी रखा रही है। टीम द्वारा मोहल्लों में खड़े लड़कों को हिदायत देकर छोड़ा गया। स्क्वाड ने चेतावनी दी कि अगर इस तरह बिना वजह मोहल्ले गलियों में खड़े हुए तो आपके ऊपर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।इसके अलावा शिक्षण संस्थानों तथा सार्वजनिक स्थानों पर अनावश्यक खड़े युवकों की जमकर क्लास लिया। इससे मनचलों में हड़कंप मचा रहा। सार्वजनिक स्थानों पर कइयों के लगी फटकार से युवाओं की टोली खिसकती देखी ।

### ट्रैफिक जाम से फेफड़े हो रहे है बेजान, ट्रैफिक जाम से लोगों की फुल रही हैं सांस : डॉ. एस.के पाठक

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। ब्रेथ ईजी चेस्ट सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल के वरिष्ठ श्वांस एवं फेफड़ा रोग विशेषज्ञ डॉ.एस.के पाठक ने एक वार्ता में बताया वाराणसी में ट्रैफिक जाम सीधे रूप से फेफड़ों को दूषित कर रही है इस समय अदकलेवल रेड लाइन को पार कर रहा है जिससे अधिकतर लोग खांसी, आंख में जलन, गले की खराश, सांस लेने में तकलीफ, सिरदर्द, चर्म रोग आदि से परेशान हो रहे हैं। डॉ. पाठक ने आगे बताया ट्रैफिक जाम की वजह से निकलती हुयी वायु प्रदूषण वायुमार्ग को प्रभावित करती है जिससे अस्थमा के कारक उत्तेजित होते हैं कुछ वायु प्रदूषक फेफड़ों में गहराई तक जाकर सूजन पैदाकर देते हैं यदि किसी को अस्थमा है तो वायु प्रदूषण उनके लक्षणों को बिगाड़ सकते है इसकी वजह से अस्थमा और क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) सहित फेफड़ों की समस्याओं वाले लोगों को अस्पताल में अधिक भर्ती होना पड़ता है। डॉ. पाठक ने आगे बताया विगत दिनों प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी आकड़ो के अनुसार काशी की हवा देश की सबसे जहरीली हवा में शामिल हो गयी हैं जिसमे स्माल साइज पार्टिकल 2.5 माइक्रोन एस.पी.एम का लोड बनारस में 507 से ज्यादा है जबकि यह लोड साधारणतः 100 से अधिक नही होना चाहिए वही लार्ज साइज पार्टिकल 10 माइक्रोन का लोड वाराणसी में 485 से ज्यादा था जिसे साधारणतया 60 से ज्यादा नही होना चाहिए। डॉ एस. के पाठक ने इस सन्दर्भ में पीएम मोदी से उनके विगत दिनों के वाराणसी प्रवास के दौरान वाराणसी को डस्ट फ्री जोन बनाने के लिए एक ज्ञापन सौपा था` डॉ. पाठक ने अपनी विगत कई वर्षो के प्रैक्टिस के दौरान यह पाया हैं कि ओ.पी.डी में श्वास मरीजो की संख्या लगातार बढती ही जा रही हैं उनके आकड़ो के अनुसार ओ.पी.डी में जो आज से दस वर्ष पहले प्रतिदिन श्वास मरीजो की संख्या 10 से 15 प्रतिशत हुआ करती वो संख्या आज के समय में बढ़कर प्रतिदिन 40 से 50 प्रतिशत तक पहुच चुकी हैं।

## केंद्रीय संचार ब्यूरो की फोटो प्रदर्शनी का समापन

वाराणसी। प्रधानमंत्री जी के काशी और तमिलनाडु के सांस्कृतिक एवं धार्मिक संबंधों को प्रगाढ़ करने तथा 'एक भारत श्रेष्ठ भारत 'के दृष्टिकोण को मजबूत करने के उद्देश्य से वाराणसी में गंगा के पावन तट नमो घाट पर 17 से 30 दिसम्बर 2023 तक आयोजित काशी तमिल संगमम स्थल पर केंद्रीय संचार ब्यूरो, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, लखनऊ की ओर से "हमारा संकल्प विकसित भारत, काशी एवं तमिल संस्कृति, तमिल स्वतंत्रता आंदोलन और इन दो जगहों के भारत रत्न एवं पद्म पुरस्कार से सम्मानित गणमान्य के जीवनी पर आधारित आयोजित चित्र प्रदर्शनी का समापन हुआ` प्रदर्शनी के दर्शकों के मध्य आज भी सीबी सी वाराणसी की ओर से प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया` सृष्टि श्रीवास्तव, विशाल विश्वकर्मा, सौरभ, मुन्ना लाल साहनी, तनिष्का शर्मा, शालिनी, मानवी श्रीवास्तव, अमित और आराध्य को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया` यह प्रदर्शनी तमिलनाडु एवं काशी के सामजिक, राजनैतिक, और सांस्कृतिक क्षेत्र के चर्चित एवं प्रतिष्ठित व्यक्तित्व के जीवन एवं योगदान की गाथा को चित्रों एवं संक्षिप्त शब्दों के माध्यम से तमिलनाडु से आये विभिन्न समूहों, वाराणसी भ्रमण पर आये श्रद्धांलुओं, पर्यटकों वाराणसी के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों, वरिष्ठजनों जनसामान्य लोगों तक तमिलनाडु के प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी,पुली थेवर, वीरापाण्ड्य कट्टा बोम्मन, मारुथु ब्रदर्स, रानी वेलु नचियार , धीरन चिन्नमलै, ओंदीवीरन, वीरन अझगू मुत्तू कोणे सामजिक एवं राजनैतिक क्षेत्र के प्रमुख व्यक्तित्व चक्रवर्ती, राजगोपालाचारी,डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन, सर चंद्रशेखर वेंकट रमन, के.कमराज, चिदंबरम सुब्रमण्यम, मदुरै शंमुख वदिवु सुब्बु लक्ष्मी, एम जी रामचंद्रन और वाराणसी के सामजिक एवं राजनैतिक, सांस्कृतिक क्षेत्र के प्रमुख व्यक्तित्व महामना पंडित मदनमोहन मालवीय, डॉ. भगवान दास, लालबहादुर शास्त्री, बिस्मिल्ला खां, पंडित रविशंकर आदि के बारे में जानकारी पहुंचाने का एक सफल प्रयास किया` प्रदर्शनी में हमारा संकल्प विकसित भारत थीम पर केंद्रीय सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में चित्रों और संक्षिप्त शब्दों में जानकारी दी गयी` प्रदर्शनी अवधि में केंद्रीय संचार ब्यूरो वाराणसी की तरफ से प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया और विजेताओं को पुरस्कार दिया गया` प्रचार साहित्य और वर्ष 2024 का कैलेंडर वितरित किया गया प्रदर्शनी स्थल प्रधानमंत्री और तमिलनाडु के सिनेमा जगत के हस्तियों के साथ सेल्फी लेनें की लोगों में होड़ लगी रही` चौदह दिवसीय प्रदर्शनी पीआई बी लखनऊ के अपर महानिदेशक विजय कुमार, सीबीसी लखनऊ के निदेशक मनोज कुमार वर्मा के कुशल मार्गदर्शन एवं क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी,वाराणसी,डॉ. लालजी, पीआईबी के मिडिया एवं संचार अधिकारी, प्रशांत कक्कड़ , सीबी सी लखनऊ के लक्ष्मण शर्मा, श्यामदेव प्रसाद, सुदामा यादव और बिनीत कुमार के देखरेख में संम्पन हुई।

## गांव में मानक विहिन नाली निर्माण से ग्रामीणों में आक्रोश महकमा पर लगाया लूट का आरोप

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। नगसर क्षेत्र के गगरन गांव में शनिवार को मानक विहीन नाली बनने से ग्रामीणों में आक्रोश फैला है और सरकारी महकमे के लोगो पर सरकारी खजाने का लूट व दुरुपयोग का आरोप लगाया है। गगरन निवासी सिंहासन पाल, रामबिलास प्रजापति,मोतीलाल आदि दर्जनों लोगों ने गांव में बन रहे नाली में सरकारी धन की लूट व खराब ईंट बालू का प्रयोग होने तथा कीचड़ में बिना ईंट लगाए ही बालू डालकर नाली का फर्श बनाकर पैसा डकारने का प्लान प्रधान गीता देवी व उनके प्रतिनिधि तथा ग्राम सचिव रोहित कुमार ने बनाया और कार्य मानक विहीन प्रारम्भ कराया इसके खिलाफ जांच कर उचित कार्यवाही करने व मानक के अनुरूप कार्य नही करने पर बड़े अधिकारियों की मिलीभगत का भी आरोप ग्रामीणों



द्वारा लग रहा है। ग्रामीणों ने अक्रोशित होकर कहा कि सरकार एक ओर अच्छे कार्य व नेक कार्य के ढिढोरा पिट रही है वंही दूसरी ओर सरकारी कर्मचारियों की मिली भगत से सरकारी धन का लूट मचा हुआ है जिसकी देखरेख करने वाला कोई नही है और शिकायत करने पर कोई कार्यवाही भी नही हो पा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि मानक के अनुसार कार्य नही हुआ तो ग्रामीण प्रधान व सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ धरना प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे जिसकी सारी जिम्मेदारी सरकारी विभागों की होगी। ग्राम प्रधान गीता देवी व सचिव रोहित कुमार ने फोन नही उठाया, एडीओ पंचायत रेवतीपुर अशोक यादव ने बताया कि कार्य मे लापरवाही व समान में गड़बड़ी की जानकारी मिलते ही कार्य को रोकवा दिया गया है आगामी मंगलवार को जांच के बाद ही कार्य कराया जाएगा।

## सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं से महिला सबल हो चुकी है : कृष्णबिहारी राय



प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। विकास खंड सदर के ग्राम पंचायत हुसेनपुर के ग्राम प्रधान वेदप्रकाश तिवारी तथा देवकली के ग्राम प्रधान महेंद्र यादव की अध्यक्षता में विकसित भारत संकल्प यात्रा का कार्यक्रम हुसेनपुर और देवकली ग्राम पंचायतों में आयोजित हुआ। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्ण बिहारी राय ने उपस्थित लोगों से कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण का जो काम विगत नौ वर्षों मे शुरू किया गया।उसका परिणाम अब दिखाई भी देने लगा है।नारी अब राशनकार्ड, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान कार्ड जैसी विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से अबला नही बल्कि सबल हो चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को विकसित बनाने के लिए समाज के समृद्धी तथा देश के विकास की जो प्रक्रिया प्रारंभ किया है वह समाज के प्रत्येक व्यक्ति को समृद्ध तथा देश के सर्वांगीण विकास को मजबूत कर रहा है। और कहा की समाज मे अभाव व अंतिम पायदान पर रहने वाला हर व्यक्ति गरीब, अन्नदाता किसान, मातृशक्ति महिलाओं तथा देश का भविष्य नौजवान अगर मजबूत हो जाएगा तो देश स्वावलंबी और विकसित हो जाएगा। इस अवसर पर अन्नप्राशन संस्कार तथा गोदभराई की रस्म की गई तथा विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। तथा लोगों को विकसित भारत के प्रति नैतिक दायित्वों के लिए संकल्पित भी कराया गया। कार्यक्रम में मोदी की गारंटी एलईडी वैन से केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा दी जाने वाली सभी योजनाओं से ग्रामीणों को परिचित कराया गया। इस अवसर पर गरीब लोगों में कम्बल वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में जिला मंत्री सुरेश बिन्द, कोषाध्यक्ष अच्छेलाल गुप्ता, जिला मीडिया प्रभारी शशिकान्त शर्मा, मंडल अध्यक्ष गोपाल राय,मुरली कुशवाहा, जितेंद्र पांडेय, दीपक सिंह, अभिनव सिंह छोटू, पंकज सिंह सहित सरकारी विभागों के अधिकारी कर्मचारी एवं पार्टी पदाधिकारी व ग्रामवासी मौजूद रहे।

### अनियंत्रित बाइक होने से तीन बाइक सवार घायल, एक रेफर

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग के अदलहाट थाना क्षेत्र के हाजीपुर के पास बाइक सवार युवक की बाइक अनियंत्रित होकर गिरी। जिससे बाइक सवार तीन युवक घायल। प्राप्त जानकारी के अनुसार बताया जाता है कि मोहिनुद्दीनपुर थाना बबुरी जनपद चन्दौली निवासी अरविंद सिंह पुत्र स्वर्गिय श्यामकृष्ण सिंह (28) वर्ष, शुभम सिंह पुत्र स्वर्गिय नन्दलाल सिंह (29) वर्ष, मनीष सिंह पुत्र कैलाश सिंह (25) बाइक से लखनियादरी घूमने गए हुए थे कि वापस लौटते समय अदलहाट थाना क्षेत्र के हाजीपुर पड़ाइन के नारे के समीप बाइक अनियंत्रित हो गई और तीनों युवक घायल हो गए। वाराणसी के तरफ से आ रही 4275 एम्बुलेंस (ई एम टी) के चालक शैलेंद्र यादव ने तुंरत रोककर घायलों को उठाकर ले आये अहरौरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उपचार के लिए जहां पर चिकित्सको ने तीनों घायलों को प्राथमिक उपचार किया गया।

## निराश्रित गरीब, दिव्यांग, विधवा महिलाओं सहित लगभग डेढ़ सौ महिला पुरूष को किया गया कम्बल वितरण

प्रखर ब्यूरो जंगीपुर/गाजीपुर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ के संयोजक तथा मरदह उत्तरी मंडल प्रभारी संकठा प्रसाद मिश्र ने समाज सेवा के प्रति समर्पित भाव से ग्राम पंचायत शेखपुर के एक विद्यालय से सादे समारोह में क्षेत्र के हसनापुर,सहजदपुर, अफजलपुर, शेखपुर,बन्तरा ,डांडी कला, मिश्रोली, जरगो, रसूलाबाद, रूहीपुर, फत्तेपुर, महमुदपुर तथा चौराबोझ आदि गांवों के निराश्रित गरीब, दिव्यांग, विधवा महिलाओं सहित लगभग डेढ़ सौ महिला पुरूष को कम्बल वितरण किया गया। इस



अवसर पर उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए भाजपा जिला महामंत्री अवधेश राजभर ने कहा की एकात्म मानववाद के प्रति समर्पित होकर अंतिम व्यक्ति के समृद्धी और सम्मान के लिए काम कर रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से प्रेरणा लेकर संकठा प्रसाद मिश्र द्वारा किया गया यह कार्य जीवन को संतोष और संतृप्ति का माध्यम है। जिला मीडिया प्रभारी शशिकान्त शर्मा ने कहा कि विगत कई वर्षों से स्वनिधी से गरीबों में कंबल तथा कोरोना काल में सैकड़ों लोगों में अन्न तथा जीवन उपयोगी आवश्यक सामग्रीयो भाजपा नेता संकठा प्रसाद जी के सामाजिक जीवन को मजबूत करता है। संकठा प्रसाद मिश्र ने उपस्थित लोगों के प्रति आभार धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि गरीबों और जरूरत मंद लोगों की सेवा मेरे जीवन का लक्ष्य है। आज के भीषण ठंड में कम्बल पाकर महिला पुरूषों के चेहरे पर मुस्कान तथा प्रसन्नता का भाव दिखाई दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पुर्व प्रधान रामकेश पांडेय, संचालन आकाश राजभर ने किया। कार्यक्रम में भाजपा जिला मीडिया प्रभारी शशिकान्त शर्मा, राजेश चौहान,मन्नू राजभर, कार्तिक कुमार, रामलाल सिंह, रंजू शर्मा,गुड्डू राजभर, पंकज राय,सुरेन्द्र शर्मा आदि उपस्थित थे।

## घने कोहरे ने रोकी जीवन की रफ्तार सर्द हवाओं से बढ़ी ठंडक और गलन

**शरद कुमार वर्मा**

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। गत 5 दिनों से जनपद घने कोहरे की चपेट मे है। सुबह लगभग 11बजे तक सड़को पर दृश्यता का आभाव हो जा रहा है।उत्तर प्रदेश सहित पूरे उत्तर भारत में सर्दी की बेदर्दी बढ़ गई है। आसमान से कोहरे की आफत गिर रही है। इससे गलन में इजाफा हो गया है। ठंड से राहत के लिए लोगों ने शरीर पर कपड़ों का बोझ बढ़ा दिया है। बावजूद इसके गलन पीछा नहीं छोड़ रही है। सर्दी से राहत के लिए लोग आग के साथ ही हीटर का सहारा ले रहे हैं. घने कोहरे से जहां वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई है। वहीं ट्रेनों की चाल भी धीमी पड़ गई है, जिससे वह समय से गंतव्य तक नहीं पहुंच पा रही है। शनिवार को भी जबरदस्त कोहरे का प्रभाव जारी रहा। इससे हर ठिठुरते हुए कांपते हुए सर्दी की दुहाई देता नजर आया। पिछले करीब 5 दिन से सर्दी की बेदर्दी का सिलसिला जारी है। दिन में कभी 10 तो कभी 11 से लेकर 12 बजे तक कोहरे की चादर तनी रह रही है। इससे मौसम का मिजाज काफी ठंडा हो गया है। आलम यह है कि बाहर की कौन कहे, घरों के अंदर भी लोगों को गलन महसूस हो रही है।





जैसे-जैसे शाम ढल रही है, वैसे-वैसे ठंड का प्रभाव भी बढ़ता जा रह है. शाम ढलते ही कोहरा गिरने का क्रम बढ़ जा रहा है, जिसका प्रभाव रात ढलने के बाद दूसरे दिन भी बना रह रहा है। शुक्रवार को दोपहर तक जहां कोहरे का प्रभाव बना रहा, वहीं शाम ढलते ही फिर से कोहरा गिरने का क्रम शुरू हो गया।

शनिवार को घने कोहरे के चादर के बीच बर्फीली हवा चलती रही. जो लोगों के तन और मन को झंकझोरती रही। मार्गों पर आवागमन कर रहे ठिठुरते हुए नजर आए। गलन का प्रभाव की वजह से हाथ की कलाई और पैर पूरी तरह से ठंडे हो गए. लोग हाथों के आपस में रगड़ते हुए गर्म करते नजर आए।पिछले कई दिनों से कोहरे का प्रभाव जारी है। इससे धुंध की चादर तन जा रही है. कोहरे की वजह से सड़कों पर सरपट दौड़ने वाले वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई। धुंध के बीच चालक वाहन की लाइट के सहारे रेंगते हुए नजर आ रहे हैं। कभी-कभी धूंध में कुछ दिखाई न देने से चालकों को वाहन को खड़ा भी करना पड़ जा रहा है। जिन चालकों का ऐसा महसूस हो रहा है कि अब वह कोहरे का सामना नहीं कर पाएंगे, वे वाहनों को सड़क किनारे खड़ा कर धूंध छंटने का इंतजार कर रहे हैं। कोहरे की वजह से ट्रेनों की रफ्तार भी धीमी पड़ गई है। वैसे तो प्रकृति का कोई मजहब नहीं होता। यह हर जाति एवं धर्म के लोगों को अपनी ताकत का एहसास कराती है। लेकिन इसके कहर का ज्यादा असर गरीबों पर पड़ता है। पिछले कई दिनों से शीतलहर का क्रम जारी है। सर्द हवाएं लोगों के तन और मन को झंकझोर रही है। ऐसे में सबसे ज्यादा मौसम की मार गरीबों पर पड़ रही है।

शहर में ग्रामीण क्षेत्रों से रोजी-रोटी की तलाश में बड़ी संख्या में लोग आते है। कुछ फुथपाथों पर सब्जी आदि की दुकान लगातर तो कुछ मजदूरी करके जहां अपनी रोटी की व्यवस्था करते है, वहीं बड़ी संख्या में गरीब रिक्शा चलाकर घर का चूल्हा जलाते है। रिक्शा चलाने वाले कुछ ऐसे भी दीन-हीन दिखाई पड़ जाते है, जिनके पैरों में चप्पल तक नहीं होती है। ऐसे गरीबों पर ठंड भारी पड़ रही है. इसे मजबूरी ही कहां जाएगा कि पेट की आग बुझाने के लिए उन्हें इस कड़कड़ाती ठंड का सामना करना पड़ रहा है। ठंड को गर्म करने के लिए लकड़ियों पर शामत आ गई है. आम हो या खास, सभी आग का सहारा ले रहे हैं। ठंड का प्रभाव इस कदर बढ़ गया है कि जिनके घरों में काम की भी लकड़ियां पड़ी है, वे ठंड से राहत पाने के लिए उसे भी जला दे रहे हैं। लकड़ी के कोयले की मांग भी बढ़ गई है। एक तरफ जहां लोग घरों में बोरसी, तगाड़ आदि में अलाव जलाकर शरीर को सेंक रहे हैं, वहीं विभिन्न सरकारी दफ्तरों में काम करने वाले कर्मचारी हीटर के सहारे ठंड से दो-दो हाथ करते नजर आ रहे हैं। चार पहिया वाहन सवार भी राहत के लिए हीटर का सहारा ले रहे हैं। पिछले कई दिनों से कड़ाके की ठंड से एक तरफ जहां आम जन-जीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त है। वहीं इसका सबसे ज्यादा प्रभाव गृहणियों पड़ रहा है।खासकर उन महिलाओं पर जिनके छोटे-छोटे बच्चे है।

# 'रियलिस्टिक है 5 ट्रिलियन इकोनॉमी का टारगेट' पीएम मोदी ने गुजरात के उदाहरण से समझाया

**पीएम मोदी ने कहा कि जब 2014 में मैं प्रधानमंत्री बना, तो भारत की अर्थव्यवस्था 20 खरब डॉलर (167 लाख करोड़ रुपये) की थी और 2023-24 के अंत में भारत की जीडीपी 37.5 खरब डॉलर (312 लाख करोड़ रु.) से अधिक होगी।**

● नई दिल्ली

भारत की अर्थव्यवस्था इस समय तेज गति से आगे बढ़ रही है. भारत 2023 में भी दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में बना रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आने वाले वर्षों के लिए 5 ट्रिलियन इकोनॉमी का लक्ष्य रखा है। एक मीडिया हाउस को दिए विशेष इंटरव्यू में पीएम मोदी ने अपने इस लक्ष्य को विस्तार से समझाया।

खास बातचीत में पीएम मोदी ने 5 ट्रिलियन इकोनॉमी से जुड़े सवाल पर कहा कि हमारा ट्रैक-रिकॉर्ड खुद-ब-खुद इसकी गारंटी लेता है। उन्होंने कहा- पूरी दुनिया मानती है कि ये भारत का समय है

पीएम मोदी ने कहा कि जब 2001 में मैं गुजरात का मुख्यमंत्री बना तो उसकी अर्थव्यवस्था का आकार लगभग 26 अरब डॉलर (2.17 लाख करोड़ रुपए) था. जब प्रधानमंत्री बनने के लिए मैंने गुजरात छोड़ा, तब गुजरात की अर्थव्यवस्था का आकार बढ़कर 133.5 अरब डॉलर (11.1 लाख करोड़ रुपए) हो गया था। और जो कई नीतियां और सुधार किए गए, उनके परिणामस्वरूप आज गुजरात की अर्थव्यवस्था लगभग 260 अरब डॉलर (21.6 लाख करोड़ रुपए) की हो गई है। पीएम मोदी ने कहा कि इसी तरह जब 2014 में मैं प्रधानमंत्री बना, तो भारत की अर्थव्यवस्था 20 खरब डॉलर (167 लाख करोड़ रुपए) की थी और 2023-24 के अंत में भारत की जीडीपी 37.5 खरब डॉलर (312 लाख करोड़ रुपए) से अधिक होगी. 23 वर्ष का यह ट्रैक रिकॉर्ड दिखाता है कि यह रियलिस्टिक टारगेट है। पीएम मोदी ने विपक्ष के महंगाई के आरोपों से जुड़े सवाल पर कहा कि सदी में एक बार आने वाली महामारी के दो वर्षों और वैश्विक टकरावों से वैश्विक सप्लाई चेन के तहस-नहस हो जाने और यहां तक कि दुनियाभर में मंदी का दबाव पैदा होने के बावजूद भारत ने अच्छा लचीलापन दिखाया है। भारी मुश्किलों, वैश्विक संकटों, सप्लाई चेन के टूटने और भू-राजनैतिक तनावों का दुनियाभर में कीमतों पर असर पड़ा। इसके बावजूद 2014-15 और 2023-24 (नवंबर तक) के बीच औसत मुद्रास्फीति मात्र 5.1 फीसदी थी, जबकि इससे पहले के 10 वर्षों (2004-14) के दौरान यह 8.2 फीसदी थी. उन्होंने सवाल किया कि कौन-सी ज्यादा है, 5.1 फीसदी महंगाई या 8.2 फीसदी महंगाई?

# सीएम योगी ने रामलला के किए दर्शन लता मंगेशकर चौक पर ली सेल्फी

**अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन का भी लिया जायजा**

**अयोध्या।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शनिवार को प्रस्तावित दौरे से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामनगरी अयोध्या में विकास कार्यों का जायजा लिया और हनुमानगढ़ी व रामलला के दर्शन-पूजन किए। इस माह में मुख्यमंत्री का तीसरी बार अयोध्या आगमन हुआ है। इससे पूर्व सीएम ने दो दिसम्बर और 21 दिसंबर को अयोध्या आगमन पर मंदिरों में शीश झुकाया था। सीएम ने लता मंगेशकर चौक पहुंचकर यहां की खूबसूरती को निहारा और वीणा संग सेल्फी भी ली। इसके बाद रामपथ को देखा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आमगन से पूर्व सीएम ने प्रशासनिक अफसरों को आवश्यक निर्देश भी दिए। रामपथ पर मौजूद महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों से भी सीएम ने हालचाल जाना। रात में ठंड की परवाह किये बगैर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार देर रात अयोध्या के विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। पीएम के प्रस्तावित दौरे की पूर्व संध्या पर सीएम ने अयोध्या में दिन में पीएम के कार्यक्रम स्थलों पर पहुंचकर जानकारी ली तो वहीं सर्द भरी रात में अयोध्या के विकास की हकीकत देखने निकले।

## 95 लाख श्रद्धालुओं से बनेगा वैष्णो देवी दर्शन का रिकॉर्ड

**कटड़ा।** नववर्ष के आगमन को लेकर मां वैष्णो देवी के आधार शिविर कटड़ा से लेकर भवन तक श्रद्धालुओं की भीड़ लगातार बढ़ रही है। वर्ष में अब तक 94 लाख श्रद्धालु मां के चरणों में हाजिरी लगा चुके हैं। हालांकि, उम्मीद है कि 31 दिसंबर तक मां वैष्णो देवी की यात्रा का आंकड़ा 95 लाख की संख्या को पार कर जाएगा। देशभर मां वैष्णो देवी की यात्रा पर आने वाले श्रद्धलुओं को परेशानी न हो। कटड़ा से मां के भवन पर अतिरिक्त संख्या में सुरक्षाबलों की तैनाती है।

## रश्मि शुक्ला को बनाया गया महाराष्ट्र पुलिस का नया डीजीपी

**मुंबई।** महाराष्ट्र की पुलिस फोर्स में बड़े बदलाव हुए हैं। महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक रजनीश सेठ को महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष बना दिया गया है। वहीं अब रजनीश सेठ की जगह फोन टैपिंग मामले को लेकर विवादों में घिरीं रश्मि शुक्ला को नियुक्त किया गया है। ऐसे में अब 1988 बैच की आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला महाराष्ट्र की नई डीजीपी बन गई हैं। उनके खिलाफ दो मामले में एफआईआर की गई थी। कोर्ट ने उनके ऊपर दर्ज एफआईआर रद्द कर दी।

## माइने राज्य में भी नहीं लड़ सकेंगे डोनाल्ड ट्रम्प

**न्यूयॉर्क।** अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को सियासी तौर पर एक और झटका लगा है। माइने राज्य के चीफ इलेक्शन ऑफिसर ने ट्रम्प का नाम प्राइमरी इलेक्शन बैलट पेपर से हटा दिया है। आसान भाषा में समझें तो कोलोराडो के बाद अब माइने में भी ट्रम्प अपनी रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से प्रेसिडेंशियल कैंडिडेट बनने की दावेदारी पेश नहीं कर सकेंगे। अब ट्रम्प प्रेसिडेंशियल कैंडिडेट बन सकेंगे या नहीं, इसका फैसला कोर्ट करेगा।

### उल्फा और केंद्र सरकार के बीच हुआ ऐतिहासिक शांति समझौता

# असम में अब उग्रवाद का अंत जल्द बगैर बाधा के बहेगी विकास की गंगा

**आज हुए समझौते के मुख्य बिंदु**

- असम के लोगों की सांस्कृतिक विरासत बरकरार रहेगी।
- असम के लोगों के लिए और भी बेहतर रोजगार के साधन राज्य में मौजूद रहेंगे।
- इनके काडरों को रोजगार के पर्याप्त अवसर सरकार मुहैया करवाएगी।
- उल्फा के सदस्यों को जिन्होंने सशस्त्र आंदोलन का रास्ता छोड़ दिया है, उन्हें मुख्य धारा में लाने का भारत सरकार हर संभव प्रयास करेगी।

**पूर्वोत्तर की शांति के प्रयास की दिशा में बड़ा कदम**

● नई दिल्ली

भारत सरकार, यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (यूएलएफए) और असम के बीच त्रिपक्षीय शांति समझौते पर शुक्रवार को हस्ताक्षर हो गए हैं. 40 साल में पहली बार सशस्त्र उग्रवादी संगठन उल्फा से भारत और असम सरकार के नुमाइंदे के बीच शांति समाधान समझौता मसौदे पर हस्ताक्षर हुए हैं। भारत सरकार के पूर्वोत्तर में शांति प्रयास की दिशा में यह एक बहुत बड़ा कदम है। कारण, उल्फा पिछले कई सालों से उत्तर पूर्व में सशस्त्र सुरक्षा बलों के खिलाफ हिंसात्मक संघर्ष कर रहा था।

इसको लेकर दिल्ली में अहम बैठक हुई, जिसमें पूर्वोत्तर में शांति समझौता के लिए उल्फा के साथ इस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, असम के मुख्यमंत्री हेमंता बिस्वा सरमा, गृह सचिव अजय भल्ला, असम के डीजीपी जीपी सिंह सहित उल्फा ग्रुप के सदस्य मौजूद रहे। परेश बरुआ के नेतृत्व वाला उल्फा का कट्टरपंथी गुट इस समझौते का हिस्सा नहीं है। कारण, उसने सरकार द्वारा प्रस्तावित समझौते में शामिल होने से इनकार कर दिया है।

### असम के भविष्य के लिए उज्जवल दिन: अमित शाह

उल्फा के साथ समझौते पर गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह असम के भविष्य के लिए एक उज्ज्वल दिन है। राज्य और उत्तर-पूर्व में पिछले कई दशकों से हिंसा देखी जा रही है। जब से नरेंद्र मोदी आए हैं हम पूर्वोत्तर को हिंसा मुक्त बनाने का प्रयास कर रहे हैं। पिछले पांच वर्षों में पूर्वोत्तर में 9 शांति समझौते (सीमा शांति और शांति समझौते सहित) हुए। उन्होंने बताया कि असम के 85 फीसदी इलाकों से अफस्पा हटाया गया। त्रिपक्षीय समझौते से असम में हिंसा का समाधान हो सकेगा। उल्फा द्वारा दशकों तक की गई हिंसा में 10,000 लोग मारे गए। यह असम में उग्रवाद का संपूर्ण समाधान है। सभी धाराओं को समयबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। शनिवार को उल्फा के 700 कैडरों ने आत्मसमर्पण कर दिया।

### एक हफ्ते से उल्फा के 20 नेता दिल्ली में थे मौजूद

उल्फा यानी यूनाइटेड लिबरेशन फंट ऑफ असम के एक धड़े के 20 नेता पिछले एक हफ्ते से दिल्ली में थे। भारत सरकार और असम सरकार के आला अधिकारी इस समझौते के मसौदे पर हस्ताक्षर के लिए उन्हें तैयार कर रहे थे। उल्फा के जिस धड़े ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं वह अनूप चेतिया गुट का है। 2011 से उल्फा के इस गुट ने हथियार नहीं उठाए हैं लेकिन यह पहली बार है जब बकायदा एक शांति समझौते का मसौदा तैयार किया गया है और दोनों पक्षों के नुमाइंदों ने उस पर हस्ताक्षर किए हैं। पूर्वोत्तर में सशस्त्र उग्रवादी संगठनों से इस साल भारत सरकार का यह चौथा बड़ा समझौता है।

**1979 में हुआ उल्फा का गठन** : बता दें कि उल्फा का गठन 1979 में संप्रभु असम की मांग के साथ किया गया था। तब से, यह विध्वंसक गतिविधियों में शामिल रहा है जिसके कारण केंद्र सरकार ने 1990 में इसे प्रतिबंधित संगठन घोषित कर दिया था। उल्फा के साथ भारत सरकार ने कई बार बात करनी चाही। लेकिन उल्फा में आपस में टकराव से इस कोशिश में बाधा पैदा होती रही। आखिरकार 2010 में उल्फा दो भागों में बंट गया। एक हिस्से का नेतृत्व अरबिंद राजखोवा ने किया, जो सरकार के साथ बातचीत के पक्ष में थे और दूसरे का नेतृत्व बरुआ के नेतृत्व में था, जो बातचीत के विरोध में था।

# पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के नए मुख्य न्यायाधीश होंगे नागु

**राष्ट्रपति ने लगाई मुहर**

**नई दिल्ली/प्रयागराज।** पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के नए मुख्य न्यायाधीश शील नागु होंगे। शील नागु मप्र उच्च न्यायालय के वरिष्ठ न्यायाधीश हैं। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्ति आदेश जारी किए गए हैं। साथ ही राष्ट्रपति ने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के नए मुख्य न्यायाधीश लिए शील नागु के नाम पर मुहर लगाई है।

## न्यायमूर्ति अरुण भंसाली होंगे इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश

राजस्थान हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायमूर्ति अरुण भंसाली इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश होंगे। सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम ने इनके नाम की संस्तुति केंद्र सरकार को भेजी है। मुख्य न्यायाधीश प्रीतिंकर दिवाकर के सेवानिवृत्ति के बाद वरिष्ठ न्यायमूर्ति एम के गुप्ता कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्यरत हैं। न्यायमूर्ति भंसाली की नियुक्ति के बाद हाईकोर्ट को मुख्य न्यायाधीश मिल सकेगा। न्यायमूर्ति भंसाली 8जनवरी 13को राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश नियुक्त हुए थे।

# येदियुरप्पा सरकार में 40 हजार करोड़ का कोविड स्कैम हुआ

**बेंगलुरु।** कर्नाटक में पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा सरकार के दौरान कोविड स्कैम होने की बात सामने आने के बाद से राजनीति गरमाई हुई है। विजयपुर से बीजेपी विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने कर्नाटक में बीजेपी की सरकार के दौरान 40 हजार करोड़ रुपए के कोविड स्कैम होने का आरोप लगाया है।

**भाजपा विधायक का दावा, सिद्धारमैया बोले- दोषियों को सजा दिलाने के लिए दस्तावेज पेश करें**

बसनगौड़ा के इस दावे पर कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि यदि विधायक पाटिल की मंशा दोषियों को सजा दिलाने की है तो उन्हें स्कैम से जुड़े दस्तावेज जांच आयोग (जस्टिस जॉन माइकल कुन्हा कमेटी) के सामने पेश करना चाहिए। वहीं, कर्नाटक की मौजूदा सरकार में मंत्री प्रियांक खड़गे ने भी बसनगौड़ा पाटिल यतनाल से घोटाले से जुड़े दस्तावेज सार्वजनिक करने को कहा है।

उन्होंने कर्नाटक के लोगों को ध्यान में रखते हुए और उनकी सुरक्षा के लिए दस्तावेजों को सार्वजनिक किया जाए। इस बीच, प्रदेश भाजपा महासचिव पी राजीव ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र के नेतृत्व में हुई भाजपा पदाधिकारियों की बैठक में इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा हुई है। कर्नाटक बीजेपी ने कहा कि पार्टी की गरिमा को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

# राजस्थान में आज होगा मंत्रिमंडल का विस्तार

**राज्यपाल कलराज मिश्र नए मंत्रियों को दिलाएंगे शपथ**

**जयपुर।** राजस्थान में शनिवार को मंत्रिमंडल का विस्तार होगा। दोपहर 3.15 बजे राज्यपाल कलराज मिश्र नए मंत्रियों को शपथ दिलाएंगे। नामों पर सहमति बनाने को लेकर बुधवार देर रात तक मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़ और प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर के बीच लंबी बैठक हुई थी। बताया जा रहा है कि इस बैठक में लगभग सभी नाम फाइनल कर लिए गए हैं। पूर्वी राजस्थान के सबसे कद्दावर नेताओं में शामिल डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के मंत्रिमंडल में शामिल होने की प्रबल संभावना है। वहीं, हिंदूवादी चेहरा और तिजारा से विधायक बाबा बालकनाथ भी भजनलाल मंत्रिमंडल का हिस्सा हो सकते हैं। महिला चेहरों में अनिता भदेल, दीप्ति माहेश्वरी और पहली बार विधायक बनीं नौक्षम चौधरी पर नजरें हैं। दलित वर्ग से जितेंद्र गोठवाल और वरिष्ठ विधायक मदन दिलावर को भी मंत्री बनाया जा सकता है।

## कनाडा में भारतीय मूल के व्यक्ति के घर हमला

**टोरंटो।** कनाडा के सर्रे में लक्ष्मी नारायण मंदिर के अध्यक्ष सतीश कुमार के बेटे के घर पर हमला हुआ है। हमलावरों ने 27 दिसंबर की सुबह करीब 8.03 बजे 14 राउंड फायरिंग की। कनाडा की पुलिस के मुताबिक, अटैक में कोई घायल नहीं हुआ है। हालांकि, घर में कई जगह गोलियों के निशान बने नजर आ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि ये हमला खालिस्तान समर्थकों ने किया है। फिलहाल कनाडा की रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# चीन में नौसेना प्रमुख बने नए रक्षा मंत्री

**बीजिंग।** चीन ने शुक्रवार को डांग जुन को नया रक्षा मंत्री बना दिया। उन्हें ली शांगफू की जगह दी गई है, जिन्हें दो महीने पहले बिना कारण बताए हटा दिया गया था। शांगफू अगस्त से ही गायब थे और उनके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पा रही थी।

**राष्ट्रपति जिनपिंग के खास मकसद को करेंगे पूरा**

चीन के नए रक्षा मंत्री की नियुक्ति ऐसे वक्त में हुई है, जब राष्ट्रपति जिनपिंग मिलिट्री को अपग्रेड करने में जुटे हैं। ऐसा करने के पीछे उनका मकसद चीन को दुनिया में सबसे ताकतवर देश बनाना है। जिनपिंग की इन कोशिशों ने पड़ोसी देशों को सतर्क कर दिया है।

62 साल के डांग हालिया दिनों में चीनी सेना के नेवी प्रमुख थे। इससे पहले वह पीएलए की सभी अहम डिवीजनों में सेवा दे चुके हैं। स्थानीय मीडिया के मुताबिक इस दौरान वह, उत्तरीय, दक्षिणी समुद्री फ्लीट में भी रह चुके हैं। इसके अलावा दक्षिणी कमांड थिएटर में भी रहे हैं। गौरतलब है कि चीन के रक्षा मंत्री की भूमिका मीडिया और अन्य सेनाओं के साथ अपने जुड़ाव में पीएलए का सार्वजनिक चेहरा होना है। हालांकि, अन्य देशों के विपरीत, रक्षा नीति या सैन्य प्रबंधन में मंत्रालय की बहुत अधिक भूमिका नहीं है।

## चीन ने अपने नागरिकों से म्यांमार के सीमावर्ती जिले को छोड़ने को कहा

**यांगून।** म्यांमार में चीन की सीमा से लगे उत्तरी शान प्रांत में जातीय अल्पसंख्यक सशस्त्र समूह जुंटा के खिलाफ संघर्ष के मद्देनजर चीनी दूतावास ने अपने नागरिकों से इस इलाके को छोड़ देने को कहा है। म्यांमार के उत्ती शान राज्य में गत अक्टूबर से संघर्ष जारी है, जब 'थ्री ब्रदरहुड एलायंस' जातीय अल्पसंख्यक समूहों ने तथाकथित रूप से सेना के खिलाफ हमला शुरू किया था। इस गठबंधन ने चीन के साथ व्यापार करने कई महत्वपूर्ण कस्बों व सीमावर्ती केंद्रों पर कब्जा किया है। विश्लेषकों का मानना है कि 2021 में म्यांमार की सत्ता पर कब्जा करने के बाद से यह जुंटा के लिए सबसे बड़ी सैन्य चुनौती है। एमएनडीएए, ब्रदरहुड गठबंधन के एक सदस्य ने चीन की सीमा से लगे जिले में स्थित लौक्काई पर फिर से कब्जा करने की कसम खाई है, जिसे एक सैन्य-गठबंधन मिलिशिया द्वारा चलाया जाता है।

## आज का इतिहास

- **1703:** जापान की राजधानी टोक्यो में आए भूकंप से 37,000 लोगों की मौत।
- **1706:** पुद्दुचेरी के संस्थापक और भारत में फ्रांसीसी उपनिवेश के पहले गवर्नर जनरल मार्टिन का निधन।
- **1803:** ब्रिटेन की ईस्ट इंडिया कंपनी ने दिल्ली, आगरा और भरूच पर नियंत्रण किया।
- **1861:** अमेरिकी बैंक ने सोने पर भुगतान रोक दिया।
- **1865:** सुप्रसिद्ध अंग्रेजी उपन्यासकार, कवि और पत्रकार रुडयार्ड किपलिंग का बंबई में जन्म।
- **1870:** स्पेन के प्रधानमंत्री की हत्या।
- **1873:** न्यूयार्क में माप तौल के लिए मेट्रोलॉजिकल सोसायटी का गठन।
- **1906:** ढाका में अभा मुस्लिम लीग की स्थापना।
- **1919:** लंदन में वकालत के लिए प्रथम महिला विद्यार्थी का प्रवेश।
- **1922:** सोवियत संघ (यूएसएसआर) की स्थापना।

**संकल्प यात्रा** केंद्रीय मंत्री बोले, मोदी जी के नेतृत्व में 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने कृतसंकल्पित

# बांटो, राज करो कांग्रेस के डीएनए में : अनुराग ठाकुर

**शिमला।** केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर के हिमाचल प्रवास का शुक्रवार को दूसरा दिन था। शुक्रवार यानी 29 दिसंबर को अनुराग ठाकुर दिनभर झंडूता विधानसभा में थे जहां सर्वप्रथम अनुराग ठाकुर बैहना ब्राह्मणा और बालघाड़ में विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रमों में शामिल हुए और उसके पश्चात झंडूता स्थित भाजपा कार्यालय में सेक्टर प्रभारीयों के साथ बैठक की। विकसित भारत संकल्प यात्रा के अन्तर्गत अनुराग ठाकुर ने केंद्र सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों को संबोधित किया व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत निर्माण के संकल्प को दोहराया। इस दौरान मीडिया से चर्चा करते हुए अनुराग ठाकुर कहा कि यह पहली बार है जब किसी पीएम ने देश के अंतिम जन के घर के द्वार तक केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को ले जाने का कार्य किया है। अभी तक विभिन्न राज्यों में लाखों लोगों को इस यात्रा के माध्यम से सरकारी योजनाओं का लाभ मिल चुका है। इससे लगातार जागरूकता बढ़ रही है और लोगों को लाभ मिल रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस यात्रा से देश के कोने-कोने में लोगों को सरकारी योजनाओं से अवगत कराया जा रहा है। जो लोग वंचित रह गए थे वे सभी अपने फॉर्म भर रहे हैं जिससे उन्हें अनेक योजनाओं का लाभ मिल रहा है।आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य देश समक्ष रखा है, जिसमें हर भारतवासी पूरे मनोयोग से अपना योगदान सुनिश्चित कर रहा है। हम 2047 से पहले भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाएंगे।

### इंडी गठबंधन के अधिकांश नेता बेल पर या जेल में

अनुराग ठाकुर ने आगे इंडी गठबंधन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यह लोग आपस में ही न्याय नहीं कर पा रहे हैं। सीटों के ऊपर तालमेल नहीं बैठ पा रहा है। उनके अधिकतर नेता गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप में या तो बेल पर है या तो जेल में हैं। ये क्या न्याय दिलाएंगे? मोदी जी की गारंटियाँ हमेशा सफल होती हैं। देश के कोने-कोने में जाने वाली यह गाड़ियां लोगों को यह विश्वास दिला रही हैं कि मोदी जी ने 9 वर्षों में भ्रष्टाचार मुक्त शासन दिया है। 5 वर्षों में देश के 13.5 करोड़ से ज्यादा गरीबों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला है। जरूरतमंदों को 4 करोड़ पक्के मकान, 13 करोड़ शौचालय व 14 करोड़ घरों को नल से जल उपलब्ध कराया।

# अब गणतंत्र दिवस परेड में नहीं दिखेगी पश्चिम बंगाल की झांकी

**कोलकाता।** पंजाब और दिल्ली के बाद केंद्र सरकार ने 26 जनवरी 2024 को नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड के लिए पंश्चिम बंगाल सरकार की ओर से प्रस्तावित झांकी को खारिज कर दिया है। इस बार पश्चिम बंगाल सरकार ने प्रस्तावित झांकी का विषय 'कन्याश्री प्रकल्प' परियोजना था, जो लड़कियों को स्कूल छोड़ने से रोकने के लिए एक वित्तीय सहायता योजना है और उन्हें हाई स्टडी के लिए प्रोत्साहित करती है, जो सीएम ममता बनर्जी की एक पसंदीदा परियोजना है।

**केंद्र सरकार का बड़ा फैसला, पंजाब-दिल्ली के बाद अब गणतंत्र दिवस परेड में नहीं दिखेगी पश्चिम बंगाल की झांकी**

सत्तारूढ़ दल के नेताओं का मानना है कि प्रस्तावित झांकी को केंद्र सरकार ने जानबूझकर खारिज कर दिया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि राज्य सरकार की इस 'अनूठी बालिका-बाल विकास परियोजना' की सफलता की कहानियों को व्यापक प्रचार न मिले। राज्य की महिला एवं बाल विकास और समाज कल्याण मंत्री शशि पांजा ने कहा कि यदि इस झांकी को अस्वीकार नहीं किया गया होता, तो महिला-विकास में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प.बंगाल सरकार का वैज्ञानिक विजन सुर्खियों में आ गया होता और उस प्रक्रिया में उसी क्षेत्र में केंद्र सरकार की विफलताएं सामने आ गई होतीं।

# 'रियलिस्टिक है 5 ट्रिलियन इकोनॉमी का टारगेट' पीएम मोदी ने गुजरात के उदाहरण से समझाया

**पीएम मोदी ने कहा कि जब 2014 में मैं प्रधानमंत्री बना, तो भारत की अर्थव्यवस्था 20 खरब डॉलर (167 लाख करोड़ रुपये) की थी और 2023-24 के अंत में भारत की जीडीपी 37.5 खरब डॉलर (312 लाख करोड़ रु.) से अधिक होगी।**

● नई दिल्ली

भारत की अर्थव्यवस्था इस समय तेज गति से आगे बढ़ रही है. भारत 2023 में भी दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में बना रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आने वाले वर्षों के लिए 5 ट्रिलियन इकोनॉमी का लक्ष्य रखा है। एक मीडिया हाउस को दिए विशेष इंटरव्यू में पीएम मोदी ने अपने इस लक्ष्य को विस्तार से समझाया।

खास बातचीत में पीएम मोदी ने 5 ट्रिलियन इकोनॉमी से जुड़े सवाल पर कहा कि हमारा ट्रैक-रिकॉर्ड खुद-ब-खुद इसकी गारंटी लेता है। उन्होंने कहा- पूरी दुनिया मानती है कि ये भारत का समय है

पीएम मोदी ने कहा कि जब 2001 में मैं गुजरात का मुख्यमंत्री बना तो उसकी अर्थव्यवस्था का आकार लगभग 26 अरब डॉलर (2.17 लाख करोड़ रुपए) था. जब प्रधानमंत्री बनने के लिए मैंने गुजरात छोड़ा, तब गुजरात की अर्थव्यवस्था का आकार बढ़कर 133.5 अरब डॉलर (11.1 लाख करोड़ रुपए) हो गया था। और जो कई नीतियां और सुधार किए गए, उनके परिणामस्वरूप आज गुजरात की अर्थव्यवस्था लगभग 260 अरब डॉलर (21.6 लाख करोड़ रुपए) की हो गई है। पीएम मोदी ने कहा कि इसी तरह जब 2014 में मैं प्रधानमंत्री बना, तो भारत की अर्थव्यवस्था 20 खरब डॉलर (167 लाख करोड़ रुपए) की थी और 2023-24 के अंत में भारत की जीडीपी 37.5 खरब डॉलर (312 लाख करोड़ रुपए) से अधिक होगी. 23 वर्ष का यह ट्रैक रिकॉर्ड दिखाता है कि यह रियलिस्टिक टारगेट है। पीएम मोदी ने विपक्ष के महंगाई के आरोपों से जुड़े सवाल पर कहा कि सदी में एक बार आने वाली महामारी के दो वर्षों और वैश्विक टकरावों से वैश्विक सप्लाई चेन के तहस-नहस हो जाने और यहां तक कि दुनियाभर में मंदी का दबाव पैदा होने के बावजूद भारत ने अच्छा लचीलापन दिखाया है। भारी मुश्किलों, वैश्विक संकटों, सप्लाई चेन के टूटने और भू-राजनैतिक तनावों का दुनियाभर में कीमतों पर असर पड़ा। इसके बावजूद 2014-15 और 2023-24 (नवंबर तक) के बीच औसत मुद्रास्फीति मात्र 5.1 फीसदी थी, जबकि इससे पहले के 10 वर्षों (2004-14) के दौरान यह 8.2 फीसदी थी. उन्होंने सवाल किया कि कौन-सी ज्यादा है, 5.1 फीसदी महंगाई या 8.2 फीसदी महंगाई?

# सीएम योगी ने रामलला के किए दर्शन लता मंगेशकर चौक पर ली सेल्फी

**अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन का भी लिया जायजा**

**अयोध्या।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शनिवार को प्रस्तावित दौरे से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामनगरी अयोध्या में विकास कार्यों का जायजा लिया और हनुमानगढ़ी व रामलला के दर्शन-पूजन किए। इस माह में मुख्यमंत्री का तीसरी बार अयोध्या आगमन हुआ है। इससे पूर्व सीएम ने दो दिसम्बर और 21 दिसंबर को अयोध्या आगमन पर मंदिरों में शीश झुकाया था। सीएम ने लता मंगेशकर चौक पहुंचकर यहां की खूबसूरती को निहारा और वीणा संग सेल्फी भी ली। इसके बाद रामपथ को देखा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आमगन से पूर्व सीएम ने प्रशासनिक अफसरों को आवश्यक निर्देश भी दिए। रामपथ पर मौजूद महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों से भी सीएम ने हालचाल जाना। रात में ठंड की परवाह किये बगैर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार देर रात अयोध्या के विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। पीएम के प्रस्तावित दौरे की पूर्व संध्या पर सीएम ने अयोध्या में दिन में पीएम के कार्यक्रम स्थलों पर पहुंचकर जानकारी ली तो वहीं सर्द भरी रात में अयोध्या के विकास की हकीकत देखने निकले।

## 95 लाख श्रद्धालुओं से बनेगा वैष्णो देवी दर्शन का रिकॉर्ड

**कटड़ा।** नववर्ष के आगमन को लेकर मां वैष्णो देवी के आधार शिविर कटड़ा से लेकर भवन तक श्रद्धालुओं की भीड़ लगातार बढ़ रही है। वर्ष में अब तक 94 लाख श्रद्धालु मां के चरणों में हाजिरी लगा चुके हैं। हालांकि, उम्मीद है कि 31 दिसंबर तक मां वैष्णो देवी की यात्रा का आंकड़ा 95 लाख की संख्या को पार कर जाएगा। देशभर मां वैष्णो देवी की यात्रा पर आने वाले श्रद्धलुओं को परेशानी न हो। कटड़ा से मां के भवन पर अतिरिक्त संख्या में सुरक्षाबलों की तैनाती है।

## रश्मि शुक्ला को बनाया गया महाराष्ट्र पुलिस का नया डीजीपी

**मुंबई।** महाराष्ट्र की पुलिस फोर्स में बड़े बदलाव हुए हैं। महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक रजनीश सेठ को महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष बना दिया गया है। वहीं अब रजनीश सेठ की जगह फोन टैपिंग मामले को लेकर विवादों में घिरीं रश्मि शुक्ला को नियुक्त किया गया है। ऐसे में अब 1988 बैच की आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला महाराष्ट्र की नई डीजीपी बन गई हैं। उनके खिलाफ दो मामले में एफआईआर की गई थी। कोर्ट ने उनके ऊपर दर्ज एफआईआर रद्द कर दी।

## माइने राज्य में भी नहीं लड़ सकेंगे डोनाल्ड ट्रम्प

**न्यूयॉर्क।** अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को सियासी तौर पर एक और झटका लगा है। माइने राज्य के चीफ इलेक्शन ऑफिसर ने ट्रम्प का नाम प्राइमरी इलेक्शन बैलट पेपर से हटा दिया है। आसान भाषा में समझें तो कोलोराडो के बाद अब माइने में भी ट्रम्प अपनी रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से प्रेसिडेंशियल कैंडिडेट बनने की दावेदारी पेश नहीं कर सकेंगे। अब ट्रम्प प्रेसिडेंशियल कैंडिडेट बन सकेंगे या नहीं, इसका फैसला कोर्ट करेगा।

### उल्फा और केंद्र सरकार के बीच हुआ ऐतिहासिक शांति समझौता

# असम में अब उग्रवाद का अंत जल्द बगैर बाधा के बहेगी विकास की गंगा

**आज हुए समझौते के मुख्य बिंदु**

- असम के लोगों की सांस्कृतिक विरासत बरकरार रहेगी।
- असम के लोगों के लिए और भी बेहतर रोजगार के साधन राज्य में मौजूद रहेंगे।
- इनके काडरों को रोजगार के पर्याप्त अवसर सरकार मुहैया करवाएगी।
- उल्फा के सदस्यों को जिन्होंने सशस्त्र आंदोलन का रास्ता छोड़ दिया है, उन्हें मुख्य धारा में लाने का भारत सरकार हर संभव प्रयास करेगी।

**पूर्वोत्तर की शांति के प्रयास की दिशा में बड़ा कदम**

● नई दिल्ली

भारत सरकार, यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (यूएलएफए) और असम के बीच त्रिपक्षीय शांति समझौते पर शुक्रवार को हस्ताक्षर हो गए हैं. 40 साल में पहली बार सशस्त्र उग्रवादी संगठन उल्फा से भारत और असम सरकार के नुमाइंदे के बीच शांति समाधान समझौता मसौदे पर हस्ताक्षर हुए हैं। भारत सरकार के पूर्वोत्तर में शांति प्रयास की दिशा में यह एक बहुत बड़ा कदम है। कारण, उल्फा पिछले कई सालों से उत्तर पूर्व में सशस्त्र सुरक्षा बलों के खिलाफ हिंसात्मक संघर्ष कर रहा था।

इसको लेकर दिल्ली में अहम बैठक हुई, जिसमें पूर्वोत्तर में शांति समझौता के लिए उल्फा के साथ इस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, असम के मुख्यमंत्री हेमंता बिस्वा सरमा, गृह सचिव अजय भल्ला, असम के डीजीपी जीपी सिंह सहित उल्फा ग्रुप के सदस्य मौजूद रहे। परेश बरुआ के नेतृत्व वाला उल्फा का कट्टरपंथी गुट इस समझौते का हिस्सा नहीं है। कारण, उसने सरकार द्वारा प्रस्तावित समझौते में शामिल होने से इनकार कर दिया है।

### असम के भविष्य के लिए उज्जवल दिन: अमित शाह

उल्फा के साथ समझौते पर गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह असम के भविष्य के लिए एक उज्ज्वल दिन है। राज्य और उत्तर-पूर्व में पिछले कई दशकों से हिंसा देखी जा रही है। जब से नरेंद्र मोदी आए हैं हम पूर्वोत्तर को हिंसा मुक्त बनाने का प्रयास कर रहे हैं। पिछले पांच वर्षों में पूर्वोत्तर में 9 शांति समझौते (सीमा शांति और शांति समझौते सहित) हुए। उन्होंने बताया कि असम के 85 फीसदी इलाकों से अफस्पा हटाया गया। त्रिपक्षीय समझौते से असम में हिंसा का समाधान हो सकेगा। उल्फा द्वारा दशकों तक की गई हिंसा में 10,000 लोग मारे गए। यह असम में उग्रवाद का संपूर्ण समाधान है। सभी धाराओं को समयबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। शनिवार को उल्फा के 700 कैडरों ने आत्मसमर्पण कर दिया।

### एक हफ्ते से उल्फा के 20 नेता दिल्ली में थे मौजूद

उल्फा यानी यूनाइटेड लिबरेशन फंट ऑफ असम के एक धड़े के 20 नेता पिछले एक हफ्ते से दिल्ली में थे। भारत सरकार और असम सरकार के आला अधिकारी इस समझौते के मसौदे पर हस्ताक्षर के लिए उन्हें तैयार कर रहे थे। उल्फा के जिस धड़े ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं वह अनूप चेतिया गुट का है। 2011 से उल्फा के इस गुट ने हथियार नहीं उठाए हैं लेकिन यह पहली बार है जब बकायदा एक शांति समझौते का मसौदा तैयार किया गया है और दोनों पक्षों के नुमाइंदों ने उस पर हस्ताक्षर किए हैं। पूर्वोत्तर में सशस्त्र उग्रवादी संगठनों से इस साल भारत सरकार का यह चौथा बड़ा समझौता है।

**1979 में हुआ उल्फा का गठन** : बता दें कि उल्फा का गठन 1979 में संप्रभु असम की मांग के साथ किया गया था। तब से, यह विध्वंसक गतिविधियों में शामिल रहा है जिसके कारण केंद्र सरकार ने 1990 में इसे प्रतिबंधित संगठन घोषित कर दिया था। उल्फा के साथ भारत सरकार ने कई बार बात करनी चाही। लेकिन उल्फा में आपस में टकराव से इस कोशिश में बाधा पैदा होती रही। आखिरकार 2010 में उल्फा दो भागों में बंट गया। एक हिस्से का नेतृत्व अरबिंद राजखोवा ने किया, जो सरकार के साथ बातचीत के पक्ष में थे और दूसरे का नेतृत्व बरुआ के नेतृत्व में था, जो बातचीत के विरोध में था।

# पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के नए मुख्य न्यायाधीश होंगे नागु

**राष्ट्रपति ने लगाई मुहर**

**नई दिल्ली/प्रयागराज।** पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के नए मुख्य न्यायाधीश शील नागु होंगे। शील नागु मप्र उच्च न्यायालय के वरिष्ठ न्यायाधीश हैं। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्ति आदेश जारी किए गए हैं। साथ ही राष्ट्रपति ने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के नए मुख्य न्यायाधीश लिए शील नागु के नाम पर मुहर लगाई है।

## न्यायमूर्ति अरुण भंसाली होंगे इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश

राजस्थान हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायमूर्ति अरुण भंसाली इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश होंगे। सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम ने इनके नाम की संस्तुति केंद्र सरकार को भेजी है। मुख्य न्यायाधीश प्रीतिंकर दिवाकर के सेवानिवृत्ति के बाद वरिष्ठ न्यायमूर्ति एम के गुप्ता कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्यरत हैं। न्यायमूर्ति भंसाली की नियुक्ति के बाद हाईकोर्ट को मुख्य न्यायाधीश मिल सकेगा। न्यायमूर्ति भंसाली 8जनवरी 13को राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश नियुक्त हुए थे।

# येदियुरप्पा सरकार में 40 हजार करोड़ का कोविड स्कैम हुआ

**बेंगलुरु।** कर्नाटक में पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा सरकार के दौरान कोविड स्कैम होने की बात सामने आने के बाद से राजनीति गरमाई हुई है। विजयपुर से बीजेपी विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने कर्नाटक में बीजेपी की सरकार के दौरान 40 हजार करोड़ रुपए के कोविड स्कैम होने का आरोप लगाया है।

**भाजपा विधायक का दावा, सिद्धारमैया बोले- दोषियों को सजा दिलाने के लिए दस्तावेज पेश करें**

बसनगौड़ा के इस दावे पर कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि यदि विधायक पाटिल की मंशा दोषियों को सजा दिलाने की है तो उन्हें स्कैम से जुड़े दस्तावेज जांच आयोग (जस्टिस जॉन माइकल कुन्हा कमेटी) के सामने पेश करना चाहिए। वहीं, कर्नाटक की मौजूदा सरकार में मंत्री प्रियांक खड़गे ने भी बसनगौड़ा पाटिल यतनाल से घोटाले से जुड़े दस्तावेज सार्वजनिक करने को कहा है।

उन्होंने कर्नाटक के लोगों को ध्यान में रखते हुए और उनकी सुरक्षा के लिए दस्तावेजों को सार्वजनिक किया जाए। इस बीच, प्रदेश भाजपा महासचिव पी राजीव ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र के नेतृत्व में हुई भाजपा पदाधिकारियों की बैठक में इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा हुई है। कर्नाटक बीजेपी ने कहा कि पार्टी की गरिमा को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

# राजस्थान में आज होगा मंत्रिमंडल का विस्तार

**राज्यपाल कलराज मिश्र नए मंत्रियों को दिलाएंगे शपथ**

**जयपुर।** राजस्थान में शनिवार को मंत्रिमंडल का विस्तार होगा। दोपहर 3.15 बजे राज्यपाल कलराज मिश्र नए मंत्रियों को शपथ दिलाएंगे। नामों पर सहमति बनाने को लेकर बुधवार देर रात तक मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़ और प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर के बीच लंबी बैठक हुई थी। बताया जा रहा है कि इस बैठक में लगभग सभी नाम फाइनल कर लिए गए हैं। पूर्वी राजस्थान के सबसे कद्दावर नेताओं में शामिल डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के मंत्रिमंडल में शामिल होने की प्रबल संभावना है। वहीं, हिंदूवादी चेहरा और तिजारा से विधायक बाबा बालकनाथ भी भजनलाल मंत्रिमंडल का हिस्सा हो सकते हैं। महिला चेहरों में अनिता भदेल, दीप्ति माहेश्वरी और पहली बार विधायक बनीं नौक्षम चौधरी पर नजरें हैं। दलित वर्ग से जितेंद्र गोठवाल और वरिष्ठ विधायक मदन दिलावर को भी मंत्री बनाया जा सकता है।

## कनाडा में भारतीय मूल के व्यक्ति के घर हमला

**टोरंटो।** कनाडा के सर्रे में लक्ष्मी नारायण मंदिर के अध्यक्ष सतीश कुमार के बेटे के घर पर हमला हुआ है। हमलावरों ने 27 दिसंबर की सुबह करीब 8.03 बजे 14 राउंड फायरिंग की। कनाडा की पुलिस के मुताबिक, अटैक में कोई घायल नहीं हुआ है। हालांकि, घर में कई जगह गोलियों के निशान बने नजर आ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि ये हमला खालिस्तान समर्थकों ने किया है। फिलहाल कनाडा की रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# चीन में नौसेना प्रमुख बने नए रक्षा मंत्री

**बीजिंग।** चीन ने शुक्रवार को डांग जुन को नया रक्षा मंत्री बना दिया। उन्हें ली शांगफू की जगह दी गई है, जिन्हें दो महीने पहले बिना कारण बताए हटा दिया गया था। शांगफू अगस्त से ही गायब थे और उनके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पा रही थी।

**राष्ट्रपति जिनपिंग के खास मकसद को करेंगे पूरा**

चीन के नए रक्षा मंत्री की नियुक्ति ऐसे वक्त में हुई है, जब राष्ट्रपति जिनपिंग मिलिट्री को अपग्रेड करने में जुटे हैं। ऐसा करने के पीछे उनका मकसद चीन को दुनिया में सबसे ताकतवर देश बनाना है। जिनपिंग की इन कोशिशों ने पड़ोसी देशों को सतर्क कर दिया है।

62 साल के डांग हालिया दिनों में चीनी सेना के नेवी प्रमुख थे। इससे पहले वह पीएलए की सभी अहम डिवीजनों में सेवा दे चुके हैं। स्थानीय मीडिया के मुताबिक इस दौरान वह, उत्तरीय, दक्षिणी समुद्री फ्लीट में भी रह चुके हैं। इसके अलावा दक्षिणी कमांड थिएटर में भी रहे हैं। गौरतलब है कि चीन के रक्षा मंत्री की भूमिका मीडिया और अन्य सेनाओं के साथ अपने जुड़ाव में पीएलए का सार्वजनिक चेहरा होना है। हालांकि, अन्य देशों के विपरीत, रक्षा नीति या सैन्य प्रबंधन में मंत्रालय की बहुत अधिक भूमिका नहीं है।

## चीन ने अपने नागरिकों से म्यांमार के सीमावर्ती जिले को छोड़ने को कहा

**यांगून।** म्यांमार में चीन की सीमा से लगे उत्तरी शान प्रांत में जातीय अल्पसंख्यक सशस्त्र समूह जुंटा के खिलाफ संघर्ष के मद्देनजर चीनी दूतावास ने अपने नागरिकों से इस इलाके को छोड़ देने को कहा है। म्यांमार के उत्ती शान राज्य में गत अक्टूबर से संघर्ष जारी है, जब 'थ्री ब्रदरहुड एलायंस' जातीय अल्पसंख्यक समूहों ने तथाकथित रूप से सेना के खिलाफ हमला शुरू किया था। इस गठबंधन ने चीन के साथ व्यापार करने कई महत्वपूर्ण कस्बों व सीमावर्ती केंद्रों पर कब्जा किया है। विश्लेषकों का मानना है कि 2021 में म्यांमार की सत्ता पर कब्जा करने के बाद से यह जुंटा के लिए सबसे बड़ी सैन्य चुनौती है। एमएनडीएए, ब्रदरहुड गठबंधन के एक सदस्य ने चीन की सीमा से लगे जिले में स्थित लौक्काई पर फिर से कब्जा करने की कसम खाई है, जिसे एक सैन्य-गठबंधन मिलिशिया द्वारा चलाया जाता है।

## आज का इतिहास

- **1703:** जापान की राजधानी टोक्यो में आए भूकंप से 37,000 लोगों की मौत।
- **1706:** पुद्दुचेरी के संस्थापक और भारत में फ्रांसीसी उपनिवेश के पहले गवर्नर जनरल मार्टिन का निधन।
- **1803:** ब्रिटेन की ईस्ट इंडिया कंपनी ने दिल्ली, आगरा और भरूच पर नियंत्रण किया।
- **1861:** अमेरिकी बैंक ने सोने पर भुगतान रोक दिया।
- **1865:** सुप्रसिद्ध अंग्रेजी उपन्यासकार, कवि और पत्रकार रुडयार्ड किपलिंग का बंबई में जन्म।
- **1870:** स्पेन के प्रधानमंत्री की हत्या।
- **1873:** न्यूयार्क में माप तौल के लिए मेट्रोलॉजिकल सोसायटी का गठन।
- **1906:** ढाका में अभा मुस्लिम लीग की स्थापना।
- **1919:** लंदन में वकालत के लिए प्रथम महिला विद्यार्थी का प्रवेश।
- **1922:** सोवियत संघ (यूएसएसआर) की स्थापना।

**संकल्प यात्रा** केंद्रीय मंत्री बोले, मोदी जी के नेतृत्व में 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने कृतसंकल्पित

# बांटो, राज करो कांग्रेस के डीएनए में : अनुराग ठाकुर

**शिमला।** केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर के हिमाचल प्रवास का शुक्रवार को दूसरा दिन था। शुक्रवार यानी 29 दिसंबर को अनुराग ठाकुर दिनभर झंडूता विधानसभा में थे जहां सर्वप्रथम अनुराग ठाकुर बैहना ब्राह्मणा और बालघाड़ में विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रमों में शामिल हुए और उसके पश्चात झंडूता स्थित भाजपा कार्यालय में सेक्टर प्रभारीयों के साथ बैठक की। विकसित भारत संकल्प यात्रा के अन्तर्गत अनुराग ठाकुर ने केंद्र सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों को संबोधित किया व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत निर्माण के संकल्प को दोहराया। इस दौरान मीडिया से चर्चा करते हुए अनुराग ठाकुर कहा कि यह पहली बार है जब किसी पीएम ने देश के अंतिम जन के घर के द्वार तक केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को ले जाने का कार्य किया है। अभी तक विभिन्न राज्यों में लाखों लोगों को इस यात्रा के माध्यम से सरकारी योजनाओं का लाभ मिल चुका है। इससे लगातार जागरूकता बढ़ रही है और लोगों को लाभ मिल रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस यात्रा से देश के कोने-कोने में लोगों को सरकारी योजनाओं से अवगत कराया जा रहा है। जो लोग वंचित रह गए थे वे सभी अपने फॉर्म भर रहे हैं जिससे उन्हें अनेक योजनाओं का लाभ मिल रहा है।आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य देश समक्ष रखा है, जिसमें हर भारतवासी पूरे मनोयोग से अपना योगदान सुनिश्चित कर रहा है। हम 2047 से पहले भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाएंगे।

### इंडी गठबंधन के अधिकांश नेता बेल पर या जेल में

अनुराग ठाकुर ने आगे इंडी गठबंधन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यह लोग आपस में ही न्याय नहीं कर पा रहे हैं। सीटों के ऊपर तालमेल नहीं बैठ पा रहा है। उनके अधिकतर नेता गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप में या तो बेल पर है या तो जेल में हैं। ये क्या न्याय दिलाएंगे? मोदी जी की गारंटियाँ हमेशा सफल होती हैं। देश के कोने-कोने में जाने वाली यह गाड़ियां लोगों को यह विश्वास दिला रही हैं कि मोदी जी ने 9 वर्षों में भ्रष्टाचार मुक्त शासन दिया है। 5 वर्षों में देश के 13.5 करोड़ से ज्यादा गरीबों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला है। जरूरतमंदों को 4 करोड़ पक्के मकान, 13 करोड़ शौचालय व 14 करोड़ घरों को नल से जल उपलब्ध कराया।

# अब गणतंत्र दिवस परेड में नहीं दिखेगी पश्चिम बंगाल की झांकी

**कोलकाता।** पंजाब और दिल्ली के बाद केंद्र सरकार ने 26 जनवरी 2024 को नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड के लिए पंश्चिम बंगाल सरकार की ओर से प्रस्तावित झांकी को खारिज कर दिया है। इस बार पश्चिम बंगाल सरकार ने प्रस्तावित झांकी का विषय 'कन्याश्री प्रकल्प' परियोजना था, जो लड़कियों को स्कूल छोड़ने से रोकने के लिए एक वित्तीय सहायता योजना है और उन्हें हाई स्टडी के लिए प्रोत्साहित करती है, जो सीएम ममता बनर्जी की एक पसंदीदा परियोजना है।

**केंद्र सरकार का बड़ा फैसला, पंजाब-दिल्ली के बाद अब गणतंत्र दिवस परेड में नहीं दिखेगी पश्चिम बंगाल की झांकी**

सत्तारूढ़ दल के नेताओं का मानना है कि प्रस्तावित झांकी को केंद्र सरकार ने जानबूझकर खारिज कर दिया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि राज्य सरकार की इस 'अनूठी बालिका-बाल विकास परियोजना' की सफलता की कहानियों को व्यापक प्रचार न मिले। राज्य की महिला एवं बाल विकास और समाज कल्याण मंत्री शशि पांजा ने कहा कि यदि इस झांकी को अस्वीकार नहीं किया गया होता, तो महिला-विकास में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प.बंगाल सरकार का वैज्ञानिक विजन सुर्खियों में आ गया होता और उस प्रक्रिया में उसी क्षेत्र में केंद्र सरकार की विफलताएं सामने आ गई होतीं।

### दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में मिली हार के बाद भारतीय टीम में बदलाव

# शमी की जगह आवेश टीम इंडिया में शामिल

**नई दिल्ली,(एजेंसी)।** दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में मिली शर्मनाक हार के बाद भारतीय टीम ने अनफिट मोहम्मद शमी की जगह तेज गेंदबाज आवेश खान को अपने स्क्वॉड में शामिल किया है। आवेश को मोहम्मद शमी के विकल्प के तौर पर शामिल किया गया है। शमी को बीसीसीआई की मेडिकल टीम से दोनों टेस्ट के लिये मंजूरी नहीं मिल सकी थी। शमी एड़ी की चोट के कारण टीम से बाहर हुए थे।

आवेश पहले से ही दक्षिण अफ्रीका में हैं और उन्होंने इसी महीने भारत के लिए तीन एकदिवसीय मैच खेले थे। वह अभी बेनोनी में दूसरा चार दिवसीय मैच खेल रहे हैं जहां उन्होंने तीसरे दिन पांच विकेट लिए। आवेश ने इस मैच से पहले तक 38 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं जहां उन्होंने 22.65 की औसत से 149 विकेट लिए। उन्होंने सात बार पांच विकेट लिए हैं। वह पिछले रणजी सत्र में मध्य प्रदेश के लिए सबसे अधिक आठ मैचों में 38 विकेट लेने वाले गेंदबाज भी थे। पहले मैच में हार के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने गेंदबाजों के खराब प्रदर्शन पर नाराजगी जाहिर की थी। भारत जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और शार्दुल ठाकुर के साथ उतरा था जबकि स्पिन का जिम्मा आर अश्विन ने संभाला। रोहित ने मैच के बाद कहा था। यह 400 रन वाला विकेट नहीं था और हमने काफी रन दिए। ऐसा होता है।

### जडेजा ने शुरू किया अभ्यास, दूसरे टेस्ट में खेलने की उम्मीद

दूसरे टेस्ट से पहले भारतीय टीम के लिए अच्छी खबर है कि हरफनमौला रविंद्र जडेजा ने अभ्यास शुरू कर दिया हैं। वह तीन जनवरी से केपटाउन में शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट में खेल सकते हैं। पहले टेस्ट की सुबह पीठ में दर्द के कारण जडेजा नहीं खेल सके थे। पहले टेस्ट के तीसरे दिन उन्होंने वार्म अप में भाग लिया और बिल्कुल सहज नजर आए। तीसरे दिन लंच ब्रेक के दौरान उन्होंने गेंदबाजी की। रिजर्व तेज गेंदबाज मुकेश कुमार के साथ उन्होंने करीब 20 मिनट अभ्यास पिच पर गेंदबाजी की। टीम के स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच रजनीकांत उनके साथ थे। वह गेंदबाजी करते हुए भी बिल्कुल सहज लगे। गेंदबाजी में भले ही जडेजा उतने खतरनाक नहीं हों लेकिन छठे और सातवें नंबर पर उनकी बल्लेबाजी उपयोगी साबित हो सकती है ।

### दूसरे टेस्ट से प्रसिद्ध व शार्दुल का बाहर होना तय

भारतीय गेंदबाजों ने जिस तरह का प्रदर्शन सेंचरियन में साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में किया, उससे टीम की पोल खुल गई है। खासकर प्रसिद्ध कृष्णा और शार्दुल ठाकुर की गेंदबाजी खराब रही। दोनों गेंदबाजों का दूसरे टेस्ट मैच से बाहर होना तय है। कृष्णा और साउथ अफ्रीका के नांद्रे बर्गर ने डेब्यू किया था, लेकिन दोनों के प्रदर्शन में जमीन-आसमान का अंतर था। भारतीय गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने कुछ सप्ताह पहले साफ कहा था कि कोई भी कोच मोहम्मद शमी जैसी काबिलियत रखने वाला तेज गेंदबाज तैयार करने का श्रेय नहीं ले सकता। इस मैच में प्रसिद्ध कृष्णा ने डेब्यू किया था, लेकिन वह काफी बेअसर साबित हुए। प्रसिद्ध कृष्णा ने 20 ओवर में 93 रन लुटाए और महज एक विकेट निकाला। म्हाम्ब्रे ने यह बात पीटीआई को दिए एक इंटरव्यू में कही थी। वहीं, जब दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज जब भारतीय गेंदबाज शार्दुल ठाकुर और पदार्पण करने वाले प्रसिद्ध कृष्णा की गेंदों को धुन रहे थे तो शमी की बहुत कमी महसूस हुई थी। प्रसिद्ध कृष्णा के डेब्यू पर खराब प्रदर्शन से भारतीय खेल प्रेमियों को भी पता चल गया कि लाल गेंद के गेंदबाजों की दूसरी खेप अभी तक पूरी तरह तैयार नहीं है।

### विदाई टेस्ट में एल्गर होंगे अफ्रीका के कप्तान

भारत के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज के बाद क्रिकेट को अलविदा कहने जा रहे डीन एल्गर केपटाउन में होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए चोटिल तेम्बा बावुमा की जगह दक्षिण अफ्रीका के कप्तान होंगे। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने बृहस्पतिवार को पहले टेस्ट के बाद कहा कि बावुमा दूसरा टेस्ट नहीं खेल सकेंगे। बावुमा को पहले दिन फील्डिंग के दौरान चोट लगी थी और वह मैच में आगे नहीं खेल सके थे। उनकी गैर मौजूदगी में एल्गर ने ही कप्तानी की। दक्षिण अफ्रीका ने पहला टेस्ट एक पारी और 32 रन से जीता । शतक जमाने वाले एल्गर को प्लेयर आफ द मैच भी चुना गया। बावुमा की जगह जुबैर हमजा तीन जनवरी से केपटाउन में होने वाला दूसरा टेस्ट खेलेंगे।

### डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में भारतीय टीम छठवें पायदान पर खिसकी

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में हार के बाद भारतीय टीम को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की अंक तालिका में भारी नुकसान हुआ है। टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले टीम इंडिया शीर्ष पर थी। लेकिन दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद टीम इंडिया पांचवें स्थान पर लुढ़क गई थी। वहीं, आईसीसी ने भी स्लो ओवर रेट के लिए भारत के दो अंक काट लिए। इससे भारत 14 अंक और 38.89 प्रतिशत के साथ छठे स्थान पर लुढ़क गई। वहीं, ऑस्ट्रेलिया से हार का बावजूद पाकिस्तान टीम छठे स्थान पर बनी हुई है। दक्षिण अफ्रीकी टीम शीर्ष पर पहुंच गई है।

### सेंचुरियन में धीमी ओवर गति के कारण भारत पर लगा जुर्माना

भारतीय क्रिकेट टीम को सेंचुरियन टेस्ट में धीमी ओवर गति के कारण 10 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना लगाया है और उसे दो वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियन(डब्ल्यूटीसी) अंक गंवाने पड़े हैं। आईसीसी ने कहा कि आईसीसी एलीट पैनल के मैच रैफरी क्रिस ब्रॉड ने भारतीय टीम को यह सजा सुनाई। भारतीय टीम निर्धारित समय में लक्ष्य से दो ओवर पीछे थी। इस जुर्माने और अंक गंवाने के कारण भारतीय टीम तालिका में पांचवें से छठे स्थान पर पहुंच गई है। भारतीय टीम तय समय से दो ओवर पीछे थी। खिलाड़ी पर उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और प्रति ओवर एक अंक भी गंवाया।

### माइकल वॉन बोले- भारत दुनिया में सबसे कम उपलब्धि वाली टीम

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भारत को क्रिकेट की दुनिया में सबसे कम उपलब्धि हासिल करने वाली टीम करार दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि तमाम प्रतिभा और संसाधनों के बावजूद वे कुछ भी नहीं जीत पाते हैं। आखिरी बार उन्होंने कब कुछ जीता था? उनके पास मौजूद सारी प्रतिभा, सारे कौशल के साथ हैं। उन्होंने कहा, उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में दो बार जीत हासिल कीहै। (2018/19 और 2020/21 में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज जीत)। शानदार, लेकिन पिछले कुछ विश्व कप में वह कहीं नहीं थे।

# ऑस्ट्रेलिया ने पाक को दूसरे टेस्ट में 79 रनों से रौंदा, कमिंस ने फिर मारा पंजा

### तीन मैचों की सीरीज में बनाई 2-0 की अजेय बढ़त

**मेलबर्न, (एजेंसी)।** पैट कमिंस के दोनों पारियों में 10 विकेट की घातक गेंदबाजी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टेस्ट की दूसरी पारी में चौथे दिन पाकिस्तान को 79 रनों से हराकर सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है।

मेलबर्न में खेले गए इस टेस्ट मैच के चौथे दिन कंगारुओं ने मेहमानों के सामने जीत के लिए 317 रनों का लक्ष्य रखा था, इस स्कोर का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम 237 रनों पर ही सिमट गई। पैट कमिंस ने दूसरी पारी में भी पंजा खोला। ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे दिन की शुरुआत 6 विकेट के नुकसान पर 187 रनों से की थी। ऐलक्स कैरी ने पुछल्ले बल्लेबाजों के साथ मिलकर दूसरी इनिंग का स्कोर 262 तक पहुंचाया। उनकी इस पारी के दम पर ही ऑस्ट्रेलिया पाकिस्तान के सामने 317 का लक्ष्य रखने में कामयाब रही। पाकिस्तान के बल्लेबाजों ने दूसरी पारी में भी निराश किया। कप्तान शान मसूद और आगा सलमान को छोड़ दें तो कोई बल्लेबाज 50 का आंकड़ा नहीं छू पाया। मुकाबले की करें तो पहले बैटिंग करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहली पारी में 318 रन बोर्ड पर लगाए थे। इस स्कोर के सामने पाकिस्तान की टीम 264 रनों पर ढेर हो गई थी जिस वजह से मेजबानों को 54 रनों की बढ़त मिली थी।

### स्कोर बोर्ड

**ऑस्ट्रेलिया पहली पारी: 318/10**
**पाकिस्तान पहली पारी: 264/10**

| ऑस्ट्रेलिया दूसरी पारी (187/6 से आगे) | रन | गेंद | 4/6 |
|---|---|---|---|
| एलेक्स कैरी पगबाधा हमजा | 53 | 101 | 8/0 |
| मिचेल स्टार्क कै. आजम बो. शाहीन | 09 | 21 | 1/0 |
| पैट कमिंस कै. रिजवान बो. जमाल | 16 | 30 | 0/0 |
| नेथन लियोन बो. जमाल | 11 | 13 | 2/0 |
| जॉश हेजलवुड नाबाद | 01 | 07 | 0/0 |

**अतिरिक्त:** 16, **कुल:** 84.1 ओवर में 262 रन पर ऑलआउट, **विकेट पतन:** 1-0, 2-6, 3-16, 4-16, 5-169, 6-187, 7-209, 8-237, 9-249, 10-262, **गेंदबाजी:** शाहीन शाह अफरीदी 27-4-76-4, मीर हमजा 18.1-6-32-4, हसन अली 17-2-53-0, आमेर जमाल 16-2-74-2, आगा सलमान 6-1-16-0,

| पाकिस्तान दूसरी पारी | रन | गेंद | 4/6 |
|---|---|---|---|
| शफीक कै. ख्वाजा बो. स्टार्क | 04 | 13 | 0/0 |
| इमाम उल हक पगबाधा कमिंस | 12 | 38 | 0/0 |
| शान मसूद कै. स्मिथ बो. कमिंस | 60 | 71 | 7/0 |
| बाबर आजम बो. हेजलवुड | 41 | 79 | 4/0 |
| सऊद शकील कै. कैरी बो. स्टार्क | 24 | 55 | 1/0 |
| मोहम्मद रिजवान कै. कैरी बो. कमिंस | 35 | 62 | 3/1 |
| आगा सलमान कै. मार्श बो. स्टार्क | 50 | 70 | 6/0 |
| आमेर जमाल कै. एवं बो. कमिंस | 00 | 8 | 0/0 |
| शाहीन शाह कै. मार्नस बो. कमिंस | 00 | 06 | 0/0 |
| हसन अली नाबाद | 00 | 02 | 0/0 |
| मीर हमजा कै. स्मिथ बो. स्टार्क | 00 | 01 | 0/0 |

**अतिरिक्त:** 11, **कुल:** 67.2 ओवर में 237 रन पर ऑलआउट, **विकेट पतन:** 1-8, 2-49, 3-110, 4-146, 5-162, 6-219, 7-219, 8-237, 9-237, 10-237, **गेंदबाजी:** मिचेल स्टार्क 13.2-1-55-4, जॉश हेजलवुड 15-7-34-1, नेथन लियोन 19-1-84-0, पैट कमिंस 18-2-49-5, मिचेल मार्श 2-0-8-0,

### ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस की ईनामी राशि में 13 प्रतिशत की बढ़ोतरी

**मेलबर्न,(एजेंसी)।** ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस अधिकारियों ने 14 जनवरी से मेलबर्न पार्क में शुरू हो रहे वर्ष के पहले ग्रैंडस्लैम की ईनामी राशि में एक करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का इजाफा करने की घोषणा की है। टूर्नामेंट के निदेशक क्रेग टिले ने कहा कि अब इस ग्रैंडस्लैम की ईनामी राशि आठ करोड़ 65 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर होगी। उन्होंने कहा, हमने आस्ट्रेलियाई ओपन में हर दौर के लिये ईनामी राशि बढाई है। ज्यादा इजाफा क्वालीफाइंग और शुरूआती दौर के मुकाबलों के लिए किया गया है। पहले दौर के क्वॉलीफायर को 31250 आस्ट्रेलियाई डॉलर मिलेंगे जो पहले से 20 प्रतिशत अधिक है। महिला और पुरूष चैम्पियन दोनों को 30 लाख 15 हजार आस्ट्रेलियाई डॉलर बतौर पुरस्कार मिलेंगे। पिछली बार एरिना सबालेंका ने महिला वर्ग में और नोवाक जोकोविच ने पुरूष वर्ग में खिताब जीता था।

### यूनाइटेड कप में हिस्सा लेने के लिए पर्थ पहुंचे नोवाक जोकोविच

**पर्थ,(एजेंसी)।** 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच यूनाइटेड कप से पहले पर्थ पहुंच गए हैं, जहां वह मिश्रित टीम स्पर्धा में सर्बिया का नेतृत्व करेंगे। वर्ल्ड नंबर वन जोकोविच पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में उतरे और उन्होंने कोच गोरान इवानिसेविच और अपने सर्बियाई टीम के साथियों के साथ आरएसी एरिना के अंदर जाकर, अपनी रेंज खोजने और हिटिंग करने में बहुत कम समय बर्बाद किया, जैसा कि टूर्नामेंट ने अपनी वेबसाइट पर साझा किया है। जोकोविच यूनाइटेड कप में पदार्पण कर रहे हैं और ग्रुप ई में चीन और चेक गणराज्य के खिलाफ सर्बिया का नेतृत्व करेंगे। पर्थ में रविवार शाम को अपने शुरुआती मैच में जोकोविच का सामना चीन के झांग झिझेन से होना है। 36 वर्षीय सर्ब खिलाड़ी का ऑस्ट्रेलिया में असाधारण रिकॉर्ड है, उन्होंने रिकॉर्ड 10 बार ऑस्ट्रेलियन ओपन जीता है। उन्होंने एडिलेड में भी दो बार (2007, 2023) जीत हासिल की है और 2023 सीजन के बाद ऑस्ट्रेलिया पहुंचे हैं ।

### एशियाई कप टीम पर भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमक बोले...

# खिलाड़ियों की दृढ़ता से होगा अंतिम टीम का चयन

**नई दिल्ली,(एजेंसी)।** अगले महीने दोहा में एएफसी फुटबॉल एशियाई कप में ऑस्ट्रेलिया और उजबेकिस्तान जैसी कठिन टीमों का सामना करने जा रही भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने कहा कि अंतिम टीम का चयन करते हुए खिलाड़ियों की दृढता मानदंड होगी।

भारत को 13 जनवरी से होने वाले एशियाई कप में आस्ट्रेलिया, उजबेकिस्तान और सीरिया के साथ एक ग्रुप में रखा गया है। ये सभी टीमें फीफा रैंकिंग में भारत से ऊपर है। स्टिमक ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के सोशल मीडिया हैंडिल पर कहा, संभावित सूची में शामिल सभी खिलाड़ी समान हैं। हमें अंतिम 26 की टीम में अनुभव, शारीरिक दम खम और मानसिक दृढता चाहिए। उन्होंने कहा, यह काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि अगर दृढता नहीं है तो कुछ भी हासिल नहीं किया जा सकता। अंतिम 26 की घोषणा शनिवार को टीम की रवानगी से पहले होगी। भारत को 13 जनवरी को आस्ट्रेलिया से, 18 जनवरी को उजबेकिस्तान, 23 जनवरी को सीरिया से खेलना है। कोच ने कहा, सभी टीमें तकनीकी रूप से अच्छी और फिट हैं। उनके पास रफ्तार भी है। लिहाजा हमारी रणनीति तीनों मैचों के लिये समान होगी। करिश्माई कप्तान सुनील छेत्री के बारे में उन्होंने कहा, छेत्री अविश्वसनीय खिलाड़ी हैं। युवा खिलाड़ियों के लिए उनके जैसा प्रेरक कप्तान होना बहुत महत्वपूर्ण है। उम्मीद है कि टीम सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से देश को गौरवान्वित करेगी।

### डब्ल्यूएफआई का कार्यालय बृजभूषण के आवास से हटाया गया

**नई दिल्ली,(एजेंसी)।** भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने अपना कार्यालय अपने पूर्व अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के आवास से हटा लिया है जिस पर हाल में खेल मंत्रालय ने गंभीर आपत्ति जतायी थी। एक सूत्र ने कहा, बृजभूषण के घर को खाली करने के बाद डब्ल्यूएफआई नई दिल्ली में एक नए पते से काम करेगा। डब्ल्यूएफआई का नया कार्यालय नई दिल्ली के हरिनगर में है। खेल मंत्रालय ने 24 दिसंबर को अध्यक्ष संजय सिंह के नेतृत्व में डब्ल्यूएफआई के नवनिर्वाचित पैनल को चुने जाने के तीन दिन बाद ही निलंबित कर दिया था। मंत्रालय ने डब्ल्यूएफआई के बृजभूषण के आवास से चल रहे कार्यालय को भी निलंबन की कार्रवाई का एक कारण बताया था। मंत्रालय ने अपने पत्र में कहा था, महासंघ का कामकाज पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण द्वारा नियंत्रित आवास से हो रहा है और यह कथित परिसर है जिसमें खिलाड़ियों के यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया गया है और वर्तमान में अदालत में यह मामला चल रहा है। मंत्रालय ने यह भी कहा था कि नयी संस्था भी डब्ल्यूएफआई के पूर्व पदाधिकारियों के पूर्ण नियत्रंण में काम कर रही है जो राष्ट्रीय खेल संहिता के अनुरूप नहीं है। ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक तथा विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता विनेश फोगाट सहित कई शीर्ष पहलवानों ने बृजभूषण के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं और यह मामला दिल्ली उच्च न्यायालय में चल रहा है।

### महिला क्रिकेट: टीम इंडिया - ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरा वनडे आज

# भारत के सामने सीरीज बचाने की कठिन चुनौती

**मुंबई,(एजेंसी)।** पहले मैच में हार के बाद हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शनिवार को दूसरे वनडे मैच में उतरेगी तो उसके सामने सीरीज बचाने की बड़ी चुनौती होगी। यह मैच वानखेड़े स्टेडियम, मुंबई में भारतीय समयानुसार दोपहर 1.30 बजे से शुरू होगा।

पहले मैच में भारत के लिए जेमिमा रौड्रिग्स (82) और पूजा वस्त्राकर (नाबाद 62) ने शानदार खेला दिखया था। लेकिन गेंदबाजी में भारत ने सात गेंदबाजों को आजमाया लेकिन कोई फायदा नहीं मिला। इस तरह का प्रदर्शन ड्रेसिंग रूम में जरूर चिंता का सबब बना होगा। रेणुका सिंह के पहले ओवर में स्नेह राणा ने अपने बायीं ओर डाइव लगाकर एलिसा हीली का कैच लपका । लेकिन इसके बाद से भारत का क्षेत्ररक्षण खराब हो गया और मेजबान खिलाड़ियों की कई गलतियों की वजह से ऑस्ट्रेलिया के लिए फोबे लिचफील्ड और एलिसे पेरी ने दूसरे विकेट के लिये 148 रन जोड़ डाले। पिछले 23 दिन में सभी प्रारूपों को मिलाकर भारत का यह सातवां मैच है। भारतीय टीम 35 दिन के भीतर 11 मैच खेल रही है। यह भी देखना होगा कि तबीयत खराब होने के कारण पहले मैच से बाहर रही उपकप्तान स्मृति मंधाना दूसरा मैच खेल पाती हैं या नहीं।

**पिच रिपोर्ट:** वानखेड़े स्टेडियम की सतह बल्लेबाजी के अनुकूल मानी जाती है। इसलिए, यह काफी हद तक बल्लेबाजों द्वारा पसंद की जाती है। बाउंड्री छोटी होने के कारण, ऐसी पिच पर एक हाई स्कोर की उम्मीद की जा सकती है और पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम बोर्ड पर एक बड़ा स्कोर लगाने की कोशिश करेंगी।

### दोनों टीमें इस प्रकार हैं...

**भारत:** हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), जेमिमा रोड्रिग्स, शैफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, श्रेयंका पाटिल, मन्नत कश्यप, सैका इशाक, रेणुका सिंह ठाकुर , टिटास साधु, पूजा वस्त्राकर, स्नेह राणा, हरलीन देओल।

**ऑस्ट्रेलिया:** डार्सी ब्राउन, हीथर ग्राहम, एशले गार्डनर, किम गार्थ, एलिसा हीली (कप्तान और विकेटकीपर), जेस जोनासेन, अलाना किंग, फोएबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्राथ, बेथ मूनी (विकेटकीपर), एलिसे पेरी, मेगन शुट्ट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वेयरहैम।

### बारिश के कारण बांग्लादेश -न्यूजीलैंड टी-20 मैच रद्द

**नई दिल्ली, (एजेंसी)।** बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के बीच शुक्रवार को यहां खेले जा रहे दूसरे टी-20 मुकाबले को बारिश के कारण रद्द कर दिया है। टॉस जीतने के बाद बंगलादेश ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड 11 ओवर में दो विकेट पर 72 रन बनाए थे तभी तेज बारिश होने लगी और मैच रोक दिया गया। बांग्लादेश सीरीज में 1-0 से आगे है। तीसरा टी-20 मुकाबला 31 दिसंबर को खेला जाएगा।

### पीकेएल : पटना पाइरेट्स ने हरियाणा स्टीलर्स को हराया

**नोएडा,(एजेंसी)।** तीन बार की चैंपियन पटना पाइरेट्स ने शुक्रवार को प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 10वें सीजन में हरियाणा स्टीलर्स को 46-33 से शिकस्त दी। पटना पाइरेट्स के लिए मंजीत ने 13 अंक जुटाए जबकि कृष्ण धुल ने पांच अंक हासिल किए। पहले हाफ में पटना की टीम 18-15 से तीन अंक की बढ़त बनाए थी। इसके बाद पटना पाइरेट्स का दबदबा कायम रहा और उसने 16 अंक की बढ़त बनाने के बाद जीत हासिल की।

### पेनल्टी कॉर्नर की समस्या दूर करने के लिए रूपिंदर के साथ काम कर रही भारतीय महिला हॉकी टीम

**बेंगलुरु,(एजेंसी)।** पेनल्टी कॉर्नर को गोल में नहीं बदलने की पुरानी समस्या को दूर करने के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम रांची में अगले महीने होने वाले एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर से पहले यहां चल रहे पांच दिवसीय शिविर के दौरान महान ड्रैग फ्लिकर रूपिंदर पाल सिंह के साथ कौशल निखारने में लगी हुई है। हाल में रांची में जापान को हराकर एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी जीतने के बावजूद भारत ने कई पेनल्टी कॉर्नर के मौके गंवाए थे और कोच यानेके शॉपमैन ने इस विभाग में तुरंत सुधार की जरूरत पर जोर दिया था। शीर्ष महिला ड्रैग फ्लिकर गुरजीत कौर ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) बेंगलुरु में शुरू हुए शिविर को महत्वपूर्ण क्वालीफायर से पहले सीखने के लिए परफेक्ट करार दिया। ओलंपिक क्वालीफायर अगले साल 13 से 19 जनवरी के बीच खेला जाएगा। गुरजीत ने कहा, हम प्रत्येक दिन नई चीजें सीख रहे हैं और सुधार करने वाले कुछ विशेष पहलुओं पर ध्यान लगाकर अपने खेल में और सुधार करने की कोशिश कर रहे हैं। रूपिंदर ने हमारे मार्गदर्शन में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, हम आगामी टूर्नामेंट की तैयारी में जुटे हैं।

### सौम्या तिवारी की कप्तानी पारी से मध्य प्रदेश फाइनल में

**भोपाल,(खेसं)।** मध्य प्रदेश की क्रिकेट टीम ने उत्तराखण्ड को 47 रन से हराकर बीसीसीआई द्वारा आयोजित महिला अंडर-23 टी-20 ट्रॉफी के फाइनल में प्रवेश किया। खिताबी मुकाबले में मध्य प्रदेश का सामना 31 दिसंबर को दिल्ली से होगा। डेलीकालेज ग्राउंड इन्दौर में खेले गए उत्तराखण्ड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में मध्य प्रदेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट पर 87 रन बनाए। मप्र की ओर से अनुष्का शर्मा 21 रन, कनिष्क ठाकुर 8 और कप्तान सौम्या तिवारी ने नाबाद 21 रन का योगदान दिया। उत्तराखण्ड की ओर से पूजा राज ने सर्वाधिक 4 विकेट लिए। 87 रन के छोटे से स्कोर को चेस करने उतरी उत्तराखण्ड की पूरी टीम 40 रन पर ढेर हो गई। उत्तराखण्ड की तरफ से सिर्फ साक्षी ने ही 11 रन बनाए। इसके अलावा कोई भी बल्लेबाज दहाई का आकड़ा नही छू पाया।

### डीसीसीबीआई टेस्ट कप में नेपाल की दिव्यांग टीम 122 रन पर ऑलआउट

**भोपाल,(खेसं)।** दिव्यांग क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ऑफ इंडिया द्वारा आगरा की सरजमीं पर भारत और नेपाल के बीच आयोजित विश्व के पहले ऐतिहासिक दिव्यांग अंतर्राष्ट्रीय टेस्ट मैच डीसीसीबीआई टेस्ट कप में नेपाल के कप्तान सुखलाल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। नेपाल ने पहले बैटिंग करते हुए सभी 10 विकेट खोकर 122 रन बनाए। नेपाल की ओर से रमजान अली ने सर्वाधिक 62 रन, रोशन नेपाली ने 19 रन, मनोज व गोविंद ने 7 -7 रन, अनुरेष ने 5 रन, छबिलाल, मोहन व केके राम ने 3-3 रन, दीपक ने 2 रन बनाए। भारत की ओर से कैलाश प्रसाद ने 6 विकेट, अभिनंदन ने 3 विकेट व सुमन ने 1 विकेट चटकाए। भारत की ओर से सूरज मनकेले 2 रन, सैयद शाह अजीज एक रन पर खेल रहे हैं। नेपाल से रमजान अली ने धर्मेंद्र कुमार को बिना खाता खोले ही आउट किया। आज सुबह 11 बजे से भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम अपनी पारी खेलेगी। इससे पहले इस ऐतिहासिक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय टेस्ट मैच का शुभारंभ दिव्यांग प्रकोष्ठ अध्यक्ष उत्तम ओझा, डीसीसीबीआई के महासचिव हारून रशीद तथा सीओ गजल खान के द्वारा रेलवे क्रिकेट स्टेडियम, आगरा कैंट पर किया गया।

### फेथ क्रिकेट क्लब को 10 रन से हराकर फाइनल में पहुंचा आरसीसी

**भोपाल,(खेसं)।** स्पोर्ट्स क्लब ऑफ भोपाल द्वारा आयोजित मशरूम वर्ल्ड मास्टर्स एवं सीनियर्स कप क्रिकेट प्रतियोगिता में आरसीसी ने फेथ क्रिकेट क्लब को 10 रन से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फेथ क्रिकेट क्लब के खिलाफ दूसरे सेमीफाइनल(इंटर क्लब) में आरसीसी की टीम टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 18.1 ओवर में 123 रन पर ऑलआउट हो गई। जिसमें जामरान जावेद ने 26 रन का योगदान दिया। फेथ क्रिकेट क्लब की तरफ से रिटज ने 4 विकेट लिए। जवाबी पारी खेलने उतरी फेथ क्रिकेट क्लब की पूरी टीम 18.5 ओवर मे 113 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। आरसीसी ने यह मैच 10 रन से जीतकर फाइनल मे प्रवेश कर लिया, जहां उसका मुकाबला एमसीसीए से होगा। संकेत दुबे को मेन ऑफ द मैच चुना गया।

### बीएचईएल अंतर इकाई टेटे प्रतियोगिता का समापन

**भोपाल,(खेसं)।** बीएचईएल द्वारा अंतर इकाई टेबिल टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन 28 से 29 दिसंबर,तक बीएचईएल, खेल परिसर में किया गया। जिसमें पुरूष चैम्पियनशिप टेबिल टेनिस प्रतियोगिता में दिल्ली यूनिट विजेता और बेंगलुरू उप विजेता रहे जबकि महिला चैम्पियनशिप प्रतियोगिता में बेंगलुरू विजेता एवं हरिद्वार उप विजेता रहे । कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप बीएचईएल के कार्यपालक निदेशक राजीव सिंह मौजूद थे। इस अवसर पर बीके सिंह, महाप्रबंधक , आरएफ सिद्दीकी, महाप्रबंधक, विभिन्न यूनियनों के प्रतिनिधिगण तथा वरिष्ठ अधिकारी सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद थे इस प्रतियोगिता में बीएचईएल की हरिद्वार, बेंगलुरू, दिल्ली, जगदीशपुर, झांसी, त्रिची, रानीपेट एवं भोपाल की टीमों ने भाग लिया।

## निर्देशन करना चाहती हैं रानी मुखर्जी

**मुंबई (वार्ता)।** अभिनेत्री रानी मुखर्जी अब निर्देशन करना चाहती है। रानी मुखर्जी को फिल्म इंडस्ट्री में आए ढाई दशक हो गए है। रानी मुखर्जी ने अपने सिने करियर मे कई कामयाब फिल्मों में अभिनय किया है। रानी मुखर्जी ने कहा, मुझे फिल्म निर्माण का हर पहलू पसंद है। यदि मुझे भविष्य में ऐसा निर्देशन का कोई मौका मिलता है, तो मै उसका हिस्सा बनना पसंद करूंगी। फिल्म इंडस्ट्री में इतने वर्षो से काम करते आ रहे किसी भी व्यक्ति के लिए जिंदगी में कभी कुछ भी असंभव जैसी चीजें नहीं हो सकती है। रानी ने कहा,फिलहाल मै अपना पूरा ध्यान आने वाली फिल्मों पर ही रखना चाहूंगी, जहां से 27 साल पहले मैंने शुरुआत की थी। मेरे लिए यह अरेंज मैरिज की तरह है, जहां एक बार बड़े पर्दे के साथ मेरी शादी हुई और अब मै पूरी तरह से उसके प्यार में हूं। मुझे कोई दूसरा प्यार नहीं चाहिए। सिनेमाघरों के लिए मै वफादार रहना चाहती हूं।

## जय संतोषी मां में दिखेंगी रानी चटर्जी

**मुंबई (वार्ता)।** भोजपुरी सिनेमा की अभिनेत्री रानी चटर्जी फिल्म जय संतोषी मां में काम करती नजर आएंगी। रेणु विजय फिल्म एंटरटेनमेंट और प्राइड ऑफ एशिया फिल्म्स के बैनर तले बन रही भोजपुरी फिल्म जय संतोषी मां की शूटिंग संपन्न हो गई है। इस फिल्म में रानी चटर्जी,जय यादव,मनोज टाइगर मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म के निर्माता निशांत उज्जवल,धर्मेंद्र के मेहरा और निर्देशक रवि सिन्हा है। फिल्म 'जय संतोषी मां' में मुख्य भूमिका रानी चटर्जी,जय यादव,मनोज टाइगर के साथ नीतिका जायसवाल,सुषमा मिश्रा, रंभा सहनी, मोहन कुमार,परितोष कुमार,रजनीश पाठक,सुजान सिंह,राकेश दुबे,प्रिया शर्मा,पूनम और प्रियांशु सिंह है। फिल्म के सह निर्माता डॉ संदीप उज्जवल,सुशांत उज्जवल है।गीत प्यारे लाल यादव ने लिखे है।संगीत निर्देशक रजनीश मिश्रा,भरत चौहान,नृत्य निर्देशक पप्पू खन्ना,डीओपी मनोज कुमार है।

## सास अठन्नी बहू रुपैया में काम करेंगे विक्रांत सिंह राजपूत

**मुंबई (वार्ता)।** भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता विक्रांत सिंह राजपूत फिल्म सास अठन्नी बहू रुपैया में काम करते नजर आएंगे। सास अठन्नी बहू रुपैया ,सास और बहू के रिश्ते पर आधारित है जिसके बीच एक बेटे और पति की भूमिका पर केंद्रित यह फिल्म होने वाली है। फिल्म की कहानी सुरेंद्र मिश्रा ने लिखी है। फिल्म महिला सशक्तिकरण को भी अपनी कहानी के जरिए प्रमोट करती नजर आएगी। फिल्म में एक से बढ़कर एक गाने भी होंगे और संवाद भी दर्शकों को गुदगुदाने वाले होंगे। फिल्म में ऋचा दीक्षित,अनिता रावत,नीलम,रजनीश झा,संतोष श्रीवास्तव, सिमरन श्रीवास्तव मुख्य भूमिका है।

### खगोल शास्त्री बता रहे हैं कितना रोचक है यह सफर

**क्वींसलैंड (ऑस्ट्रेलिया),(द कन्वरसेशन)।** सितारों के नीचे एक रात गुजारने से ज्यादा शांतिपूर्ण और आरामदायक चीजें दुनिया में कम ही हैं। छुट्टियों के दौरान, कई लोग कैम्पिंग के लिए शहर की चमकदार रोशनी से दूर चले जाते हैं। वे असंख्य तारों से भरे अंधेरे आसमान में आनंद लेते हैं। एक खगोलशास्त्री जोंटी हॉर्नर जो कि दक्षिणी क्वींसलैंड विश्वविद्यालय में पढ़ाते हैं इस आनंददायक सफर के बारे में बता रहे हैं।

यह कहते हैं कि एक बच्चे के रूप में, मुझे ऐसी यात्राएँ पसंद थीं, और उन्होंने रात के आकाश और अंतरिक्ष की सभी चीज़ों के प्रति मेरे जुनून को मजबूत करने में मदद की। उनका कहना है कि एक खगोलशास्त्री के रूप में मेरी सबसे बड़ी खुशी रात के आकाश को लोगों के साथ साझा करना है। लोगों को दूरबीन के माध्यम से ब्रह्मांड को देखने में मदद करना, जिससे उन्हें ब्रह्मांड के कई आश्चर्यों की पहली झलक मिल सके। लेकिन हम रात के आकाश को अपनी आंखों से भी साझा कर सकते हैं और आनंद ले सकते हैं - नक्षत्रों और ग्रहों को निहारना, या उल्का वर्षा देखने की खुशी की खोज करना। खगोल विज्ञान के प्रति रूचि होना आसान है, और मुझसे एक सामान्य प्रश्न पूछा जाता है कि 'मैं तारा-दर्शन में और अधिक कैसे रुचि ले सकता हूँ?' यहां इस आकर्षक और कालातीत शौक को शुरू करने के ऐसे तरीके दिए गए हैं, जिससे ज्यादा पैसा खर्च नहीं होगा।

#### रात्रि आकाश को निहारना सीखना

यदि आप एक शौकिया खगोलशास्त्री हैं तो शुरुआत करने के लिए एक अच्छी जगह रात के आकाश के चारों ओर अपना रास्ता बनाना सीखें। जब मैं छोटा था, तो इसमें एक प्लैनिसफ़ेयर (एक तारा मानचित्र, आप यहां अपना बना सकते हैं), या एक अच्छी संदर्भ पुस्तक प्राप्त करना शामिल था। आज, रात के आकाश में अपना रास्ता ढूंढने में आपकी मदद करने के लिए अनगिनत अच्छे ऐप्स मौजूद हैं।ऐसे ऐप का एक बेहतरीन उदाहरण स्टेलारियम है - एक तारामंडल कार्यक्रम जो आपको अपने कमरे में आराम से रात के आकाश को देखने या शाम के अवलोकन की योजना पहले से बनाने में मदद देता है। रात के आकाश को याद करने के लिए, आप स्टार हॉपिंग का प्रयास कर सकते हैं। एक उज्ज्वल, प्रसिद्ध, खोजने में आसान तारामंडल चुनें और उसके आस-पास के तारामंडलों की पहचान करने में आपकी सहायता के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में इसका उपयोग करें। प्रति सप्ताह एक नक्षत्र सीखें, और एक वर्ष के भीतर, आप अपने स्थान से दिखाई देने वाले अधिकांश नक्षत्रों से परिचित हो जाएंगे। आइए एक उदाहरण के रूप में ओरियन का उपयोग करें। ओरियन के आसपास के नक्षत्रों को जानने के लिए, आपका कार्य अपेक्षाकृत सरल है। गर्मियों की साफ, अँधेरी रात में बाहर जाएँ और उत्तर की ओर ओरियन को ऊँचा खोजें। ओरियन की बेल्ट के तीन सितारे ओरियन के पड़ोसियों के लिए एक शानदार संकेत हैं। यदि आप बेल्ट की रेखा का ऊपर और दाईं ओर अनुसरण करते हैं, तो आप सिरियस पर आते हैं - रात के आकाश में सबसे चमकीला तारा, और कैनिस मेजर में सबसे चमकीला तारा। लाइन को आगे बढ़ाएं और बाईं ओर मुड़ें, और आपको आकाश में दूसरा सबसे चमकीला तारा कैनोपस मिलेगा।

अब ओरियन की बेल्ट पर वापस आएँ, और उसकी रेखा का अनुसरण नीचे और बाईं ओर करें। आप चमकीले लाल एल्डेबारन सहित तारों के वी-आकार के समूह में आएंगे। यह हाइड्स तारा समूह है (एल्डेबारन के साथ एक अग्रभूमि इंटरलोपर), जो वृषभ, बैल के सिर जैसी आकृति बनाता है।

लाइन को आगे ले जाएं, और आप प्लीएड्स पर आएंगे - जिसे अक्सर सेवन सिस्टर्स के नाम से जाना जाता है - एक सुंदर तारा समूह जो हमारी आंखों से आसानी से दिखाई देता है।

फिर से ओरियन पर वापस जाएँ। इस बार, आप रिगेल (ओरियन के बॉक्सी बॉडी के ऊपरी-बाएँ पर चमकीला तारा) से बेटेल्गेज (बॉक्स के निचले-दाएँ तरफ चमकीला लाल तारा) के माध्यम से एक रेखा खींचने जा रहे हैं और इसे क्षितिज की ओर जारी रखेंगे। यह आपको मिथुन - जुड़वां बच्चों की आकृति तक ले जाता है।

केवल ओरियन को साइनपोस्ट के रूप में उपयोग करके, आप अच्छी संख्या में नक्षत्रों तक अपना रास्ता पा सकते हैं (सियान रेखा लेपस, खरगोश की ओर इशारा करती है; सफेद रेखा कैनिस माइनर, छोटे शिकारी कुत्ते की ओर इशारा करती है)। तारों के साथ आगे बढ़ते हुए, आप धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से रात के आकाश के चारों ओर अपना रास्ता बनाना सीखेंगे जब तक कि तारामंडल परिचित मित्र नहीं बन जाते।

#### आभासी अवलोकन

आकाश को नंगी आंखों से देखना एक अद्भुत बात है, लेकिन ज़ूम करके अधिक विस्तार से देखना भी बहुत अच्छा है।यदि आपके पास अपनी दूरबीन या दूरबीन तक पहुंच नहीं है तो क्या होगा? शुक्र है, स्टेलारियम जैसा सॉफ्टवेयर आपको एक शानदार आभासी अवलोकन अनुभव दे सकता है। कल्पना कीजिए कि आप शनि के छल्लों को देखना चाहते हैं - एक छोटी दूरबीन से भी एक शानदार दृश्य। आप इसे स्टेलारियम के साथ आसानी से कर सकते हैं। खोज बार का उपयोग करके शनि को ढूंढें और ग्रह की जानकारी सामने लाने के लिए उस पर क्लिक करें। 'लॉक ऑन' करने के लिए क्रॉस-हेयर प्रतीक पर क्लिक करें, फिर ज़ूम इन करें। जितना अधिक आप ज़ूम इन करेंगे, उतना अधिक आप देखेंगे। आप ग्रह के चंद्रमाओं को उनकी कक्षाओं में घूमते हुए या समय के साथ हमारे दृष्टिकोण से बदलते शनि के छल्लों के झुकाव को देखने के लिए घड़ी को आगे या पीछे भी चला सकते हैं। एक आभासी अवलोकन सत्र उतना ही सरल है - बस आकाश के चारों ओर घूमें जब तक आपको वह चीज़ न मिल जाए जो आप देखना चाहते हैं, और ज़ूम इन करें।

#### साझा किया जाने वाला अच्छा शौक

अब, एक आभासी अवलोकन सत्र बहुत अच्छा है, लेकिन वास्तविक चीज की तुलना में यह फीका पड़ जाता है। मैं यह पता लगाने के लिए कि आप क्या देखना चाहते हैं, स्टेलेरियम जैसे तारामंडल कार्यक्रमों का उपयोग करने की सलाह दूँगा, फिर इसे अपनी आँखों से देखने के लिए निकल पड़ूँगा। खगोल विज्ञान एक अद्भुत शौक है और इसे साझा करना सबसे अच्छा है। अधिकांश कस्बों और शहरों में अपने स्वयं के खगोल विज्ञान क्लब हैं, और वे आमतौर पर उन मेहमानों का स्वागत करने में बहुत खुश होते हैं जो रात के आकाश को देखना चाहते हैं। जब मैं सिर्फ आठ साल का था, तब मैं यूनाइटेड किंगडम में अपनी स्थानीय खगोल विज्ञान सोसायटी, वेस्ट यॉर्कशायर एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी में शामिल हो गया। एक सदस्य के रूप में, मैंने प्रत्यक्ष रूप से देखा कि शौकिया खगोल विज्ञान समुदाय कितना शानदार है। सोसायटी में, हमारे पास क्लब के सदस्यों और स्थानीय विश्वविद्यालयों के आने वाले खगोलविदों द्वारा खगोल विज्ञान पर साप्ताहिक वार्ताएं होती थीं। हम नियमित रूप से रात्रि में आकाश का अवलोकन भी करते थे, सोसायटी के स्वयं के टेलीस्कोप का उपयोग करते हुए - एक विशाल दूरबीन जिसे सदस्यों ने स्वयं बनाया था। जो लोग अपने शौक के प्रति जुनूनी होते हैं उन्हें इसे दूसरों के साथ साझा करने के अलावा और कुछ नहीं पसंद होता है। खगोलीय समाजों के सदस्य रात के आकाश के लिए शानदार मार्गदर्शक होते हैं, और उनके पास अक्सर अविश्वसनीय उपकरण होते हैं जिन्हें वे आपके साथ साझा करने में बहुत खुश होते हैं। खगोल विज्ञान क्लब और विश्वविद्यालय दोनों अक्सर सार्वजनिक रात्रि आकाश दर्शन की पेशकश करते हैं, जो दूरबीन के माध्यम से आकाश को देखने का सही अवसर है, साथ ही साझा करने के लिए सबसे प्रभावशाली स्थलों को खोजने के लिए एक अनुभवी मार्गदर्शक भी मौजूद है। इसलिए, यदि आप रात्रि आकाश के बारे में अधिक जानना चाहते हैं, तो अपनी स्थानीय खगोल विज्ञान सोसायटी से संपर्क करें - यह किसी बहुत विशेष चीज की शुरुआत हो सकती है।

## दुनिया की जनसंख्या इस साल सात करोड़ 50 लाख बढ़ी

**वाशिंगटन (एपी)।** विश्व की जनसंख्या पिछले साल सात करोड़ 50 लाख बढ़ी और नववर्ष के दिन कुल वैश्विक आबादी के आठ अरब से अधिक हो जाने का अनुमान है। अमेरिकी जनगणना ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल दुनिया भर में जनसंख्या की वृद्धि दर एक प्रतिशत से कम रही। वर्ष 2024 की शुरुआत में दुनिया भर में

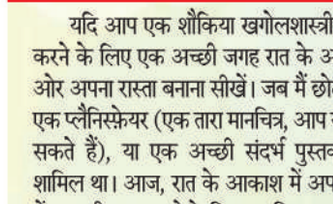

हर सेकंड में 4.3 लोगों का जन्म और दो लोगों की मौत होने का अनुमान है। अमेरिका की जनसंख्या की वृद्धि दर पिछले वर्ष 0.53 प्रतिशत थी, जो दुनिया भर की वृद्धि दर से आधी है। अमेरिका की आबादी इस साल 17 लाख बढी और नववर्ष पर इसकी कुल जनसंख्या 33 करोड़ 58 लाख हो जाएगी।

'ब्रुकिंग्स इंस्टीट्यूशन' में जनसांख्यिकी विशेषज्ञ विलियम फ्रे ने कहा कि जनसंख्या में वृद्धि की मौजूदा गति यदि इस दशक के अंत तक बरकरार रही, तो 2020 का दशक जनसंख्या में बढ़ोतरी के लिहाज से अमेरिकी इतिहास में सबसे धीमी गति का दशक हो सकता है और 2020 से 2030 तक की अवधि में वृद्धि दर 4% से कम रह सकती है।

## द्वितीय विश्वयुद्ध में जापानी हमले के बाद भागकर भारत आई थीं हेलेन

**नई दिल्ली,(आईएएनएस)।** मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने दिग्गज अभिनेत्री हेलेन के बारे में एक किस्सा साझा किया और बताया कि कैसे वह 1943 में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान बर्मा पर जापानी कब्जे से भागकर भारत आई थीं। हेलेन एक मशहूर डांसर हैं और अपनी दमदार भूमिकाओं के लिए जानी जाती हैं। उनका जन्म रंगून, बर्मा (जिसे अब म्यांमार के नाम से जाना जाता है) में हुआ। बर्मा पर जापानी कब्जे से बचने के लिए हेलेन का परिवार 1943 में डिब्रूगढ़, असम में आ गया। बाद में, हेलेन को 1958 में 19 साल की उम्र में बड़ा ब्रेक मिला, जब उन्होंने फिल्म 'हावड़ा ब्रिज' में 'मेरा नाम चिन चिन चू' गाने पर परफॉर्म किया। अभिनेता शम्मी कपूर के साथ उन्होंने 'जंगली' में 'सुकु सुकु', 'चाइना टाउन' में 'यम्मा यम्मा' और 'तीसरी मंजिल' में 'ओ हसीना जुल्फों वाली' जैसे कई हिट डांस नंबर किए। अमिताभ, जो 'कौन बनेगा करोड़पति 15' को होस्ट कर रहे हैं, ने रोल ओवर कंटेस्टेंट ललित कुमार का हॉट सीट पर स्वागत किया। 25 लाख रुपये के लिए उनसे पूछा गया : इनमें से कौन सी अभिनेत्री म्यांमार में पैदा हुई थी और बाद में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अपने परिवार के साथ भारत आ गई थी? दिए गए विकल्प थे - सुलोचना, सुरैया, नादिरा और हेलेन। सही उत्तर हेलेन था। हालांकि, ललित जवाब को लेकर निश्चित नहीं थे, इसलिए उन्होंने शो छोड़ने का फैसला किया। इसके बाद अमिताभ ने कहा, हेलेन और उनका परिवार म्यांमार से आ गया था... उन्हें भारत आने के लिए नदियों, पहाड़ों और झाड़ियों से गुजरते हुए मीलों चलना पड़ा। बर्मा पर जापानी कब्जे से बचने के लिए उन्हें 1943 में ऐसा करना पड़ा।अमिताभ ने कहा कि वह हमारे फिल्म उद्योग में एक लोकप्रिय अभिनेत्री बन गईं। उनका डांस देखकर कोई भी मंत्रमुग्ध हो जाएगा। हेलेन ने बिग बी के साथ 'मोहब्बतें', 'डॉन', 'शोले', 'अमर अकबर एंथोनी', 'द ग्रेट गैम्बलर' और 'राम बलराम' जैसी फिल्मों में स्क्रीन शेयर की है। फिल्म 'शोले' में, 'महबूबा-महबूबा' ट्रैक में उनका स्पेशल अपीयरेंस थी। अमिताभ ने कहा, मुझे उनके साथ कुछ फिल्मों में काम करने का सौभाग्य मिला। वह एक दयालु महिला हैं। वह सबकी देखभाल करती है। हम प्रार्थना करते हैं कि उन्हें अच्छा स्वास्थ्य मिले।

## महिलाओं की आवाज को स्वर देना अत्यंत महत्वपूर्ण

## पेरूमल मुरूगन

**नयी दिल्ली,(भाषा)।** आम इंसान की जिंदगी को अपने रचना संसार का आधार बनाने वाले और तमिलनाडु के ग्राम्य जनजीवन की महक को अपने लेखन में समेटने वाले तमिल साहित्यकार पेरूमल मुरूगन का कहना है कि महिलाओं की आवाज को स्वर देना अत्यंत आवश्यक है। मुरुगन के साहित्यिक जगत में महिलाएं हमेशा से केंद्र में रही हैं, चाहे वह 'पायरे' की सरोजा हों, विवादास्पद 'वन पार्ट वुमन' की पोन्ना, या यहां तक कि 'पूनाची' की नामधारी बकरी भी। और वे उनके नवीनतम 'फायर बर्ड' में भी हैं। मुरूगन के उपन्यासों, कहानियों में प्रत्येक महिला नायक न केवल ग्रामीण वास्तविकता का एक अनिवार्य हिस्सा है बल्कि अपने कथानक को निर्णायक आकार भी दे रही हैं।

जननी कन्नन द्वारा अंग्रेजी में अनुवादित 'फायर बर्ड' ने साहित्य के लिए जेसीबी पुरस्कार 2023 जीता है। मुरुगन ने बताया, 'महिलाओं की आवाज़ की ताकत हमारी रोजमर्रा की वास्तविकता में स्पष्ट है, खासकर हमारे क्षेत्र में। वे खेतीबाड़ी संभालती हैं, कड़ी मेहनत करती हैं। कृषि और पशुपालन जैसे कार्यों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका अपरिहार्य है।'उन्होंने कहा, ' उनके महत्वपूर्ण योगदान को पहचानते हुए, मुझे उनकी आवाज को स्वर देना महत्वपूर्ण लगा । मैं उनके नजरिए से दुनिया को देखने का लगातार प्रयास करता रहा हूं।' मूल रूप से तमिल भाषा में 'अलादंप पाक्षी ' शीर्षक से लिखा गया उपन्यास 'फायर बर्ड' पेरूमायी और मुथु के जीवन के इर्दगिर्द घूमता है।

# 2024 में दुनिया को और अधिक युद्ध या अशांति देखने को मिलेगी!

**एडिलेड,(द कन्वरसेशन)।** अफसोस की बात है कि 2023 वैश्विक मंच पर एक हिंसक वर्ष रहा है। गाजा में इस्राइल और हमास के बीच युद्ध छिड़ गया, जिससे हजारों फलस्तीनियों और सैकड़ों इस्राइलियों की मौत हो गई, जिनमें दोनो तरफ के बहुत से बच्चे शामिल हैं। और रूस तथा यूक्रेन के बीच भीषण युद्ध जारी रहा जिसका कोई अंत नजर नहीं आ रहा। इन दो संघर्षों पर ध्यान केंद्रित करने के परिणामस्वरूप, अन्य देश कई लोगों के लिए रडार से बाहर हो गए हैं। हालाँकि, इनमें से कुछ देश बढ़ती अशांति से निपट रहे हैं, जो 2024 में भड़क सकती है और वैश्विक सुर्खियों में आ सकती है। तो, आने वाले वर्ष में हमें कहाँ नजर रखनी चाहिए? यहां पांच स्थान बताए गए हैं जहां माना जाता है कि नागरिक संघर्ष या अशांति बदतर हो सकती है और संभावित रूप से हिंसा हो सकती है।

### म्यांमार

म्यांमार 2021 में अराजकता की स्थिति में आ गया जब एक सैन्य तख्तापलट ने आंग सान सू की के नेतृत्व वाली लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकार को उखाड़ फेंका और व्यापक नागरिक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया जो अंततः सशस्त्र प्रतिरोध में बदल गया। 135 जातीय समूहों के घर इस देश में शायद ही कभी शांति रही हो। तख्तापलट से पहले वर्षों तक, सेना और कई अल्पसंख्यक जातीय समूहों के बीच नागरिक संघर्ष चल रहा था, जो लंबे समय से अपने क्षेत्रों में प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण और राज्य से स्वतंत्रता की मांग कर रहे थे। तख्तापलट के बाद यह विस्फोट हुआ क्योंकि जातीय मिलिशिया समूह जुंटा का विरोध करने वाले बामर बहुमत के लोकतंत्र समर्थक सेनानियों के साथ सेना में शामिल हो गए। 2023 के अंत में एक समन्वित उत्तरी आक्रमण के साथ उनका प्रतिरोध बढ गया, जिससे सेना को कई वर्षों में सबसे बड़ा नुकसान हुआ। विद्रोहियों ने चीन के साथ उत्तरपूर्वी सीमा पर कस्बों और गांवों पर नियंत्रण हासिल कर लिया, जिसमें प्रमुख व्यापार मार्गों पर नियंत्रण भी शामिल था। इससे पश्चिमी राखीन राज्य के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में भी नए सिरे से लड़ाई शुरू हो गई। इन अल्पसंख्यक समूहों के प्रतिरोध की दृढ़ता, सेना के समझौता करने से इनकार के साथ मिलकर, यह सुझाव देती है कि 2024 में देश का गृह युद्ध काफी खराब हो सकता है और इसे अंतरराष्ट्रीय ध्यान फिर से हासिल हो सकता है।

### माली

अफ्रीका के अशांत साहेल क्षेत्र के देश माली में 2023 के दौरान तनाव बढ़ता गया और अब पूर्ण पैमाने पर गृहयुद्ध छिड़ने का ख़तरा है। माली लंबे समय से विद्रोही गतिविधियों से जूझ रहा है। 2012 में, माली की सरकार तख्तापलट में गिर गई और इस्लामी आतंकवादियों द्वारा समर्थित तुआरेग विद्रोहियों ने उत्तर में सत्ता पर कब्जा कर लिया। माली में स्थिरता लाने के लिए 2013 में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन की स्थापना की गई थी। फिर, 2015 में, प्रमुख विद्रोही समूहों ने माली सरकार के साथ एक शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए। 2020 और 2021 में दो और तख्तापलट के बाद, सैन्य अधिकारियों ने अपनी शक्ति मजबूत की और कहा कि वे पूरे माली पर राज्य का पूर्ण क्षेत्रीय नियंत्रण बहाल करेंगे।

शासन ने संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन को देश से वापस जाने पर जोर दिया, जो उसने जून 2023 में किया। इसके बाद, संयुक्त राष्ट्र के ठिकानों के भविष्य में उपयोग को लेकर सेना और विद्रोही बलों के बीच हिंसा भड़क उठी। नवंबर में, कथित तौर पर रूस के वैगनर समूह द्वारा समर्थित सेना ने रणनीतिक उत्तरी शहर किडाल पर नियंत्रण कर लिया, जिस पर 2012 से तुआरेग बलों का कब्जा था। यह 2015 से चली आ रही नाजुक शांति को कमजोर करता है। इसकी संभावना नहीं है कि सेना उत्तर में विद्रोहियों के कब्जे वाले सभी क्षेत्रों पर पूर्ण नियंत्रण हासिल कर लेगी। साथ ही उग्रवादियों के हौंसले बुलंद हैं. 2015 का शांति समझौता अब लगभग ख़त्म हो चुका है, हम 2024 में अस्थिरता बढ़ने की उम्मीद कर सकते हैं।

### लेबनान

2019 में, लेबनान में उन नेताओं के खिलाफ व्यापक नागरिक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया, जिनके बारे में माना जाता था कि वे आबादी की दिन-प्रतिदिन की जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रहे थे। सरकार में फेरबदल, बढते आर्थिक संकट और बड़े पैमाने पर बंदरगाह विस्फोट से भ्रष्ट आचरण उजागर होने से स्थिति लगातार बिगड़ती गई। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने आर्थिक सुधार की कमी के लिए सितम्बर में लेबनान की आलोचना की। लेबनानी सरकार राष्ट्रपति की नियुक्ति पर भी सहमति बनाने में विफल रही है, यह पद एक वर्ष से अधिक समय से खाली है। इससे लेबनान में नाजुक सत्ता-साझाकरण व्यवस्था के कमजोर होने का खतरा है, जिसमें प्रधान मंत्री, स्पीकर और राष्ट्रपति के प्रमुख राजनीतिक पद क्रमशः सुन्नी-मुस्लिम, शिया-मुस्लिम और ईसाई मैरोनाइट को आवंटित किए जाते हैं। हाल ही में, इस्राइल और हमास के बीच युद्ध के लेबनान तक फैलने की आशंका जताई गई है, जो हिजबुल्लाह आतंकवादी समूह का घर है, जो 100,000 लड़ाकों की सेना होने का दावा करता है। महत्वपूर्ण रूप से, यह लेबनान की आर्थिक सुधार की प्रमुख आशा के रूप में पर्यटन को खतरे में डालता है। ये कारक 2024 में अधिक गंभीर आर्थिक और राजनीतिक पतन का कारण बन सकते हैं।

### पाकिस्तान

1947 में पाकिस्तान की आजादी के बाद से, सेना ने राजनीति में हस्तक्षेपकारी भूमिका निभाई है। हालाँकि पाकिस्तानी नेता लोकप्रिय रूप से चुने जाते हैं, सैन्य अधिकारियों ने कई बार उन्हें सत्ता से हटा दिया है। 2022 में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान का पाकिस्तान के उग्रवादी नेताओं से मोहभंग हो गया। बाद में उन्हें संसद के मतदान में सत्ता से बेदखल कर दिया गया और बाद में उन आरोपों पर गिरफ्तार कर लिया गया, जिनके बारे में उनके समर्थकों का दावा है कि ये राजनीति से प्रेरित हैं।उनकी गिरफ्तारी के बाद देश भर में हिंसक प्रदर्शन शुरू हो गए - सेना के खिलाफ गुस्से का प्रदर्शन जो एक समय अकल्पनीय था। पाकिस्तान को पड़ोसी अफगानिस्तान में अस्थिरता और बढ़ते आतंकवादी हमलों का भी सामना करना पड़ रहा है। संघर्षरत अर्थव्यवस्था और 2022 की विनाशकारी बाढ़ से हुए नुकसान के कारण ये सुरक्षा चुनौतियाँ और भी जटिल हो गई हैं। पाकिस्तान में फरवरी 2024 में संसदीय चुनाव होने की उम्मीद है, जिसके बाद वर्तमान सैन्य कार्यवाहक सरकार द्वारा नागरिक शासन को सत्ता हस्तांतरित करने की उम्मीद है। कई लोग सेना पर करीब से नजर रख रहे हैं। यदि सत्ता का यह हस्तांतरण नहीं होता है, या देरी होती है, तो नागरिक अशांति हो सकती है।

### श्रीलंका

श्रीलंका को 2022 में एक विकट आर्थिक संकट का सामना करना पड़ा जिसके कारण ईंधन, भोजन और दवाओं की गंभीर कमी हो गई। नागरिक विरोध के कारण तत्कालीन राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को देश से भागना पड़ा। उनकी जगह वर्तमान राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंह ने ले ली। 2023 में स्थिरता लौट आई क्योंकि श्रीलंका ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ बेलआउट समझौते के हिस्से के रूप में आर्थिक सुधारों को लागू करना शुरू कर दिया। हालाँकि, राजनीतिक अभिजात वर्ग और देश की आर्थिक कठिनाई के अंतर्निहित चालकों के प्रति व्यापक असंतोष को कम करने का उपाय नहीं किया गया है। 2024 के अंत तक श्रीलंका में भी चुनाव होने हैं। मौजूदा राष्ट्रपति विक्रमसिंह के दूसरे कार्यकाल के लिए चुनावी भाग्य आजमाने की संभावना है, लेकिन जनता के बीच उनका भरोसा कम है। उन्हें भ्रष्ट राजनीतिक अभिजात वर्ग के करीबी के रूप में देखा जाता है। यह असंतोष नए सिरे से विरोध प्रदर्शन का कारण बन सकता है - खासकर अगर अर्थव्यवस्था फिर से लड़खड़ाती है - उसी स्थिति की पुनरावृत्ति, जिसके कारण 2022 में राजपक्षे को सत्ता से बाहर होना पड़ा था।

# ग्राम चौपाल के वर्षगांठ पर आयोजित प्रदर्शनी का सीडीओ ने किया समापन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। ग्राम चौपाल गाँव की समस्या, गाँव में समाधान कार्यक्रम के प्रथम वर्षगांठ के उपलक्ष्य में दो दिवसीय प्रदर्शनी का समापन कार्यक्रम मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य, द्वारा किया गया। ग्राम चौपाल का समापन कार्यक्रम के अन्तर्गत कलेक्ट्रट सभागार गाजीपुर में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा समस्त प्रिन्ट मीडिया एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के साथ सरकार की महत्पूर्ण योजनाओं से लाभान्वित एवं संचालित कार्यक्रम योजनान्तर्गत की विस्तृत जानकारी प्रेसवार्ता के माध्यम से दी। प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि 1684 ग्राम चौपाल का आयोजन जनपद के विभिन्न गॉवों में किया गया, जिसमें ब्लाक स्तरीय 4217 अधिकारी/कर्मचारी व ग्राम स्तरीय कुल 15984 कर्मचारी एवं लगभग 107370 ग्रामवासी उपस्थित रहे। ग्राम चौपाल के माध्यम से 9340 आवेदन प्राप्त हुए जिसका सम्बन्धित विभागो द्वारा निस्तारण किया गया। इसी क्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत वर्ष 2016 से 30 दिसम्बर, 2023 तक 80274 लक्ष्य के सापेक्ष 74824




आवास पूर्ण कर लाभान्वित किया गया। मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत वर्ष 2019 से 30 दिसम्बर, 2023 तक 9689 लक्ष्य के सापेक्ष 6545 आवास पूर्ण कर लाभान्वित किया गया। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में वित्तीय वर्ष 2023-24 में कुल 75.075 किमी0 लम्बाई की सड़क का कार्य पूर्ण किया गया है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत जनपद में अब तक 175 बैंक सखी, 1112 बी0सी0 सखी, 490 समूह सखी तथा 350 विद्युत सखियों द्वारा कैंडरो के माध्यम से ग्राम पंचायतों में योजना का लाभ से लाभान्वित किया गया।

प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि जनपद में मनरेगा योजनान्तर्गत वि×ीय वर्ष 2023-24 में कुल मानव दिवस का लक्ष्य 68.85 लाख के सापेक्ष 74.54 लाख मानव दिवस का सृजन कर कुल 1.83 परिवार को लाभान्वित किया गया जिसमें महिलाओं की सहभागिता 34.37 लाख जिनका कुल वर्ष में 22603.46 लाख का व्यय किया गया। मनरेगा के अन्तर्गत लक्ष्य 396 अमृत सरोवर के सापेक्ष 251 अमृत सरोवर पूर्ण है शेष कार्य प्रगति पर है तथा 181 खेल मैदान चिन्हित किये गये है जिसमें 11 कार्य पूर्ण किया गया बाकी शेष कार्य प्रगति पर है। मनरेगा के अन्तर्गत जनपद के आकुशपुर में हाई-टेक नर्सरी का निर्माण किया जा रहा है जो 70 प्रतिशत तक भौतिक प्रगति हो चुकी है। मनरेगा/राज्य वि×/वि× आयोग के अभिसरण से जनपद में 53 गो-आश्रय स्थल का निर्माण किया गया। 49 सस्ते गल्ले की दुकान/मॉडल शॉप/अन्पूर्णा भवन मनरेगा-कवर्जेन्स के माध्यम से कार्य कराया जा रहा है इसके अतिरिक्त 1769 आंतरिक गलिया व नाली निर्माण का कार्य कराया जा रहा है। मनरेगा योजनान्तर्गत विगत पॉच वर्षो में 16 विकास खण्डो में लक्ष्य 32097773 के सापेक्ष प्राप्ति उपलब्धी 33850113 के अन्तर्गत कुल 866070 गरीब परिवार को रोजगार से लाभान्वित किया गया जिसमें 40.67 प्रतिशत महिला रोजगार से लाभान्वित है।

मुख्य विकास अधिकारी ने ग्राम चौपाल कार्यक्रम के अन्तर्गत बताया कि दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित का एक प्रमुख गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम है इसका उद्देश्य गरीब परिवारों को लाभकारी स्व-रोजगार और कुशल मजदूरी रोजगार के अवसरों तक पहुंचने में सक्षम बनाकर गरीबी को कम करना है, जिसके परिणामस्वरूप गरीबों के लिए टिकाऊ और विविध आजीविका विकल्प उपलब्ध होगें। गरीबों की आजीविका में सुधार के लिए यह दुनिया की सबसे बड़ी पहलों में से एक है। योजना अन्तर्गत जनपद गाजीपुर का चयन वित्तीय वर्ष 2021-22 में इंटेंसिव रूप में हुआ योजना आरंभ से अब तक जनपद में ग्रामीण क्षेत्रों की अति गरीब महिलाओं का 10487 स्वयं सहायता समूहों का गठन, 270 ग्राम संगठन का गठन एवं कुल 31 संकुल स्तरीय संघ का गठन कराते हुए कुल 5221 स्वयं सहायता समूहों को स्टार्ट अप, कुल 6412 स्वयं सहायता समूहों को रिवाल्विंग फंड एवं कुल 4805 स्वयं सहायता समूहों को सामुदायिक निवेश निधि की धनराशि दी जा चुकी है। इसके अतिरिक्त कुल 2932 स्वयं सहायता समूहों को सी.सी.एल. से जोड़ा जा चुका है। 11996 समूह सदस्य विभिन्न आजीविका गतिविधियों के माध्यम से अपने आजीविका में वृद्धि कर रहे है। इसके अतिरिक्त जनपद में कुल 75 स्वयं सहायता समूहों द्वारा उचित दर दुकानों का कुशलतापूर्वक सचालन किया जा रहा है। 12 स्वयं सहायता समूहों द्वारा प्रेरणा कैंटीन का संचालन कर अपने आय में वृद्धि की गयी। इसके साथ ही समूह की महिलाओं द्वारा सामुदायिक शौचालयों में केयर-टेकर का कार्य सफलापूर्वक किया जा रहा है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत विभिन्न आजीविका से जुडी महिलाओं में 4410 कृषि कार्य से जुड़े सदस्य, 2175 महिलाये पशुपालन का कार्य, 1260 सब्जी की खेती से जुड़ी, 1025 सिलाई, 350 ग्रोसरी, 40 फूलो की खेती से जुड़ी, 238 बकरी पालन का कार्य, 450 मुर्गी पालन, 78 दोना प×ल, 42 आचार मुरब्बा, एवं 1568 अगरब×ी निर्माण, वाशिंग पाउडर, मिट्टी के बर्तन, मसाला,चप्पल, मुकुट, चाय पैकिंग, साफ्ट टॉयज, घर के सजावटी सामान, गो-अग्नि (दशांग), पोला, नमकीन, पापड़ चिप्स से जुडकर महिलाओं द्वारा कार्य किया जा रहा है।

## माता आनंदमयी चिकित्सालय भदैनी में पेयजल आपूर्ति संयंत्र का शुभारंभ

प्रखर वाराणसी। श्री माता आनंदमयी चिकित्सालय भदैनी में परिसर में रोगियों एवं उनके परिजनों हेतु भूमिगत पेयजल संयंत्र का लोकार्पण हुआ। सर्वप्रथम अतिथियो ने अपने करकमलों द्वारा बटन दबा कर संयंत्र को सक्रिय किया और शुद्ध पेयजल प्रवाह का आरम्भ हुआ साथ ही निर्बल वर्ग में कम्बल तथा अन्न पैकट का वितरण अतिथियो द्वारा सम्पन्न हुआ। लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति रही विधायक कैंट वाराणसी श्री सौरभ श्रीवास्तव जी एवं विशिष्ट अतिथि द्वय रहे पूर्व अध्यक्ष उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी लखनऊ ,पद्मश्री डा राजेश्वर आचार्य तथा ख्यात चिकित्सक पद्मश्री डॉ कमलाकर त्रिपाठी।मान्य अतिथि रहे ए सी पी



वाराणसी श्री अतुल अंजान।कार्यक्रम की अध्यक्षता की ख्यात वरिष्ठ चिकित्सक डॉ सुजीत कुमार भटाचार्य ने ।विशिष्ट उपस्थिति रही चिकित्सक डॉ ए के देव की आरम्भ में अतिथियो का स्वागत किया चिकित्सालय के सचिव डॉ सुनील कुमार मिश्रा ने साथ ही डॉ सुनील ने समस्त गणमान्य अतिथियो का सम्मान अंगवस्त्रम माल्यार्पण तथा स्मृति चिन्ह प्रदान कर किया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक कैंट श्री सौरभ श्रीवास्तव ने सरकार की ओर से चिकित्सालय को हर संभव सुविधाएं उपलब्ध कराने का संकल्प व्यक्त किया।विशिष्ट अतिथि पद्मश्री डॉ राजेश्वर आचार्य जी पूर्व अध्यक्ष उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि माता आनंदमयी सत्यमयी चैतन्यमयी परमेश्वरी चेतना का अवतार थी जिनके आदर्श आज चिकित्सा जगत के लिए अनुकरणीय है । विशिष्ट अथिति डॉ कमालाकर त्रिपाठी ने कहा कि माता आनंदमयी जी के आदर्शों को आत्मसात कर यह चिकित्सालय उत्तरोत्तर सेवा के पथ पर गतिमान है ।

## श्री हरे कृष्ण ज्वेलर्स नें जरूरतमंद बच्चों को बाँटे गर्म कपड़े, गर्म कपड़ो को पाकर बच्चों के चेहरे पर आयी मुस्कान

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। वाराणसी में शीतलहर एवं कड़ाके की ठण्ड को देखते हुए 30 दिसम्बर शनिवार को श्री हरे कृष्ण ज्वेलर्स की ओर से शिवपुर में जरूरतमंद बच्चों को ऊनी वस्त्र एवं गर्म कपड़ों का वितरण किया गया` प्रतिष्ठान के शिवपुर शाखा में सुबह से शिवपुर बाईपास, परमानन्दपुर, गिलट बाजार सहित आसपास के झुग्गी झोपड़ी में रह रहें सैकड़ो परिवारों नें अपने बच्चों को गर्म कपड़े मिलने की आस में जुटे रहे लगभग 1000 बच्चों को इनर, स्वेटर वितरण किया गया` बच्चों के चेहरे पर गर्म कपड़ों को पाकर दिखी मुस्कान कहा की कड़ाके की ठंड में गर्म कपड़ों को पहनेंगे मिलेगा राहत, दिया धन्यवाद। सभी बच्चें गर्म कपड़े पाकर प्रफुल्लित हुए और दोपहर




तक जरूरतमंद परिवार अपने बच्चों के लिए ऊनी वस्त्र को लेने के लिए शोरूम में आते रहें `वाराणसी के प्रमुख ज्वेलरी प्रतिष्ठान के अधिष्ठाता एवं समाजसेवी संतोष कुमार अग्रवाल नें बताया कि नववर्ष की पूर्व संध्या पर ठंडक दस्तक दे चुकी है और इस भीषण ठण्ड से बचाव हेतु जरूरतमंद परिवारों के बच्चों को श्री हरे कृष्ण ज्वेलर्स हर सम्भव राहत प्रदान करने के लिए हमेशा तत्पर है विभिन्न स्कूलों में जरूरतमंद छोटे बच्चों एवं विद्यार्थियों के लिए गर्म कपड़ों के निःशुल्क वितरण का यह क्रम वर्षों से अनवरत चल रहा है। वस्त्र वितरण कार्यक्रम में प्रतिष्ठान के चेतन अग्रवाल, रौनक अग्रवाल, कोमल एवं रुपिका अग्रवाल नें सहयोग किया।

## मण्डल स्तरीय खादी एवं ग्रामोद्योग प्रदर्शनी - वाराणसी में कवियों ने श्रोताओं को किया लोट-पोट

प्रखर वाराणसी। चौकाघाट सांस्कृतिक शंकुल के सांस्कृतिक मंच पर मण्डल स्तरीय खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के प्रदर्शनी में बोर्ड के वाराणसी मण्डल के निदेशक यू.पी.सिंह - मुख्य अतिथि, श्रीप्रकाश कुमार श्रीवास्तव गणेश एवं डॉ.सुबाष चंद्र विशिष्ट अतिथि द्वय के गरिमामयी उपस्थिति में वरिष्ठ कवि गिरीश पाण्डेय के अध्यक्षता में कवि इंद्रजीत तिवारी निर्भीक के संचालन में खादी ग्रामोद्योग से ही सच्ची आजादी विषयक अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसका संयोजन मां मुण्डेश्वरी म्युजिकल के निदेशक प्रख्यात भजन गायक राकेश चौबे संगम ने किया। उक्त अवसर पर मुख्य अतिथि यू.पी. सिंह ने कहा कि खादी से ही सच्ची आजादी का ऐहसास होता है आमो के आम गुठलियों के दाम को चरितार्थ करते हुए अपने देश के उत्पादों को हम सब अपनाकर ही सुख - समृद्धि का ऐहसास कर सकते हैं ` कवि सिद्धनाथ शर्मा सिद्ध ने खादी से ही सच्ची आजादी,ऐके दिल से अपनावा, भईया-बाबू- माई-बहिनी अपने दिल में राष्ट्र प्रेम क भाव जगावा, पूनम श्रीवास्तव ने - हम सबअपने दिलों दिमाग को जगाएं, अपने खादी ग्रामोद्योग के उत्पादों को ही अधिक से अधिक अपनाएं, इंद्रजीत तिवारी निर्भीक ने - सावधान हम सब भारतवासी ना कोई गलत विचार है खादी ग्रामोद्योग के सामानों को अपनाकर देखें राष्ट्र प्रेम व्यवहार है। दिल्ली की कवयित्री चंद्रकांता शिवाल चंद्रेश ने गीत - गजल हम सब जन-जन से मिलकर गुनगुनाएंगे,अपने खादी ग्रामोद्योग के अधिक से अधिक वस्तुओं को ही अपनाएगें, डॉ. सुबाष चंद्र ने ज़िन्दगी में हम सब गउन- गुनाते रहे, स्वदेशी उत्पादों को ही अपनाते रहे। आयोजन के अन्त में नई दिल्ली की प्रख्यात कवयित्री चंद्रकांता शिवाल चंद्रेश का अनेकों विशिष्ट लोगों ने संयुक्त रूप से अंगवस्त्रम, स्मृति चिन्ह, मोती की माला, डॉ. राम अवतार पाण्डेय एडवोकेट द्वारा रचित पांच साहित्यिक पुस्तकों को भेंट किया गया` विशेष रूप से पंडित प्रकाश मिश्र ज्योतिषी ने भी आगंतुकजनों का माला पहनाकर स्वागत किया।

## प्रो.आद्या प्रसाद पाण्डेय इण्डियन इकोनॉमिक एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्वाचित

प्रखर लखनऊ। गिरी इंस्टिट्यूट ऑफ डेवलपमेंट लखनऊ में आयोजित इण्डियन इकोनॉमिक एसोसिएशन के 106वें वार्षिक अधिवेशन में मणिपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त अर्थशास्त्री प्रो. आद्या प्रसाद पाण्डेय को इण्डियन इकोनॉमिक एसोसिएशन का अध्यक्ष चुना गया। प्रो.आद्या प्रसाद पाण्डेय काशी हिंदू विश्वविद्यालय अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष तथा बीएचयू कार्यकारिणी के सदस्य, आईआईटी बीएचयू की गवर्निंग बॉडी के सदस्य, एमएसएमई मंत्रालय के डायरेक्टर सहित अनेक विश्वविद्यालयों की कार्यकारिणी के माननीय सदस्य रहे हैं एवं वर्तमान में एमबीएम विश्वविद्यालय जोधपुर के बोर्ड ऑफ गवर्नर के गवर्नर नामित सदस्य एवं राम मनोहर लोहिया विश्वविद्यालय अयोध्या, यूपीटीयू लखनऊ, यूपीकॉलेज वाराणसी, गुरुजंभेश्वर विवि हिसार, हरियाणा, महर्षि मानकेश्वर वि.वि. अम्बाला, एडमास वि०वि० इथियोपिया सहित अनेक विश्विद्यालयों की अकादमिक कौंसिल के सदस्य हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने दो से ज्यादा शोध पत्र तथा कई पुस्तकों के लेखन का भी कार्य किया है। प्रो. पाण्डेय उत्तर प्रदेश के पहले व्यक्ति हैं जिनका निर्वाचन आईए के अध्यक्ष पद पर हुआ है। इस अन्तरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संस्था के पूर्व अध्यक्ष पूर्व प्रधान मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह , नोबल पुरस्कार से सम्मानित प्रो. अमर्त्यसेन, डॉ. वीकेआरवी राव जैसे ख्याति प्राप्त अर्थशास्त्री रहे हैं। प्रो. पाण्डेय का कार्यकाल तीन वर्ष का होगा। इस अधिवेशन में गुरुनानक देव विश्वविद्यालय के पूर्व संकाय प्रमुख प्रो.विक्रम चड्ढ़ा को कांफ्रेंस अध्यक्ष बनाया गया है। इस अधिवेशन में भीमराव केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो.एनएमपी वर्मा को अटल विहारी बाजपेयी पुरस्कार से सम्मानित किया गया एवं उदयपुर के निवासी गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय नोएडा के पूर्व कुलपति एवं अर्थशास्त्री प्रो भगवती प्रकाश शर्मा को प्रख्यात अर्थशास्त्री जेके मेहता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अधिवेशन में देश एवं विदेश के अर्थशास्त्रियों की सक्रिय भागीदारी रही।

## यौधेय गण के संस्थापक आदि पुरुष महाराज अहिबरन जी को जन्म जयन्ती दिवस पर किया गया स्मरण

प्रखर वाराणसी। बरनवाल सेवा सदन वाराणसी में अध्यक्ष राजेंद्र बरनवाल के अध्यक्षता में संरक्षक अरुण बरनवाल, संजय बरनवाल सहित सदस्यों के साथ आदि पुरुष व यौधेय गण के संस्थापक महाराज अहिबरन जी के जन्म दिवस के अवसर पर महाराज अहिबरन जी के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित करते हुए अहिबरन वन्दना किया । वहीं दूसरी तरफ पूरे देश के विभिन्न क्षेत्रों के सहयोग से उत्तर प्रदेश के प्रादेशिक अध्यक्ष श्रीकांत बरनवाल के नेतृत्व में बरनवाल समाज ने आदि पुरुष महाराज अहिबरन जी, कुल देवी माता चामुण्डा देवी एवं मां सरस्वती जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर आरती करते हुए बुलन्दशहर के नुमाइस मैदान स्थित हाल में मुख्य अतिथि के रूप में बुलन्दशहर के विधायक प्रदीप चौधरी जी व विशिष्ट अतिथि नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष दीप्ति मित्तल जी की उपस्थिति में महाराज अहिबरन जी के जन्मोत्सव को धूमधाम से मनाया।

इस अवसर पर समाज की ओर से दायित्वधारियों द्वारा मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि से बुलन्दशहर को पुराने नाम बरन नगर करने का आग्रह किया गया व पत्रक सौंपा गया । शहर के किसी भी एक प्रमुख चौराहे पर महाराज अहिबरन जी के दिव्य व भव्य मूर्ति तथा प्रमुख मार्ग को महाराज अहिबरन जी के नाम पर नामकरण का आग्रह भी किया । अतिथि द्वय ने कहा कि आप बरनवाल समाज के प्रतिनिधियों द्वारा महाराज अहिबरन जी के वंशज होने के कारण इस मांग को उचित ठहराते हुए आने वाले समय में इसे अति शीघ्र प्रभावित करने का आश्वासन दिया । इससे पहले सांसद डॉ. भोला सिंह जी ने विशाल शोभायात्रा को रवाना किया, जो विभिन्न मार्गों से होता हुआ कार्यक्रम स्थल पहुंचा। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष शशि भूषण बरनवाल, राष्ट्रीय महामंत्री प्रदीप कुमार बरनवाल, प्रदेश महामंत्री रविन्द्र बरनवाल, कोषाध्यक्ष शिवाजी बरनवाल, प्रदेश महिला अध्यक्षा नीशिमा बरनवाल, सुरेश गर्ग, अतुल बरनवाल, कृष्ण मोहन गोयल, राहुल, नीरज , सुनिल, मोहनलाल, आलोक (धुलियान), गोपाल, अनुराग, शीतल, मंजरी, आरती, शकुन्तला, रवि प्रकाश बरनवाल, विनोद कौशिक, सुषमा कौशिक सहित सैकड़ों बरनवाल बन्धु, महिलाएं व बच्चे उपस्थित रहें। एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को सूरज बरनवाल व मोना बरनवाल के नेतृत्व में प्रस्तुत किया गया ।




कार्यक्रम का कुशल संचालन अभिषेक बरनवाल ने किया । इस अवसर पर साहित्य प्रेमियों के लिए मुन्नीलाल द्वारा लिखित जाति रत्न डॉ. त्रिवेणी प्रसाद बरनवाल जी पर पुस्तक का विमोचन हुआ । बरनवाल पुस्तक प्रदर्शनी के माध्यम से अन्य साहित्यकारों के पुस्तकों का विक्रय किया गया जिसमें समाज की बेटी बी.आयुषी द्वारा लिखित पुस्तक दोहों का नव आलोकन को काफी सराहना मिली। यह पुस्तक अमेजन व फ्लिपकार्ट पर उपलब्ध है। इस अवसर पर महाराज अहिबरन जी का अंतरराष्ट्रीय वेबसाइट का भी शुभारंभ माननीय अतिथि द्वय द्वारा हुआ ।

## संक्षिप्त खबरें

### अलाव की व्यवस्था भूल गया प्रशासन, भीषण ठंड मे कांप रहे लोग

प्रखर जौनपुर। चन्दवक दिसंबर महीने के आखरी सप्ताह ठंड ने अपना प्रकोप दिखाना शुरू कर दिया है। लगातार बढ़ रही ठंड के बीच चौक-चौराहों पर किसी संगठन द्वारा अलाव की व्यवस्था नहीं किए जाने के बीच लोगों की निगाहें प्रशासन पर जा टिकी हैं। पड़ रही कड़ाके की ठंड के बीच चौक-चौराहों पर अलाव की व्यवस्था नहीं होने के कारण रदी कागज और फलों की पेटियों का जलाकर लोग ठंड भगाने का प्रयास कर रहे हैं। पड़ रही कड़ाके की ठंड के बीच लोग घरों में ही दुबकने लगे हैं। सुबह-शाम ज्यादा ठंड पड़ने के कारण अति आवश्यक कार्य से ही लोग घर से बाहर निकल रहे हैं। वृद्धों और बच्चों को खासी परेशानी झेलनी पड़ रही है। उत्तर प्रदेश सरकार जहां ठंड को लेकर अनेक गाइडलाइंस जारी कर चुकी है, मगर अधिकारी व कर्मचारीउनके गाइडलाइंस को ठेंगा दिखाने का कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं,ऐसा मामला डोभी ब्लाक अंतर्गत पढ़ने वाले, चंदवक, पतरही , खुज्झी मोड, बजरंगनगर आदि बाजारों में देखा जा सकता है जहां ना तो रैन बसेरो का निर्माण किया गया है, और न,ही कही अलाव की व्यवस्था देखने को मिल रही है, और जगह की बात तो अलग है, परंतु चंदवक बाजार चार जिलों को जोड़ता है, जहां अनेक जगह के यात्री आते जाते रहते हैं, विश्राम भी करते हैं,यहां भी कोई सुविधा प्रदान नहीं की गई है, कड़ाके की ठंड के बीच गर्म कपड़े भी ठंड से पूरी तरह निजात दिलाने में नाकाफी साबित हो रहे हैं। गर्म कपड़े पहनने के बाद भी ठंड भगाने के लिए लोगों को आग का सहारा लेना पड़ रहा है लेकिन जिम्मेदार मौन साधे है।

### एक्सिस बैंक की 17 वीं शाखा का हुआ भव्य शुभारंभ

प्रखर वाराणसी। एक्सिस बैंक की 17 वीं शाखा विशेश्वरगंज का उद्घाटन मच्छोदरी पार्क के पास मुख्य अतिथि शंशाक चौरसिया के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर ब्रांच मैनेजर अरूण सिंह ने बताया कि वाराणसी में यह हमारी 17 वीं शाखा है हम अपने कस्टमर को बेहतर सुविधा देते हैं जिससे कस्टमर हमारे ऊपर विश्वास करते हुए अपना प्यार और स्नेह हमें देते हैं जिससे हम अपने आप को और मजबूत महसूस करते हैं और उसी को देखते हुए आज हम सभी लोग वाराणसी में 17वीं शाखा का शुभारंभ कर रहे हैं। इस अवसर पर मुख्य रूप से अजय चौधरी, अरूण मिश्रा, चंद्र प्रकाश सिंह सहित अन्य ब्रांचों के मैनेजर एवं बैंक के पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

### युवा कल्याण व पीआरडी ने किया दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिला युवा कल्याण एवं प्रा०वि० दल अधिकारी सुरेन्द्र ने बताया कि ग्रामीण लीग के अन्तर्गत जनपद स्तरीय ग्रामीण खेल प्रतियोगिता का आयोजन 29 व 30 दिसम्बर, 2023 को नेहरू स्टेडियम, गोराबाजार, गाजीपुर के प्रांगण में सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन श्रीमती सरिता अग्रवाल, नगर पालिका अध्यक्ष, गाजीपुर के कर कमलो द्वारा फीता काट कर किया गया. खेल का संचालन सुरेन्द्र जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी द्वारा किया गया, एथलेटिक्स, वालीबाल, कबड्डी, कुश्ती विधा में सबजूनियर, जूनियर, सीनियर वर्ग की प्रतियोगिता सम्पन्न करायी गयी। विजयी खिलाड़ियों को प्रणाण-पत्र एवं पुरस्कार का वितरण अध्यक्ष द्वारा देकर सम्मानित किया गया।। कबड्डी सबजूनियर बालक वर्ग में मुहम्मदाबाद प्रथम सदर द्वितीय वहीं बालिका वर्ग में कासिमाबाद प्रथम व मुहम्मदाबाद द्वितीय रही। वालीबाल सीनियर में भांवरकोल ने बाजी मारी। सीनियर वर्ग बालिका में भदौरा प्रथम रही। सबजूनियर बालक वर्ग 100 मी० दौड़ में मोहित प्रसाद रेवतीपुर प्रथम, 800 मी० दौड़ में अनिल विन्द कासिमबाद प्रथम, जूनियर बालक वर्ग 100 मी० दौड़ में सत्यानंद कुमार करण्डा प्रथम, 200 मी0 में अखिलेश यादव करण्डा प्रथम, 400 मी० में आदित्य सिंह करण्डा प्रथम, 1500मी0 में पवन राजभर रेवतीपुर प्रथम, सीनियर बालक वर्ग 100 मी0 में सिद्धार्थ राजपूत देवकली प्रथम, 200 मी० में सुरेन्द्र यादव बाराचवर प्रथम, 400 मी0 में रियासत अंसारी मनिहारी प्रथम, 1500 मी० में मोहन यादव करण्डा प्रथम, सब जूनियर बालिका वर्ग 100 मी० दौड़ में प्रिती कुमारी रेवतीपुर प्रथम, 800 मी0 में आरती यादव रेवतीपुर प्रथम, जूनियर बालिका वर्ग 100 मी० में सुमन विन्द कासिमाबाद प्रथम, 400 मी0 दौड़ में अन्नू मुहम्मदाबाद प्रथम, सीनियर बालिका वर्ग 100 में नीलू विश्वकर्मा सादात प्रथम। इस कार्यक्रम में श्री अमरनाथ कुशवाहा, पटल सहायक, कुव सिन्धुजा यादव, बी०ओ० सदर, श्री रविशंकर प्रसाद बी०ओ०, बिरनो, श्री अखिलेश यादव बी०ओ० सादात, मु० वकार खॉन बी०ओ० जमानिया, चन्द्रकान्त यादव बी०ओ० करण्डा, किशनचन्द बी०ओ० भदौरा, कु० आंचल सिंह बी०ओ० देवकली, योगेन्द्र राम, सिद्धार्थ कुशवाहा, राजेश पासवान, रामअवध यादव, विजय कुशवाहा, कुश्ती संघ के कमलेश यादव, अजय विन्द, एथलेटिक्स के अमरजीत, विनोद, कबड़डी के निर्णायक रामअधार यादव, कन्हैया यादव, संगीता, अंजली चन्द्रभान सिंह सेवानिवृत्त व्यायाम प्रशिक्षक का विशेष सहयोग रहा। द्वारा दी गयी।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं